हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

17 मार्च, 1997

खण्ड 1, अंक 9

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 17 मार्च, 1997

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	(9) 1
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(9) 3
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(9) 21
माफिया व्यक्तियों के आपसी झगड़े मे मारे गए व्यक्तियों के नाम सप्लाई करने सम्बन्धी मामला	(9) 23
वैयक्तिक स्पष्टीकरण-	
श्री निर्मल सिंह द्वारा	
सदस्यों का नाम लेना	(9) 28
वाक आउट	(9) 29
अभिकथित विशेषाधिकार भंग का प्रश्न	(9) 29
वैयक्तिक स्पष्टीकरण-	(9) 30
कृषि मंत्री द्वारा	
वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9) 30
	(9) 31

मूल्य : 167 00

वैयक्तिक स्पष्टीकरण-	(9) 49
(i) श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा	(9) 49
(ii) वित्त मंत्री द्वारा	(9) 49
(iii) चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री द्वारा	(9) 50
वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	
वैयक्तिक स्पष्टीकरण-	(9) 53
मुख्यमंत्री द्वारा	(9) 53
वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9) 56
वाक-आउट	(9) 57
वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9) 63
बैठक का समय बढ़ाना	(9) 64
वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9) 75
बैठक का समय बढ़ाना	(9) 75
वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9) 89
बैठक का समय बढ़ाना	(9) 89
वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9) 92
नियम-104 का निलंबन तथा सदन की सेवा से सदस्य का निलंबन	(9) 93
वाक-आउट	(9) 93
वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	

हरियाणा विधान सभा

सोमवार 17 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर -1, चण्डीगढ़ में 14-00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now the Chief Minister will make obituary reference.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, हमारी पिछली सिटिंग और इस सिटिंग के बीच में श्री वीरेन्द्र पाटिल इस संसार से चले गए हैं उनके लिए मैं शोक प्रस्ताव पेश करता हूं।

यह सदन कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्य मंत्री श्री वीरेन्द्र पाटिल के 14 मार्च, 1997 को हुये दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म सन् 1924 में हुआ। कानून की डिग्री लेने के बाद, उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया और हैदराबाद राज्य विधान सभा के सदस्य के रूप में अपना राजनैतिक जीवन शुरू किया। वह 1957 से 1971 तक तथा पुनः 1989 में कर्नाटक विधान सभा के सदस्य बने। वे 1957 से 1968 तक कर्नाटक मंत्रिमण्डल में मन्त्री पद पर रहे। श्री पाटिल 1968 से 1971 तक तथा 1989 से 1990 तक दो बार कर्नाटक राज्य के मुख्य मंत्री रहे। श्री पाटिल 1972 से 1978 तक राज्य सभा के सदस्य रहे तथा वे 1980 तथा 1984 में लोक सभा के लिये भी चुने गये। श्री पाटिल ने 1980 से 1985 तक केन्द्रीय मन्त्री के रूप में देश की सेवा की।

उनके निधन से देश एक वयोवृद्ध स्वतन्त्रता सेनानी, योग्य प्रशासक तथा प्रख्यात सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री वीर पाल सिंह (बादली) : अध्यक्ष महोदय, हाउस के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है मैं भी उसके समर्थन के लिए खड़ा हुआ हूं। इसी सैशन के दौरान यह तीसरा शोक प्रस्ताव आया है और कुदरत कुछ हमसे नाराज भी है, जो इस देश के चोटी के राजनीतिज्ञ हमसे आहिस्ता-आहिस्ता जुदा हो रहे हैं। देश उनकी सेवाओं से वंचित होता जा रहा है। उन्हीं में से श्री वीरेन्द्र पाटिल भूतपूर्व मुख्यमंत्री कर्नाटक 14 मार्च, 1997 को हमसे जुदा हो गए। उनके निधन से हमारे प्रदेश को और पूरे देश को अत्यंत दुःख पहुंचा है। उनका जन्म सन् 1924 में हुआ और उन्होंने लॉ-ग्रेजुएट की डिग्री लेने के बाद भारत छोड़ो आन्दोलन में महात्मा गांधी और देश के दूसरे लोगों के साथ सक्रिय भाग लिया। उन्होंने अपना राजनैतिक जीवन हैदराबाद विधान सभा के सदस्य के रूप में शुरू किया और उसके बाद 1957 से 1971 तक और दोबारा 1989 में कर्नाटक विधान सभा के सदस्य रहे। कर्नाटक में मंत्री का पद भी संभाला और राज्य सभा के सदस्य भी रहे। वे देश की सर्वोच्च पंचायत यानी लोक सभा के सदस्य भी रहे और केन्द्र में मंत्री पद पर भी रहे। पाटिल जी देश भक्त थे, फ्रीडम फाइटर थे, प्रशासक थे और उन्होंने अपने जीवन का

जो जवानी का समय था वह देश की और भारत माता की बेड़ियां काटने में लगाया। यह देश और इस देश की 92 करोड़ की आबादी उनकी सेवाओं की ऋणी रहेगी। वे हमारे पथ प्रदर्शक थे उनसे यह देश बहुत कुछ सीखता था। वर्तमान में वह राजनीति का अध्याय थे। अध्यक्ष महोदय, उनके निधन से यह देश एक अच्छे प्रशासक, सांसद और फ्रीडम फाईटर की सेवाओं से महरूम हो गया है। मैं अपनी पार्टी और अपनी तरफ से उस महान सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और दुःखी परिवार के दुःख में सम्मिलित होता हूं। मैं परम पिता से प्रार्थना करता हूं कि हे भगवान उस सच्चे सपूत को अपने चरणों में स्थान दें। उनके प्रति हमारी यह सच्ची श्रद्धांजलि है कि जो उन्होंने अपना जीवन महात्मा गांधी के साथ बिताया था, उनके बताये रास्ते पर हम सच्ची भावना से चलें यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। धन्यवाद।

श्री भजन लाल (आदमपुर) : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने जो शोक प्रस्ताव इस सदन में पेश किया है मैं उसके समर्थन में खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, यह सदन कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री वीरेन्द्र पाटिल के 14 मार्च 1997 को हुये दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। उनका जन्म सन् 1924 में हुआ। कानून की डिग्री लेने के बाद उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया और हैदराबाद राज्य विधान सभा के सदस्य के रूप में अपना राजनैतिक जीवन शुरू किया। वह 1957 से 1971 तक तथा पुनः 1989 में कर्नाटक विधान सभा के सदस्य बने। वे 1957 से 1968 तक कर्नाटक मंत्रिमण्डल में मन्त्री पद पर रहे। श्री पाटिल 1968 से 1971 तक तथा 1989 से 1990 तक दो बार कर्नाटक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। श्री पाटिल 1972 से 1978 तक राज्य सभा के सदस्य रहे तथा वे 1980 तथा 1984 में लोक सभा के लिये भी चुने गये। श्री पाटिल ने 1980 से 1985 तक केन्द्रीय मन्त्री के रूप में देश की सेवा की। उनके निधन से देश एक वयोवृद्ध स्वतन्त्रता सेनानी, योग्य प्रशासक तथा प्रख्यात सांसद की सेवाओं से वंचित हे गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

शिक्षा मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा) : स्पीकर सर, इस सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है मैं भी उसके समर्थन में खड़ा हुआ हूं। श्री वीरेन्द्र पाटिल के उठ जाने से देश ने एक राजनेता और स्वतंत्रता सेनानी को खो दिया है। मैं उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं तथा अपनी और अपने दल की तरफ से परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे और उनके परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

श्री अध्यक्ष : मान्यवर सदस्यगण, सदन के माननीय नेता एवं अन्य माननीय सदस्यों द्वारा श्री वीरेन्द्र पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री कर्नाटक राज्य के असामयिक दुखःद निधन पर रखे गए शोक प्रस्ताव में मैं भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं परम पित परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दे तथा दिवंगत महान आत्मा को सद्गति प्रदान करे। श्री वीरेन्द्र पाटिल का जन्म 1924 में गुलबर्गा जिले के चिंचिली ग्राम में एक साधारण परिवार में हुआ। वे आरम्भ से राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत थे अतएव छोटी आयु में ही वकालत छोड़कर भारत छोड़ो आन्दोलन में कूद पड़े और राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्वाकलिक सदस्य बन गये। और आयुपर्यन्त भां भारती की सेवा में तल्लीन रहे। उनका लम्बा राजनैतिक जीवन स्वच्छ और अनुकरणीय रहा। वे 1952 से 1966 तक हैदराबाद विधानसभा के सदस्य रहे और 1968 से 1971 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे तथा 1989 और 1990 में कर्नाटक के दोबारा मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने कर्नाटक राज्य का सर्वांगीण विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे सातवीं और आठवीं लोक सभा के सदस्य रहे। वे 1972

से 1978 तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। वे ऐसे राजनीतिज्ञों में से थे जो भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने में खरे उतरे। कर्नाटक राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए उनका नाम सदैव ही स्मरणीय रहेगा। उन्होंने चितमंगलूर के लोकसभा चुनाव में सिद्ध कर दिया था कि वे राजनीतिक विद्वेष की भावना से दूर थे। उन्होंने एक अनुपम राजनीतिज्ञ का परिचय देकर भारतीय राजनीति में एक विशिष्ट स्थान बनाया था। श्री वीरेन्द्र पाटिल एक उच्च कोटि के नेता थे। उनके निधन से यह राष्ट्र एक कुशल प्रशासक, अनुभवी विधायक तथा सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं एक बार पुनः इस महान् आत्मा के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए उनके प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को इस सदन की तरफ से उनके निधन पर हार्दिक संवेदना सम्प्रेषित कर दूंगा। अब मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि इस महान् आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि देने हेतु दो मिनट का मौन धारण करने के लिए खड़े हो जाएं।

(इस समय सदन ने खड़े होकर दिवंगत के सम्मान में दो मिनट का मौन धारण किया)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Mr. Speaker : Now the questions hour.

Construction of Stadium at Julana (Jind)

Sh. Sat Narain Lather : Will the Minister of state for Sports be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Sports Stadium at Julana.

खेल राज्य मन्त्री (श्री रामसरूप रामा) : स्पीकर सर, यह जो लाठर साहब द्वारा जुलाना में खेल स्टेडियम के निर्माण के बारे में पूछा गया है, इस बारे में सरकार का अभी कोई विचार नहीं है।

श्री सत नारायण लाठर : स्पीकर सर, पूर्व खेल मंत्री श्री कर्ण सिंह दलाल साहब ने मुझे इस बारे में लिखकर भिजवाया था तथा नगरपालिका ने प्रस्ताव भी पास कर दिया था। वहां पर जमीन भी उपलब्ध है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पर स्टेडियम जल्दी से जल्दी बनाने की कोशिश करें।

श्री रामसरूप रामा : स्पीकर सर, जुलाना मंडी की ओर से जो प्रस्ताव आया था, उसमें न तो जमीन के बारे में कोई कागज़ पत्र हमारे पास आया तथा जो कार्यवाही नगर पालिका की ओर से होनी थी वह भी अभी तक हमारे पास नहीं पहुंची है। इसलिए इस बारे में अभी तक कोई विचार नहीं है। अगर लाठर साहब ये सब चीजें हमें भिजवा देंगे तो हम विचार कर सकते हैं।

Construction of Mini Secretariat, Charkhi Dadri.

***223. Shri Sat Pal Sangwan :** Will the Minister for Revenue be plased to state -

(a) whether it is a fact that the building housing the Sub-Divisional level officers at Charkhi Dadri has been declared unsafe; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new building for the said office ?

राजस्व मंत्री (श्री सूरजपाल सिंह) :

(क) जी, हां।

(ख) उक्त कार्यालयों को वर्तमान जगह से बदलने के लिए एक भवन अभिग्रहण करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन है, धन की उपलब्धता पर इस कार्यालयों के लिये नया भवन बनाने पर भी यथा समय विचार किया जायेगा।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, आप भी उसी तहसील से बिलांग करते हैं। चरखी दादरी में इन इमारतों में एक भी ईंट नहीं लगी है। वैसे तो वहां पर एक्वायर करने के लिए कोई बिल्डिंग नहीं है। अगर यह बात मंत्री जी के नोटिस में है तो ठीक है। आपके माध्यम से मेरी मंत्री जी से प्रार्थना है कि जितना जल्दी हो सके इस कार्य के लिए धन उपलब्ध करवाने की कृपा करें।

श्री सूरजपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, चरखी दादरी में जिस इमारत में उप-मण्डल का कार्यालय है वह भवन बिल्कुल नकारा हो चुका है। उस दफ्तर को वहां से शिफ्ट करने के बारे में दो-तीन दफा प्रपोजल रखी गई थी किन्हीं कारणवश वह दफ्तर शिफ्ट नहीं हो सका। अब एक भवन एक ट्रस्ट के माध्यम से मिल रहा है। उस भवन को जल्दी ही अधिग्रहण कर लिया जाएगा और इस दफ्तर को जल्दी ही उस बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, जहां तक मेरी नोलेज है जिस भवन को ये अधिग्रहण करने जा रहे है उसमें शायद हास्पीटल बनाने की प्रपोजल है। उस बिल्डिंग में सब डिविजन के औफिस को नहीं शिफ्ट किया जाएगा।

श्री सूरजपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अगर उस भवन में होस्पीटल हो गया तो उसके लिए दूसरी जगह पर साढ़े बारह एकड़ जमीन एक्वायर करेंगे और वहां सब डिविजन के औफिस को शिफ्ट कर दिया जाएगा। ये दोनों प्रोपोजल विचाराधीन हैं।

श्री अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, माननीय सदस्य सतपाल सांगवान जी ने जो प्रश्न उठाया है वह सब डिविजन इनका, नरपेन्द्र जी का और का और मेरा तीनों का है। इस समय सब-डिविजन का औफिस जिस बिल्डिंग में है वह मराठों के समय का किला बना हुआ है, उसमें है। वह बिल्डिंग अनसेफ घोषित हो चुकी है इसलिए उस बिल्डिंग में बैठने वाले लोगों के जीवन की भी खतरा है। पिछले 20 साल से वहां के सब डिविजन औफिस के लिए कोई बिल्डिंग का प्रबंध नहीं हो पाया है और आज फिर आपने कह दिया कि धन की उपलब्धता पर इन कार्यालयों के लिए नया भवन बनाने पर विचार किया जाएगा। इसलिए मैं चाहूंगा कि आप थोड़ी उदारता का परिचय देकर वहां के सब डिविजन के औफिस की बिल्डिंग बनाने के लिए फण्ड अवेलेबल कराएं और इस बारे में जल्दी से जल्दी कार्यवाही करें।

श्री सूरजपाल सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से आपको विश्वास देता हूं कि उसके लिए जितनी जमीन चाहिए उसके प्रस्ताव का सरकार ने अनुमोदन कर दिया है और भूमि अधिग्रहण अधिनियम 1894 की धारा 4 के तहत अधिसूचना जारी की जा चुकी है। उसकी बिल्डिंग बनाने का कार्य जल्दी से जल्दी शुरू कराएंगे।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, गोहाना में तहसील के औफिस की बिल्डिंग काफी साल से असुरक्षित घोषित की हुई है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या गोहाना में तहसील की बिल्डिंग बनाने के बारे में विचार किया जाएगा।

श्री सूरजपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी इस समय इस बारे में कोई विचार नहीं है। जैसे ही हमारे पास फण्ड अवेलेबल होंगे वहां पर भी बिल्डिंग बनाना शुरू करेंगे।

श्री आनन्द कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, बल्लभगढ़ में तहसील का कार्यालय एक रैस्ट हाउस में चल रहा है। बल्लभगढ़ तहसील सबसे पुरानी तहसील है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या बल्लभगढ़ में तहसील के कार्यालय की बिल्डिंग बनाई जाएगी ?

श्री सूरजपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इस वर्ष 1997-98 के दौरान कम्पलैक्सिज और तहसीलों को भवनों के निर्माण हेतु 571.68 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। जैसे-जैसे जमीन उपलब्ध होगी वहां पर भवनों के निर्माण का कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि सारे हरियाणा प्रदेश में ऐसे कितने सब डिविजन के औफिस हैं जिनके पास अपने सरकारी भवन नहीं हैं। इसके साथ-साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि अगले आने वाले साल में जो आप सब डिविडन औफिसिज के लिए भवनों का निर्माण करने जा रहे हैं वे कौन-कौन से सब डिविजन हैं।

श्री सूरजपाल सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि इस वक्त हमारे लघु सचिवालय का रिवाड़ी, कैथल, यमुनानगर और पंचकूला में निर्माण कार्य चल रहा है। उप मण्डल कम्पलैक्स का काम सफीदों और लोहारू में चल रहा है। तहसील का काम शाहबाद और रतिया में चल रहा है। उप तहसील का काम मोरनी में चल रहा है। माननीय सदस्य के उत्तर में मैं पहले ही यह बात कह चुका हूं कि जैसे ही हमारे पास पैसे अवेलेबल होंगे, बाकि जगहों पर भी काम शुरू हो जाएगा।

Upgradation of Government High School, Naunaund.

***262. Shri Balwant Singh :** Will the Minister for Education be pleased to state -

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government High School for Boys, Naunaund in Rohtak district to 10+2 level; and

(b) if so, the time by which the said school is likely to be upgraded ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) :

(क) वर्तमान में विद्यालय को स्तरोन्नत करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या इनको इस बात का पता है कि वह स्कूल अपग्रेडेशन के सारे नार्म्ज पूरे करता है या नहीं। मैं फिर भी इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि वह स्कूल सारे नार्मज पूरे करता है और वहां पर बच्चों की संख्या भी पूरी है, कमरे भी पूरे बने हुए हैं। दूसरे मैं यह कहना चाहूंगा कि यह स्कूल काफी पुराना है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि वे अपनी नजर ठंडी करके इस तरफ ध्यान देकर इसको अपग्रेड करने की कृपा करें।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने इसी सदन में और माननीय सदस्य श्री भायना जी के सवाल के जवाब में एक बात बड़ी स्पष्ट की है कि जो विद्यालय नार्म्स पूरे करते होंगे और जहां पर छात्रों की संख्या पूरी होगी, गांव की आबादी के हिसाब से सही बैठता होगा और खेल कूद के हिसाब से वह स्कूल नार्म्स पूरे करता होगा तो हम उसका दर्जा जरूर बढ़ाने पर विचार करेंगे।

श्री बलवंत सिंह : क्या मंत्री जी बताएंगे कि इस स्कूल में कितने कमरे हैं, कितने बच्चे हैं और क्या यह स्कूल नार्म्स पूरे करता है या नहीं ?

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, नोनंद गांव के स्कूल में कमरों की संख्या नार्म्स के मुताबिक पूरी है। मैं बताना चाहूंगा कि इसमें एक जमीन का क्राईटेरिया है, फांसले का क्राईटेरिया है कि दूसरा स्कूल कितने किलोमीटर पर है। इस स्कूल से कोई डेढ़ किलोमीटर के फांसले पर एक 10+2 स्कूल है। हमने सारा सर्वेक्षण करवाया है उसके हिसाब से कमरों की संख्या पूरी है लेकिन इसके साथ में जो स्कूल है उस को ध्यान में रखते हुए इस स्कूल को अपग्रेड करने पर हम विचार नहीं कर रहे।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, जिस स्कूल का ये जिक्र कर रहे हैं, वह बहुत दूर पड़ता है और बच्चों को दूर जाना पड़ता है। (विघ्न) हमारे राज में इसको मिडिल से हाई स्कूल अपग्रेड कर दिया गया था। हम इसको अब प्लस टू का स्कूल अपग्रेड करवाना चाहते हैं। वह भी इसलिए करवाना चाहते हैं क्योंकि यह स्कूल सारे नार्म्स पूरे करता है।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं पहले ही मानता हूं कि इस स्कूल में नार्म्स के हिसाब से कमरों की संख्या पूरी है। इस स्कूल में 26 कमरें हैं जबकि नार्म्स के हिसाब से हमें 14 कमरों की आवश्यकता होती है। मेरे कहने का मतलब है कि कमरों के हिसाब से यह स्कूल पूरा है लेकिन हम किसी स्कूल को अपग्रेड करते समय जो सरकार ने छः क्राईटेरिया बनाये हुए हैं उनमें से यह स्कूल 3 पूरे करता है और 3 नहीं। इन तीन क्राईटेरियों को ध्यान में रखते हुए हम इस साल इस पर विचार नहीं कर रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने अपने जवाब में किसी स्कूल को अपग्रेड करने के लिए नार्म्स का जिकर किया है। साथ ही यह भी कहा है कि जिस स्कूल के फांसले से डेढ़ किलोमीटर पर दूसरा स्कूल है, तो हम उस स्कूल को अपग्रेड नहीं करते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह डेढ़ किलोमीटर के फासले वाला क्राईटेरिया इन्होंने शहरों में भी रखा हुआ है। क्या डेढ़ किलोमीटर के फांसले वाली बात कह कर सरकार ने देहात में और अर्बन एरिया में कुछ फर्क रखने का प्रयास नहीं किया है।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, गांव में और शहरों में जो क्राईटेरिया है उस बारे में मैं बताना चाहता हूं कि आबादी शहरों में ज्यादा होती है और किसी स्कूल को अपग्रेड करने के लिए आबादी एक प्रमुख कारण है। शहरों में और भी कई संस्थाएं स्कूल चलाती हैं लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि किसी स्कूल को अपग्रेड करने में कोई हार्ड एण्ड फास्ट वाली नीति नहीं है। जहां पर ज्यादा आवश्यकता होती है वहां पर स्कूल को अपग्रेड कर दिया जाता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का संतोषजनक उत्तर नहीं आया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह जो फांसले वाली शर्त है क्या इसमें अर्बन और रूरल ऐरिया बराबर है या कोई अन्तर है, शिक्षा मंत्री जी इस बारे में बताने की कृपा करें।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने जो सवाल किया था उसका जवाब मैंने दे दिया है लेकिन वे मेरे उत्तर देने से सन्तुष्ट नहीं हैं यह मेरा दुर्भाग्य है, मैं इनको संतुष्ट करने के लिए अपने उत्तर को फिर से दोहराऊंगा और बताना चाहूंगा कि शहर और गांव में डिस्टैंस के बारे में इन्होंने जो पूछा है कि दोनों में बराबर है या फर्क है। मैंने माननीय सदन के समक्ष यह कहा है कि दोनों केसों में अन्तर है गांव और शहर की आबादी तथा आवश्यकता को देखते हुए ही इस प्रकार का कोई फैसला लिया जाता है। आबादी के साथ यह भी देखना पड़ता है कि कहां आवश्यकता कम और कहां आवश्यकता ज्यादा है। इन बातों के लिए कोई हार्ड एण्ड फास्ट रूल नहीं है आवश्यकता के हिसाब से या आबादी के हिसाब से नॉर्मज देख कर ही उस बारे में सरकार विचार करती है।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि पिछले साल में और इस साल में जिन हल्कों में ज्यादा स्कूल बनाए हैं वे झज्जर, तोशाम और शिक्षा मंत्री महोदय के अपने हल्के के एरियाज़ में बनाए हैं। क्या इस साल में उन हल्कों पर भी ध्यान दिया जाएगा जो कि विपक्ष के हल्के हैं और क्या उन हल्कों के साथ बिना भेदभाव के स्कूलों की संख्या बराबर करेंगे ?

श्री अध्यक्ष : यह इर-रैलेवैन्ट सवाल है।

Setting up of Sugar Mills at Assandh

***231. Shri Krishan Lal :** Will the Minister for Co-operation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a new Sugar Mill at Assandh in District Karnal ?

सहकारिता मंत्री (श्री नरबीर सिंह) : जी नहीं।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1990-91 में किसानों की कठिनाइयों को मद्देनज़र रखते हुए सरकार ने असन्ध में एक चीनी मिल लगाने की योजना बनाई थी। मंत्री जी ने मेरे प्रश्न के उत्तर में "नहीं" कहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इस नहीं का कारण क्या है, क्या यह विपक्षी हल्का है, इसके कारण तो कोई भेदभाव इस हल्के के साथ नहीं किया जा रहा है ?

श्री नरबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने 4 शूगर मिलों की परपोज़ल सैंटर गवर्नमैंट को भेजी थी। ये परपोजल सिरसा, असन्ध, गोहाना और कुरूक्षेत्र जिला के गांव मुर्तजापुर के लिए थी। गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया की एक सक्रीनिंग कमेटी द्वारा इसको सैंक्शन दी जानी होती है उस ने इन चार मिलों में से गोहाना की केवल एक मिल की मन्जूरी दी है बाकी की तीनों स्थानों की परपोज़ल को रिजैक्ट कर दिया था।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानकारी चाहूंगा कि असन्ध में शूगर मिल लगाने के बारे में क्या सरकार फिर से विचार करेगी ?

श्री नरबीर सिंह : ये दरख्वास्त दे दें सरकार उस पर फिर से विचार कर लेगी।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, शूगर मिल जो गोहाना में मन्जूर हुआ है उसका काम कब तक शुरू होगा। क्या मंत्री जी इस बारे में बताने की कृपा करेंगे ?

श्री नरबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल परसों के लिए लगा हुआ है, उस दिन इनका पूर्ण जवाब दे दिया जाएगा।

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, जो 4 शूगर मिलें लगाने की परपोजल थी उनमें से मेरे हल्के के गांव मुर्तजापुर में भी मिल लगनी थी जो कि मंत्री जी ने बताया है कि सैंटर गवर्नमैंट ने इस परपोज़ल को रिजैक्ट कर दिया है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या वे गांव मुर्तजापुर में शूगर मिल लगाने के लिए फिर से प्रस्ताव सैंटर गवर्नमैंट के पास भिजवाने के बारे में विचार करेंगे ?

श्री नरबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये दोबारा से दरख्वास्त दे दें इस पर विचार करवा लेंगे।

Loss suffered by Haryana Roadways

*** 275. Shri Anil Vij :** Will the Minister for Transport be pleased to state the depot-wise details of the loss suffered by Haryana Roadways during the years 1991-92, 1992-93, 1993-94, 1994-95, 1995-96 and 1996-97 ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण पाल गुर्जर) : विवरणी सदन के पटल पर रखी है।

विवरणी

Statement showing Profitability/Losses Depot-wise for last five years.

(Rs. Lacs)

S. No.	Depot	As per Balance Sheet 1991-92	As per Balance Sheet 1992-93	As per Recon-ciled A/C 1993-94	As per Recon-ciled A/C 1994-95	As per Recon-ciled A/C 1995-96	Tentative Upto (Ap.-Jan 97) 1996-97
1	2	3	4	5	6	7	8
Tata							
1.	Ambala	25.24	167.93	125.16	11.81	-37.54	-198.45
2.	Chandigarh	-223.52	201.15	266.77	234.56	113.60	-101.04
3.	Karnal	-71.42	56.76	17.40	-117.58	-163.77	-68.21
4.	Jind	-4.80	-28.67	-99.20	-66.68	-206.43	-113.38
5.	Kaithal	-86.58	4.69	12.92	-23.33	-206.87	-68.34
6.	Sonipat	77.84	194.89	108.51	-98.11	-301.48	-107.46
7.	Y. Nagar	-14.33	32.91	82.72	70.29	-102.68	-44.36
8.	Delhi	53.54	193.38	379.35	300.65	179.41	124.02
9.	Kurukshetra	-134.70	133.05	120.20	61.28	-111.92	-97.65
10.	Panipat	-	16.04	52.95	1.23	-124.24	-126.16
Sub-Tot (T)		-378.73	972.13	1066.78	374.12	-961.92	-801.03

1	2	3	4	5	6	7	8
Leyland							
11.	Gurgaon	24.99	102.02	124.37	129.22	2.21	-177.14
12.	Rohtak	-191.97	-41.67	-69.93	-295.15	-322.79	-238.80
13.	Hisar	-161.46	-164.99	-67.27	-153.02	-259.76	-251.14
14.	Rewari	-82.93	-28.46	-111.64	-100.57	-103.81	-346.31
15.	Bhiwani	-163.04	-123.58	-116.85	-107.41	-223.20	-338.30
16.	Sirsa	-72.86	-62.14	-76.80	-103.63	-330.38	-307.38
17.	Faridabad	0.04	32.59	0.43	-109.23	-191.64	-111.66
18.	Fatehabad	-41.85	20.89	-52.18	-23.92	-75.88	-105.85
19.	Dadri	-151.75	-159.19	-79.10	-146.00	-248.53	-188.09
Sub-Tot (L)		-840.83	-424.53	-448.97	-909.71	-1753.78	-2064.67
G. Tot (1-19)		-1219.56	547.60	617.81	-535.59	-2715.70	-2865.70

अध्यक्ष महोदय, पिछले छः सालों में कितने डिपोज़ घाटे में और लाभ में रहे इस बारे में मैं आपको बता देता हूँ। वर्ष 1991-92 में 13 लौस में और 5 लाभ में रहे, वर्ष 1992-93 में 7 लौस में और 12 प्रोफिट में रहे, 1993-94 में 8 लौस में और 11 प्रोफिट में रहे, 1994-95 में 12 लौस में और 7 प्रोफिट में रहे, 1995-96 में 16 लौस में और 3 प्रोफिट में रहे तथा अप्रैल 1996 से जनवरी 1997 तक 18 लोस में और एक प्रोफिट में रहा।

श्री अनिल विज़ : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो विवरणी प्रस्तुत की है इसको देख कर और इन्होंने जो बताया है उससे पता लगता है कि अनेकों डिपोज़ में कई वर्षों से घाटा है। जिसमें रोहतक, जीन्द हिसार, रिवाड़ी, भिवानी, सिरसा, फतेहाबाद और दादरी लगभग 6-7 सालों से घाटे मे चल रहे हैं। मेरा साधारण सा सवाल है कि इनकी दुकान पिछले कई सालों से घाटे में चल रही हैं इसका क्या कारण है ?

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूँगा कि यह घाटा काफी अर्से से चल रहा है और इसका कारण अव्यवस्था है जिसको पिछले लोग खराब करके चले गए हैं। उसका विवरण मैं आपको दूंगा। अध्यक्ष महोदय, जब से हरियाणा में चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में हविपा और भाजपा के गठबन्धन की सरकार आई है और यह सरकार व्यवस्था परिवर्तन के लिए मूल रूप से आई है। जो घाटा आया है वह पिछली व्यवस्था की वजह से आया है। जिन कमियों की वजह से घाटा आया है उन कमियों को मूल रूप से देखा जाएगा। यह जो रोड़वेज का विभाग है इसको घाटे में नहीं कहा जा सकता है।

परिवहन विभाग केवल लाभ कमाने के लिए नहीं है अपितु इस विभाग द्वारा लोगों को पर्याप्त बस सेवा प्रदान करना प्रथम कर्तव्य है। जैसाकि कई रूटों पर आय कम होने के बावजूद भी बस सेवा प्रदान करनी पड़ती है।

हरियाणा में पैसेन्जर टैक्स देश में (60 प्रतिशत) सबसे अधिक है यदि इस आय को साथ मिलाया जाए तो रोड़वेज में कोई घाटा नहीं है। वर्ष में सरकार को विभाग लगभग 100 करोड़ रुपये के करीब पैसैन्जर टैक्स देता है।

इसके अतिरिक्त सोशल औबलीगेशन के तौर पर विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों को मुफ्त व

[श्री कृष्ण पाल गुर्जर]

रियायती बस सेवा प्रदान की जाती है। जिससे रोड़वेज पर लगभग 100 करोड़ रुपये का प्रति वर्ष भार पड़ता है। मुफ्त सेवा प्राप्त करने वालों में एम०एल०ए०, एम०पी०, स्वतन्त्रता सेनानी, वार विडोज़, मान्यता प्राप्त पत्रकार, 100 प्रतिशत विकलांग, अर्जुन इनाम विजेता खिलाड़ी, थेलासिमीया वाले रोगी तथा साक्षात्कार के लिए प्रार्थी।

रियायती यात्रा करने वाले जैसाकि :-

(क) विद्यार्थी, पुलिस कर्मचारी, कर्मचारी पास।

(ख) पंचकूला/चण्डीगढ़ में रहने वाले कर्मचारियों को अपने कार्यालय में जाने व आने के लिए केवल एक तरफ का 2 रु० का किराया चार्ज किया जाता है जोकि वास्तविक खर्चे से भी कम है।

(ग) स्कूलों के बच्चों के जाने व आने के लिए विशेष बस सेवा प्रतिदिन उपलब्ध की हुई है जिसमें की आय की मात्रा बहुत कम आती है।

(घ) प्रातः तथा सांय को नजदीक के गांवों से शहर में आने तथा जाने के लिए बस सेवा प्रदान की जाती है। चाहे उसमें 10 या 20 सवारी हों।

उपरोक्त के अतिरिक्त हानि के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं :-

1. अक्तूबर 1993 से जुलाई 1996 तक बसों के किराये में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है जबकि सभी मदों के खर्चे में बढ़ोतरी आती रही है।
2. कर्मचारियों के वेतन में ही वार्षिक वृद्धि अतिरिक्त महंगाई भत्ता, अन्तरिम राहत, स्टैण्डर्ड स्केल, मैडिकल सुविधा इत्यादि की वजह से खर्चे की बढ़ोतरी हुई है। कुल खर्चे का एक तिहाई से अधिक केवल कर्मचारियों पर खर्च होता है।
3. प्रति वर्ष कल पुर्जों, टायर ट्यूब व अन्य मदों में लगातार लगभग 10 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि होती रही है।
4. जुलाई से डीजल की कीमतों में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
5. बस चैसिज़ व बाड़ी बनाने की कीमतों में वृद्धि के कारण पूंजी पर ब्याज व डैपरीसिऐशन में लगभग 100% वृद्धि आई है।

ये सारे कारण हैं जो मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता था।

श्री अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, आपने जो 1991 से लेकर लगातार बाद के सालों का रोडवेज के घाटे के बारे में अपने जवाब में बताया है तथा इस विवरण में जो आपने 1994-95 के आंकड़े दर्शाए हैं उनको देखकर लगता है कि इसमें बहुत भारी क्षति हुई है और स्थिति बहुत हृदय विदारक है। क्या आप बताएंगे कि 1994-95 एवं 1995-96 में कौन से ऐसे हालात थे जिनकी वजह से दूसरे सालों के मुकाबले में रोड़वेज को बहुत ज्यादा घाटा उठाना पड़ा ?

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : स्पीकर साहब, पहली बात तो इस बारे में यह है कि 1994-95 में रोड़वेज में किरायों की बढ़ोतरी नहीं हुई और 1995-96 में प्रदेश में भयंकर बाढ़ भी आई जिसकी वजह से भी रोड़वेज को काफी घाटा हुआ। इसके अलावा पिछली सरकारों में मिनी बसिज की भी जो खरीद हुई उसकी वजह से भी हरियाणा रोडवेज को लगभग आठ करोड़ रुपये का नुक्सान हुआ। अध्यक्ष महोदय,

ये मिनी बसिज टैक्नीकल कमेटी की रिपोर्ट को अनदेखी करके खरीदी गयी थीं। बाद में इन बसिज को बंद भी करना पड़ा था तथा इनको सस्ते दामों पर बेचना भी पड़ा। कुछ मिनी बसिज अभी भी ऐसे ही पड़ी हुई हैं।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों के समय में हरियाणा रोडवेज में डुप्लीकेट टिकटें बिकती रहीं। क्या यह बात सत्य है और अगर यह बात सत्य है तो क्या मंत्री जी बताएंगे कि उन लोगों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गयी ?

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि पिछली सरकारों में क्या-क्या होता रहा है वैसे इस बारे में तो चौधरी भजन लाल जी एवं ओम प्रकाश चौटाला साहब ही बता सकते हैं, वे यहां पर बैठे हुए हैं लेकिन जिस पर्टीकुलर क्वैश्चन के बारे में इन्होंने पूछा है तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि 1988-89 में चण्डीगढ़ डिपो में कुछ जाली टिकटें पकड़ी गयीं। अब यह मामला कोर्ट में लम्बित है। इसके अलावा 58,370 रुपये की और जाली टिकटें पकड़ी गयीं। इस मामले में नियम 7 के अंतर्गत विभागीय कार्यवाही की जा रही है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, इस क्षेत्र में हमारी बहुत ज्यादा पूंजी लगी हुई है और उसके बावजूद भी ये इसमें इतना घाटा दिखा रहे हैं। इन्होंने कुछ कारण देते हुए बताया कि पिछले पांच वर्षों में लगभग 33 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। क्या मंत्री जी ऐसे घाटे को मुनाफे में बदलने के लिए भी कोई उपाय करने जा रहे हैं एवं उन्होंने अभी तक इस बारे में क्या-क्या तरीके अपनाने की योजना बनायी है।

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जैसा मैंने शुरु में भी कहा कि चौधरी बंसीलाल के नेतृत्व में हविपा और भाजपा की सरकार व्यवस्था परिवर्तन के लिए आयी है। हमें विरासत में अनेक वर्षों का धरमराया हुआ ढांचा मिला है। अनेक वर्षों की खराब हुई व्यवस्था को सुधारने में हमें कुछ समय तो लगेगा ही। हम इस बारे में कुछ पग उठा रहे हैं। यह मैं इनको विश्वास दिलाता हूं। चौधरी बंसी लाल के नेतृत्व में यह सरकार इस व्यवस्था को जल्दी ही ठीक करेगी।

श्री रामफल कुंडू : स्पीकर सर, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इन्होंने जो यह कहा है कि इनके कुछ डिपोज़ प्रोफिट में भी चल रहे हैं तो क्या वहां पर कर्मचारियों का वेतन नहीं बढ़ाया गया, क्या वहां पर स्वतंत्रता सेनानी या एम०एल०एज० बसिज में यात्रा नहीं करते, क्या वहां पर स्टूडैंट्स बसिज में नहीं बैठते, और क्या वहां पर बसिज का किराया नहीं बढ़ाया गया ? अध्यक्ष महोदय, अगर वहां पर ये सारी बातें हुई थीं तो फिर वे डिपो कैसे प्रोफिट में आए ?

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी बताया था कि जहां इस घाटे के कुछ अन्य कारण रहे हैं, वहां ये बातें भी घाटे में शामिल थीं। अध्यक्ष महोदय, पिछले तीन वर्षों से बसिज के किरायों में बढ़ौतरी नहीं की गयी जिसकी वजह से रोडवेज में घाटा हुआ। सर, यह घाटे का मूल कारण है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री रामफल कुण्डु के सवाल के जवाब में मंत्री जी ने कहा है कि इन-इन डिपुओं में मुनाफा रहा और इन-इन में इस वजह से घाटा रहा कि एम०एल०ए० और स्वतंत्रता सैनानी उन डिपोज़ की बसों में बैठते हैं तथा कर्मचारियों की तनख्वाह बढ़ती रही। सवाल यह है कि जो डिपोज़ मुनाफे में रहे क्या उन डिपोज़ की बसों में विधायक नहीं बैठे, स्वतंत्रता सैनानी नहीं बैठे या उन डिपोज़ में कर्मचारियों की तनख्वाह नहीं बढ़ी इस बारे में मंत्री जी विवरण दें।

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : मैं माननीय चौटाला साहब को बताना चाहूंगा कि मैंने जो सवाल का जवाब दिया था वह उन तमाम डिपोज़ के बारे में दिया था कि कौन-कौन से डिपोज़ प्रौफिट में रहे और कौन-कौन से घाटे में रहे और उनके पीछे क्या कारण हैं वह मैंने गिनाए हैं। सिर्फ एम०पी०,एम०एल०ए० की ही बात नहीं है, बहुत से लोगों को ये सुविधाएं दी गई हैं। जो लौस मैंने बतलाया है वह अगर असलियत में देखा जाए तो घाटा नहीं है क्योंकि हमने कहा है कि 100 करोड़ रुपया प्रतिवर्ष हम पैसेन्जर टैक्स के रूप में सरकार को देते हैं।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, माननीय सदस्य और विपक्ष के नेता जो आपसे जानकारी चाहते हैं वह केवल इतनी बात है कि दिल्ली का डिपो तो मुनाफे में रहा और सोनीपत का डिपो घाटे में रहा, इसका क्या कारण है ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) : सर, जिन डिपुओं से लम्बे रूट की बसें चलती हैं जैसे चंडीगढ़, अम्बाला, फरीदाबाद और दिल्ली वे बसें लम्बे रूट पर जैसे जम्मू-कश्मीर, शिमला, हरिद्वार, ग्वालियर और जयपुर जाती हैं यानी लम्बे रूट पर जाती हैं, उनमें फायदा है और जिन डिपुओं में छोटे रूटस होते हैं जैसे जींद इत्यादि हैं उनमें घाटा रहता है।

Providing of Ganga water

***322 Shri Dhir Pal Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state whether Government has formulated any scheme to construct a canal which of takes from the Ganga river near Haridwar (U.P.); if so, the details thereof ?

Chief Miniser (Shri Bansi Lal) : Yes, a proposal was made by Govt. of Haryana to bring surplus Ganga water to Haryana areas from Haridwar to Indri (Karnal) through a link canal of 10000 cs. capacity, but the same was not accepted by U.P. Govt. and Govt. of India because the availability of surplus Ganga waters at Haridwar was not reliable. However, another proposal to carry surplus waters of river Sarda (U.P.) to Yamuna near Karnal has been surveyed by Govt. of India.

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने मेरे लिखित प्रश्न का जो अभी रिप्लाई दिया है, उसमें इन्होंने जो प्रकाश डाला है, उसे देखने के बाद महसूस होता है कि यह स्कीम कभी बनी थी। उसके बाद केन्द्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने उसको रिजैक्ट कर दिया। मुख्य मंत्री जी ने चुनाव से पहले मेरे इलाके में कहा था कि आपका इलाका भिवानी की तरह खुश्क है इसलिए वहां पर गंगा का पानी देने की बात इन्होंने कही थी। पानी गंगा का है नहीं, इस तरह की कोई स्कीम भी नहीं है और कोई इस तरह का प्रस्ताव भी नहीं है। (विघ्न) बाद में वह स्कीम रद्द हो गई थी। आप कृपया यह बताएं कि भारत सरकार ने इस बारे में जो सहमति व्यक्त नहीं की थी वह तारीख क्या है ?

श्री बंसी लाल : तारीख इस वक्त मेरे पास नहीं है लेकिन अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने कहा कि शारदा नदी के पानी को गंगा क्रोस करके यमुना नदी में मिलाने का प्रोपोजल भारत सरकार की है और उसको राजस्थान तथा मध्य प्रदेश ले जाने का प्रोग्राम है। यह जो शारदा नदी जिसका मैंने जिक्र किया है यह भी गंगा नदी की ही ट्रिब्यूटरी है जिसमें सबसे ज्यादा पानी है।

श्री बीर पाल सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जब यह हरिद्वार का फालतू पानी नहीं था तो चुनाव के दौरान गंगा का पानी लाने का वायदा किस आधार पर किया गया था। आज शारदा नदी के पानी को लाने की बात की गई है कृपया बतायें कि शारदा नदी का पानी लाने की प्रोपोजल कब बनी ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह जो गंगा का पानी है इसके केस को हम आज भी भारत सरकार के साथ टेक अप करने जा रहे हैं। साल में 92 दिन यानि तीन महीने और दो दिन शारदा नदी का पानी एवेलेबल रहता है। हम इस केस को भारत सरकार से परश्यू करने जा रहे हैं। शारदा नदी के पानी को यमुना में लाने का प्रोग्राम करीब तीन साल से चल रहा है और इसकी एक मीटिंग इस महीने की चार तारीख को हुई थी।

Construction of Building of G.H.S. Dekhora (Rohtak)

***351. Shri Nafe Singh Rathee :** Will the Minister for Education be pleased to state that the time by which the building of Government High School in Village Dekhora (District Rohtak) is likely to be constructed/completed ?

शिक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास शर्मा) : राजकीय उच्च विद्यालय, देखोरा (रोहतक) में मुरम्मत/नव निर्माण का कार्य प्रगति पर है तथा निकट भविष्य में पूर्ण हो जायेगा।

श्री नफे सिंह राठी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि निकट भविष्य में क्या कोई समय बताने का कष्ट करेंगे कि यह काम कब तक पूरा हो जायेगा और बहादुरगढ़ मण्डल में ऐसे कितने स्कूल हैं जिनमें काम पूरा नहीं हुआ है ?

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं देखोरा स्कूल की मुरम्मत पर अब तक 75 हजार रुपये खर्च किये जा चुके हैं और 66 हजार रुपये अप्रैल तक खर्च कर दिये जायेंगे तथा तब तक इस काम की पूरा होने की संभावना है।

श्री नफे सिंह राठी : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बहादुरगढ़ मण्डल में ऐसे कितने स्कूल हैं जिनका काम पूरा नहीं हो पाया है और कब तक पूरा होने की संभावना है ?

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, माननीय सदस्य इस बारे में सैप्रेट नोटिस दे दें तो माननीय सदस्य को इस बारे में बता दिया जायेगा।

Construction of Bridge

***335 Shri Sri Krishan Hooda :** Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state –

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge on Asan Drain between Kansala to Kansrati (District Rohtak); and

(b) if so, the time by which the aforesaid bridge is likely to be constructed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) : कनसाला कंकरीटी सड़क पर पुल बनाना का कोई प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग के पास इस समय विचाराधीन नहीं है।

श्री सिरी कृष्ण हुड्डा : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि यह आम रास्ता है इस पुल पर बनाने की अगर गुंजाइश नहीं है तो कम से कम एक पाईप ही दबवा दें।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की प्रार्थना पर विचार किया जायेगा।

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि पिछली सरकार के वक्त मेरी कांस्टीच्यूंसी पेहवा में गांव क्यूंकर से जकेला के बीच एक पुल बनाने का फैसला हुआ था तथा उस वक्त के मंत्री ने वहां पर आधारशिला भी रखी थी वह पुल कब पूरा करवायेंगे ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, स्थिति का जायजा लिया जाएगा और उसके मुताबिक उस पर काम किया जाएगा।

Sir Chhotu Ram Stadium Rohtak

***297 Shri Balbir Singh :** Will the Minister for Sports be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Hall for Indoor games and to provide modern facility in Sir Chhotu Ram Stadium at Rohtak ?

खेल राज्य मंत्री (श्री राम सरूप रामा) : हां श्रीमान जी।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कितने दिन में यह स्टेडियम तैयार हो जाएगा और क्या वहां पर आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी अथवा नहीं ?

श्री राम सरूप रामा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि सर छोटूराम स्टेडियम रोहतक में इण्डोर खेलों की आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने हेतु बहु-उद्देशीय हाल के निर्माण का प्रस्ताव अगस्त, 1994 से सरकार के विचाराधीन है। इस बहुउद्देश्य हाल की अनुमानित लागत 77,75,000 रुपए आंकी गई है। प्रस्ताव ड्राईंग सहित भारत सरकार को अगस्त, 1994 में वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने अपने पत्र दिनांक 28-9-94 द्वारा ड्राईंग्ज़ में कुछ कमियां बताई थीं जिनको दूर करने हेतु जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जो कि जिला खेल परिषद के सदस्य सचिव होते हैं, को कहा गया था। इन कमियों को दूर करने संबंधी मामला अभी तक जिला खेल परिषद, रोहतक के स्तर पर विचाराधीन है। मैं माननीय साथी को यह भी बताना चाहता हूं कि बहु-उद्देशीय हाल टेबल टेनिस, बैडमिंटन, जुड्डो, कुश्ती, जिम्नास्टिक, तलवारबाजी, योगा और बाक्सिंग इण्डोर खेलों के लिए प्रयोग किया जाएगा।

Providing of Transport facility to the Chairman, Panchayat Samitis

***343. Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister for Development & Panchayats be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide the transport facility to the Chairman of Panchayat Samitis for attending to the Public grievances in their constituencies ?

Development Minister (Shri Kanwal Singh) : Community Development Blocks in the State have been provided with a Jeep each which can be used by the Chairman, Panchayat Samiti, along with other officials, for official journeys. Chairman, Panchayat Samitis have also been given the facility of Travelling allowance.

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि पंचायत समितियों को जो जीपें दी हुई हैं, उन जीपों को खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी ज्यादातर इस्तेमाल करते हैं और वे चेयरमैन, पंचायत समिति को प्रयोग में नहीं लाने देते हैं। इसलिए मेरी मंत्री जी से प्रार्थना है कि इसके लिए या तो कोई समय सीमा निर्धारित की जाए या कोई अन्य उपाय किया जाए क्योंकि पंचायत समितियों से इस प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, बी०डी०पी०ओ० ब्लॉक का एग्जीक्यूटिव ऑफिसर भी होता है, इसलिए उसके पास ज्यादा काम होता है तथा ज्यादातर वह इस जीप का प्रयोग करता है। लेकिन चेयरमैन भी इस जीप को यूज कर सकता है।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर साहब, ब्लाक हैड क्वार्टर को जो जीप प्रचेज की जाती है क्या उसके लिए ऐसा कोई प्रावधान है कि उसके लिए पंचायतों से पैसा लिया जाए क्योंकि बी०डी०पी०ओज० जीप के लिए पंचायतों से पैसा ले लेते हैं और उसकी रसीद काट देते हैं।

श्री कंवल सिंह : स्पीकर साहब, हमारे पास ब्लाक्स में जितनी जीपें हैं उनमें से कुछ जीपें पंचायत के पैसे से खरीदी हुई हैं और कुछ जीपें गवर्नमैंट की तरफ से खरीदी हुई हैं। आयंदा जो जीपें खरीदेंगे वे एच०आर०डी०एफ० के पैसे से खरीदेंगे।

Illegal Possession on HUDA Land

***366 Shri Bhagi Ram :** Will the Minister for Town & Country Planning be pleased to state –

(a) whether it is fact that the land of HUDA in Ellenabad Sub Division is under illegal possession. If so, the total acreage thereof; and

(b) the steps, if any, taken or proposed to be taken to get the said land vacated ?

नगर एवं ग्रामीण विकास मंत्री (सेठ सिरी किशन दास) :

(ए) हां श्रीमान्, मण्डी टाऊनशिप ऐलनाबाद में हुडडा की 250.33 एकड़ भूमि पर अवैध कब्जा है।

(बी) अवैध कब्जाधीन 250.33 एकड़ भूमि में से 68 एकड़ भूमि विभिन्न सिविल न्यायालयों के स्थगन आदेशों के आधीन है। हुडडा द्वारा भूमि को वापिस लेने के लिए इन कोर्ट केसों की पैरवी की जा रही है, शेष 182.33 एकड़ भूमि का कब्जा लेने के लिए हुडडा एक्ट के अन्तर्गत पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेन सवाल के जवाब में बताया है कि 68 एकड़ का मामला कोर्ट में है और 182 एकड़ जमीन ऐसी है जिसके बारे में कोई मामला नहीं है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 182 एकड़ जमीन के कब्जे के लिए हुडडा एक्ट के तहत कब नोटिस जारी किए और इस जमीन पर कब से कब्जा चला आ रहा है ?

सेठ सिरी किशन दास : स्पीकर साहब, 182 एकड़ जमीन पर नाजायज कब्जा है। इस जमीन के बारे में कोर्ट से फैसला नहीं हुआ है परन्तु कानूनी कार्यवाही करके कब्जा लिया जा सकता है।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, जिस जमीन के बारे में कोर्ट में कोई मामला नहीं है उसका कब्जा तो लिया जा सकता है।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी की तरफ से जवाब आया है कि कानूनी कार्यवाही करके कब्जा लिया जा सकता है।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, 182 एकड़ जमीन ऐसी है जिस के बारे में कोर्ट के अन्दर कोई मामला नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस जमीन के बारे में करोड़ों रुपए का झपला है। औफिसर्ज की मिलीभगत से वह जमीन 100-100 और 150-150 रुपये एकड़ के हिसाब से पट्टे पर फर्जी दी गई दिखाई गई है जबकि उस जमीन का एक साल का एक एकड़ का पांच-हज़ार से सात हज़ार रुपए तक का ठेका मिल सकता है। सरकार न उस जमीन को अपने कब्जे में ले रही है और न ठेके पर दे रही है तथा न ही उसकी कोई भीलामी कर रही है। उस 182 एकड़ जमीन पर लोगों का नाजायज कब्जा है। मैंने इस बारे में सिरसा से जो मंत्री हैं उनसे बात की थी उन्होंने कहा था कि यह सरकार की ज्यादती है।

Mr. Speaker : The matter is subjudice. Please take your seat.

Construction of a Bridge on Drain No. 8

***370. Shri Virender Pal Ahalawat :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state -

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct/repair the damaged bridge of Drain No. 8 on Jahajgarh Palra road; and

(b) if so, the time by which the said bridge is likely to be constructed/ repaired ?

Chief Minister (Shri Bansi Lal) :

(a) The construction work of a new bridge on Jahajgarh-Palra Road has been started on 18-2-97.

(b) The construction of this bridge is planned to be completed by 15-7-97.

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पिछली सरकार के वक्त में जिन पुलों के निर्माण के लिए एस्टिमेटस बन गए थे और पैसा भी मंजूर हो गया था तथा उनका पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर ने शिलान्यास रख दिया था क्या उन पुलों को प्रायरटी बेस पर बनाया जाएगा। मेरे हल्के के गांव टिक्यूर से जखोला के बीच में जो पुल बनना है क्या वह बनाया जाएगा ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हम तो किसी विपक्षी दल के आनरेबल मैम्बर के हल्के के साथ

भेदभाव नहीं करेंगे। अभी मैंने जिस सवाल का जवाब दिया है वह भी तो डॉक्टर वीरेन्द्र पाल विपक्षी हल्के के हैं। हम जिस जगह का ठीक समझेंगे उस पुल को जरूर बनवाएंगे। आप मुझे उस पुल के बारे में लैटर लिख देना अगर वह पुल जरूरी बनाना है तो उसको जरूर बनवाएंगे।

Number of Sarpanches under Suspension

***382. Shrimati Kartar Devi :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state--

(a) the number of Sarpanches under suspension or dismissed in the State till to-date, separately; and

(b) the number of Sarpanches out of those as referred to in part (a) above, who are women, Scheduled Castes and Backward Classes, separately ?

Development Minister (Shri Kanwal Singh) :

(a) 75 Sarpanches are under suspension (as on 25-2-97). 12 Sarpanches have been dismissed during 16th January, 1995 to 25th February, 1997.

(b) Out of 75 suspended Sarpanches, 22 are women; and 23 and 6 belong to Scheduled Castes and Backward Classes respectively.

Out of 12 dismissed Sarpanches, 2 are women; and 4 and 1 belong to Scheduled Castes and Backward Classes respectively.

15.00 बजे **श्रीमती करतार देवी :** अध्यक्ष महोदय, पंचायती राज एक्ट की मंशा यह थी कि जो कमजोर वर्ग हैं, चाहे वे महिलाएं हैं, एस०सीज़० हैं या बी०सीज़० हैं उनको भी गांवों के विकास में पूरी भागीदारी मिलेगी और पूरा सम्मान मिलेगा। लेकिन मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उसमें इन्होंने 22 महिलाएं, 23 एस०सीज़० और 6 बी०सीज़० सरपंच को निलंबित बताया है यानि 51 के करीब सस्पैंड बताया है। मैं मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगी इन निलम्बित सरपंचिज़ में से 8-10 केसिज तो मेरे नोटिस में हैं जिनके खिलाफ कोई सीरियस एलीगेशन नहीं है लेकिन फिर भी उनको निलंबित किया हुआ है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि क्या इन कमजोर वर्गों को संरक्षण देने के लिए सरकार कोई कारगर कदम उठायेगी और बी०डी०ओज़० को आदेश जारी करेगी कि उनको पूरा को-आप्रेट किया जायेगा तथा उनको बेवजह सस्पैंड नहीं किया जायेगा।

श्री कंवल सिंह : इन्होंने जो एक क्यूरी लगा दी कि 22 आरक्षित महिला सरपंच को सस्पेंड किया गया है। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जो फिगर्ज़ मैंने 22,23 और 6 की दी हैं उनमें जनरल कैटेगरी की महिला सरपंच भी शामिल हैं।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि 22 महिला सरपंच आरक्षित वर्ग की निलंबित की गई हैं मैं इनको रिजर्व कैटेगिरी में नहीं बांट रही। मेरा कहना तो यह है कि महिलाएं तो महिलाएं हैं चाहे वे किसी भी वर्ग की हैं। उनको पूरा दर्जा और सम्मान नहीं मिल रहा चाहे वे किसी भी वर्ग की हों। मेरा कहना यही है कि क्या सरकार इनको संरक्षण देगी ?

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से पूरा संरक्षण है। यदि कोई गलत काम करेगा तो उसके खिलाफ जरूर कार्यवाही की जायेगी चाहे वह किसी भी वर्ग से संबंधित क्यों न हो।

श्री विजेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यदि किसी सरपंच के खिलाफ सारी पंचायत हो तो क्या उसके खिलाफ कोई कार्यवाही की जा सकती है या नहीं ?

श्री कंवल सिंह : कानून में इस बात का प्रावधान है कि कोई गलत काम करेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है। यदि किसी सरपंच के खिलाफ सारी पंचायत है तो वह उसके खिलाफ अविश्वास का रैज्योल्यूशन ला सकती है और जब तक वह पंच उसके साथ नहीं होंगे तब तक वह कोई काम नहीं कर पायेगा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यदि किसी सरपंच को हटाना हो तो बाकायदा कानून में प्रावधान है कि दो तिहाई सदस्य उसको हटाने के लिए लिख कर दे सकते हैं, तो उसे हटाया जा सकता है। (विघ्न) यदि गांव की पंचायत के दो तिहाई सदस्य उसके खिलाफ हैं, तो उसको हटाया जा सकता है। (विघ्न) यदि ग्राम सभा की मीटिंग बुलाकर उसके खिलाफ 51 परसेंट वोट देते हैं तो उसको हटाया जा सकता है।

श्री आनन्द कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि महिलाओं को जो आरक्षण मिला हुआ है उनके अगेन्सट जो महिलाएं सरपंच का काम कर रही हैं उनमें से महिलाओं के पति या उन के भाई अमल काम कर रहे हैं। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि कितनी महिला सरपंचों का काम उनके पति या भाई कर रहे हैं ?

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह क्वैश्चन रैलेवैन्ट क्वैश्चन नहीं है फिर भी माननीय साथी की जानकारी के लिए बता दूं कि अगर कोई महिला सरपंच खुद काम न करके अपने पति अथवा भाई या ससुर की मदद से काम चलाती है तो उसकी सारी जिम्मेदारी उसी महिला सरपंच की बनती है और अगर कोई अनियमितता होगी तो उसके लिए जिम्मेदारी महिला सरपंच की ही होगी।

श्री अध्यक्ष : श्रीमती करतार देवी जी ने जो सवाल पूछा था वह बहुत ही महत्वपूर्ण है इसलिए उसका जवाब आना चाहिए अत: मैं मंत्री जी से यह कहूंगा कि वे सारा प्रोविज़न देख लें और कल ज़ीरो आवर में इस बारे में बता दें।

जन-स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) : अध्यक्ष महोदय, सरपंच के लिए जो आरक्षण मिला हुआ है उसमें चाहे वे महिलाएं शैडयूल्ड कास्ट की हैं, बैकवर्ड क्लासिज़ की हैं या जनरल हैं ज्यादातर अनपढ़ हैं। उनके मोल्हड़, भाई, ससुर आदि उनसे दरख्वास्तों पर अंगूठा लगवा लेते हैं। कोरे कागज़ों पर वे महिलाएं अंगूठा लगा देती हैं, वे खुद पढ़ तो नहीं सकती इसलिए उसके भाई, ससुर आदि जो उनकी मर्जी होती है उन कोरे कागजों पर लिख कर उनसे मनमाना काम करवाते हैं। लेकिन कानूनी तौर पर रिकार्ड के हिसाब से अंगूठा तो महिला सरपंच के सामने लगा होता है जिस के कारण बाद में कोई गड़बड़ या अनियमितता पाए जाने पर रिकार्ड के अनुसार महिला सरपंच की जिम्मेदारी बनती है। वास्तव में उनकी कोई गलती तो नहीं होती है लेकिन उनके हस्बैंड, भाई या ससुर के नाम पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाती जो भी कार्यवाही या जवाब देही है वह तो महिला सरपंच की ही होती है।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से एक गुजारिश करना चाहती हूं कि इस प्रकार के जितने भी केसिज़ अब तक मेरे नोटिस में आए हैं उनके बारे में मैं इनको बता दूंगी। क्रुशन के कुछ केसिज़ ऐसे भी हो सकते हैं जो कि मेरे नोटिस में नहीं आए हैं। ज्यादातर केसिज़ जो मेरे नोटिस

में आए हैं वे ऐसे हैं कि कम्संड सैक्रेटरी ने किताबों में एण्ट्री नहीं की इसलिए उसमें जिम्मेदारी सैक्रेटरी की होनी चाहिए क्योंकि किताबों में एण्ट्री का काम सैक्रेटरी का होता है। उसकी लापरवाही के कारण भी केसिज़ बन गए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह पूछना चाहूंगी कि क्या केवल विरोधी पक्ष के होने के कारण तो किसी के साथ भेदभाव नहीं किया गया है। इसी के साथ मैं मन्त्री जी से यह जानकारी भी चाहूंगी कि जहां पर महिला सरपंच के लिए आरक्षित सीट से किसी महिला सरपंच को हटाया गया हो तो क्या उस का चार्ज किसी महिला सरपंच को ही दिया जाएगा क्योंकि वह सरपंच का पद महिला के लिए आरक्षित है चाहे वह एस०सी० हो या बी०सी हो या जनरल कैटेगरी से हो।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी माननीय विधायिका बहन करतार देवी जी को बताना चाहूंगा कि जो भी महिला सरपंच हो या कोई दूसरा सरपंच हो, जो भी कोई गलत काम करेगा उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्यवाही तो होगी ही। अगर किसी को सस्पैंड किया गया हो तो उसका चार्ज उप-सरपंच को दिया जाता है।

Privatisation of Haryana Roadways

***380. Shri Jai Singh Rana :** Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to privatise the Haryana Roadways ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण पाल गुर्जर) : जी, नहीं।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जब से यह सरकार सत्ता में आई है कितनी प्राईवेट सोसाईटीज़ को रूट परमिट्स दिए गए हैं ? जिन रूट्स पर प्राईवेट बसें चल रही हैं उनकी संख्या क्या है और कितने किलोमीटर ऐरिया को ये बसें कवर करती हैं ?

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल मेन सवाल से एराईज़ नहीं होता है ये इसके लिए अलग सवाल दे दें इनको जवाब दे दिया जाएगा।

Digging of Kichhana and Kasan Drains

***398. Shri Ram Pal Majra :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to dig out the following drains in Kaithal District :-

(i) Kichhana Drain; and

(ii) New Kasan Drain.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) :

Yes Sir, there is a proposal under consideration of Government to dig out the following drains in Kaithal District.

(i) Kichhana Drain.

(ii) Songal Drain (instead of New Kasan Drain), which connects village Kasan. This is planned to be executed during 1998-99 on availability of funds.

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, सांगल ड्रेन, किछाना सुदकन ड्रेन के नीचे से जाती है उसका पानी लिफ्ट करके रजवाहों में डाला जाता है। रजवाहों के नीचे बड़े पाईप दबे हुए हैं जो कि अक्सर बन्द हो जाते हैं जिनके कारण पानी आगे नहीं जा पाता है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या इन पाईपों की जगह पर साईफन बनाने बारे सरकार विचार करेगी। दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि बिजली कम आने के कारण पानी लिफ्ट करने के काम में दिक्कत होती है क्या उस दिक्कत को दूर करने के लिए जैनरेटर लगाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, जनरेटर लगाने का कोई मामला विचाराधीन नहीं है। जहां पर जरूरत पड़ती है वहां पर जरनेटर फौरन भेजते हैं। जहां तक इनका सवाल साईफन बनाने का है या और कोई प्रबन्ध करने का है, हम पानी निकालने का जो भी तरीका होगा उस हर तरीके को इस्तेमाल करेंगे। जो इनकी कसान ड्रेन है यह एक करोड़ 62 लाख रु० की है। सांगल ड्रेन गांव कसान को भी कवर कर लेगी, इस पर 1 करोड़ 67 लाख रु० लगेंगे। यह पहले किसी स्कीम में नहीं थी। थोड़े दिन पहले हमने आई०डी०वी०आई० की स्कीम बनाकर भेजी है और हम उम्मीद करते हैं कि जल्दी ही यह स्कीम पास होकर वापिस आएगी।

श्री अनिल विज़ : अध्यक्ष महोदय, सांगल ड्रेन पहले ही है। यह ड्रेन उल्टी खुदी हुई है और उल्टी चलती है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या ये इस ड्रेन को नैचुरल फ्लो के हिसाब से चलवाएंगे ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में कोशिश की जाएगी।

Vacant Posts of Headmastres

***421. Shri Mani Ram :** Will the Minister for Education be pleased to state the names of Schools functioning without Headmasters in district Sirsa, if any, togetherwith the time by which these posts are likely to be filled up ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

1. राजकीय उच्च विद्यालय, कुरंगावाली
2. राजकीय उच्च विद्यालय, अली मोहम्मद
3. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, चाहरवाला
4. राजकीय उच्च विद्यालय, डींग
5. राजकीय उच्च विद्यालय, रंधावा
6. राजकीय उच्च विद्यालय, रामपुर ढिलों
7. राजकीय उच्च विद्यालय, वेदवाला
8. राजकीय उच्च विद्यालय, पक्षीहारी
9. राजकीय उच्च विद्यालय, सुखचैन
10. राजकीय उच्च विद्यालय, कुत्तावढ़
11. राजकीय उच्च विद्यालय, मिर्जापुर
12. राजकीय उच्च विद्यालय, ममरखेड़ा

13. राजकीय उच्च विद्यालय, धनूर
14. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, रानियां
15. राजकीय उच्च विद्यालय, चक्कां
16. राजकीय उच्च विद्यालय, तलवाड़ा खुर्द
17. राजकीय उच्च विद्यालय,ढोल पालिया
18. राजकीय उच्च विद्यालय, बन्नी
19. राजकीय उच्च विद्यालय, हरीपुर
20. राजकीय उच्च विद्यालय, धोलड़
21. राजकीय उच्च विद्यालय, भीवां
22. राजकीय उच्च विद्यालय, कालुवाना
23. राजकीय उच्च विद्यालय, पन्नीवाल मोरिका
24. राजकीय उच्च विद्यालय, रत्ताखेड़ा
25. राजकीय उच्च विद्यालय, दरबाकलां
26. राजकीय उच्च विद्यालय, मोजुखेड़ा
27. राजकीय उच्च विद्यालय, अलिका
28. राजकीय उच्च विद्यालय, लुडेसर
29. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, पन्नीवाला मोटा
30. राजकीय उच्च विद्यालय,राजकीय प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान, ऐलनाबाद।

उपरोक्त रिक्त पद शीघ्र ही भर दिये जायेंगे।

अध्यक्ष महोदय, सूचना सदन के पटल पर है। इसके साथ ही मैं माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहूंगा कि 30 विद्यालय ऐसे थे जिसमें अध्यापक नहीं थे। 31-1-97 को 9 विद्यालयों में पदोन्नति के बाद मुख्य अध्यापक भेजे जा चुके हैं और जो 21 रह गए हैं वहां पर अगले सत्र में भेजेंगे।

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी यह बताएं कि उन स्कूलों की संख्या कितनी है और महेन्द्रगढ़ जिले में ऐसे कितने स्थान हैं जहां पर अध्यापकों के पद खाली पड़े हैं।

श्री अध्यक्ष : अब प्रश्न काल समाप्त हुआ।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज़ पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Posting of Teachers

*** 396. Shri Ramji Lal :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there are schools, if any, in Bilaspur and Sadhoura Block of Yamuna Nagar district which are functioning without teachers: if so, the names thereof, togetherwith the time by which the teachers are likely to be posted therein ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : यमुना नगर जिले के सढौरा एवं बिलासपुर खण्डों में ऐसा कोई स्कूल नहीं जो बिना अध्यापक से चल रहा है।

Digging of Kalwa Kinana Drain

***419. Shri Ramphal Kundu :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to dig out the Kalwa Kinana drain in district Jind; if so, the time by which it is likely to be dug out ?

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : There is a scheme for constructing Kalwa Kinana Drain in district Jind costing about Rs. 177.00 lacs. This is likely to be executed in the financial year 1998-99 subject to availability of funds.

Dadupur-Nalvi Canal

***291 Shri Banta Ram Balmiki :** Will the Chief Minister be pleased to state the present stage of construction of Dadupur Nalvi Canal in District Kurukshetra ?

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : The scheme is under consideration and work has not been started as yet.

Number of Tubewell Connections Released

***230. Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Chief Minister be pleased to state–

(a) The number of Tubewell connections released during the years 1990-91, 1991-92, 1992-93, 1993-94, 1994-95 and 1995-96; and

(b) whether Government has fixed any target to release tubewell connections during the year 1996-97, if so, the number of tubewell connections released during the said period ?

Chief Minister (Shri Bansi Lal) :

(a) The number of tubewell connections released during the aforesaid years were as follows :–

1990-91	10260
1991-92	23269
1992-93	14376
1993-94	4234
1994-95	3233
1995-96	2647

(b) Against a target of releasing 10000 tubewell connections during the year 1996-97, 1469 tubewell connections have been released ending December, 1996.

माफिया व्यक्तियों के आपसी झगड़े में मारे गए व्यक्तियों के नाम सप्लाई करने संबंधी मामला

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने 6-7 दिन पहले हाऊस में कहा था कि भिवानी जिले में सात सैक्टर हैं और वहां पर 10 आदमी मारे गए हैं। तो ये उन आदमियों के नाम बताएं कि वे कौन-कौन आदमी थे। (शोर एवं व्यवधान) ये इतने सीनियर लीडर हैं और यह जो चार्ज इन्होंने लगाया है या तो ये उन शब्दों को विदड्रा करें या इनके खिलाफ प्रिवलेज मोशन लाया जाए। अध्यक्ष महोदय, यह आपका भी जिला है और मुख्य मंत्री जी का भी जिला है। (शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं भजन लाल जी को यह कहना चाहूंगा कि यह सदन है, यह कोई गांव नहीं है कि जो चाहा लोगों को कह दिया। यह हाऊस है और इसे हाऊस समझें। यह जो इन्होंने असत्य बात बोली है या तो ये इस बारे में सदन में सॉरी कहें या इनके अगेन्स्ट प्रिवलेज मोशन लाया जाए।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, न तो मैंने हाऊस को गुमराह किया है और न ही कोई गलत बात कही है। मुझे यह रिपोर्ट मिली है और यह मैंने कहा है कि वहां पर 10-12 आदमियों की झगड़े में मौत हुई है।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी आपने बड़े एम्फैटिकली 3 बार हाऊस में कहा कि वहां पर 10-12 आदमी मरे हैं। मैंने भी आपसे तीन बारी उनके नाम बताने को कहा था और मैंने यह आपको व्यक्तिगत रूप में कहा था। आपने हमारे जिले पर आरोप लगाया है, आपने उस वक्त बड़ी फिराख दिली से कहा था कि मेरे पास नाम हैं तो मैंने कहा था और आज भी कह रहा हूँ कि अगर आपके पास नाम हैं तो आप सदन की टेबल पर वे नाम रखें और अगर नाम नहीं है तो आप अपने उन शब्दों को वापिस लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने डिटेल मंगवा रखी है। वह रिपोर्ट कल या परसों आ जायेगी। मैं आपको वह पूरी डिटेल दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं हाऊस में वे शब्द विदड्रा नहीं करूंगा। जो मैंने आपको कहा है वह बिल्कुल सत्य कहा है और मैं आपको यह साबित करके दिखाऊंगा। (विघ्न)

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, एक जगह मैंने पढ़ा था कि झूठ बोलना भी एक बीमारी है तो यह बीमारी इनको भी है। इसलिए इनको माफ किया जाए। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, यह कोई छोटा मामला नहीं है। इन्होंने उस दिन बड़े ठाठ से इस हाऊस में यह कह दिया कि भिवानी जिले को सात सैक्टर्ज में बांट रखा है और उन सात सैक्टर्ज वालों में आपस में टकराव होने के कारण ही दस आदमी वहां पर मारे गए। अध्यक्ष महोदय, वे दस आदमी तो अभी नहीं मरे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर ये एक नाम भी साबित कर दें कि उसकी वहां पर मौत हुई है या फिर ये कहें कि मैंने उस दिन असत्य बोला था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, या तो ये अपने शब्द विदड्रा करें नहीं तो इनके अगेन्सट प्रिवलेज मोशन मूव करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अगर आप ऐसा नहीं करेंगे। तो कल को कोई भी इस हाऊस में ऐसे ही बोल जाएगा। क्या यह इनके घर का राज है ? (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे को तो पता नहीं है कि वहां पर कोई मरा है या नहीं। लेकिन अगर ऐसा है तो ये एक भी नाम को प्रूव कर दें कि यह आदमी मरा है। ऐसे तो कोई भी झूठ बोल सकता है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर ये सुबह से लेकर शाम तक असत्य बोलें तो बताईये फिर क्या करें। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं असत्य नहीं बोल रहा हूं। ये दस नामों में से एक भी नाम बता दें। ये एक नाम तो बताएं कि उसकी वहां पर मौत हुई। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ऐसे तो कोई भी किसी पर चार्ज लगा सकता है। यह हाउस है। लोगों ने इनको बड़े अच्छे ढंग से यहां पर चुनकर भेजा है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि जो भी दिल में आ जाए, उसको ये बोल दें। (विघ्न) ये अपने आपको सीनियर नेता मानते हैं लेकिन फिर भी ये झूठ बोलते हैं। मैं तो भया मैम्बर हूं लेकिन मैं झूठ नहीं बोलता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, या तो ये साबित करें कि वहां पर फलाने-फलाने आदमी मरे हैं, नहीं तो इनको माफी मांगनी चाहिए। अगर ये ऐसा नहीं करते हैं तो असत्य बोलने के खिलाफ इनके विरूद्ध प्रिवलेज मोशन मूव होना चाहिए।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, सांगवान साहब बिल्कुल ठीक फरमा रहे हैं। अगर यहां पर कोई भी सदस्य गलत बोलता पकड़ा जाए तो कम से कम आपको कोई कार्यवाही तो करनी चाहिए। मैं तो यह चाहूंगा कि इनके कुकर्मों को लेकर हाउस में एक घंटे के लिए अलग से डिस्कशन के लिए टाईम रखा जाना चाहिए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता इनके बारे में जानना चाहती है। ये बार-बार बीच में बोलते हुए हर आदमी को डिस्टर्ब करते रहते हैं और उसका ध्यान अपनी तरफ से हटाने की कोशिश करते हैं। इसलिए मैं चाहूंगा कि इनके कुकर्मों को लेकर हाउस में एक घंटे की डिस्कशन होनी चाहिए। (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी निर्मल सिंह जी मेरे साथ मंत्री भी रहे हैं। मेरे दिल में इनकी बहुत इज्जत है।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, अभी आपने और मैंने जो कहा है, उसका जवाब नहीं दिया है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हम तो समझते थे कि जेल में जाने के बाद निर्मल सिंह बड़े भले हो गए होंगे। (विघ्न) स्पीकर साहब, क्या इनका यह बात करने का यह कोई तरीका है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठें। निर्मल सिंह जी आप भी बैठें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने गलत नहीं कहा। हम तीन दिन के अंदर-अंदर आपको आंकड़े दे देंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मैं माननीय चौधरी भजन लाल जी से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध करता हूं कि आपने उस दिन मेरे से यह वायदा किया था कि आज तो मैं दिल्ली जा रहा हूं और कल आने के बाद मैं आपको वे नाम दे दूंगा। हम इस बात को बड़ा महसूस करते हैं कि हमारे सारे जिले के बारे में जो आरोप लगाया है वह हमारे लिए एक चुनौती है। Either withdraw your words or give the names of those persons on the floor of the House. You had assured me on that day that I will give you the list of the persons. But you have not given the list and one week has passed till now. Therefore, either feel sorry or withdraw your words.

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, न तो मैं सॉरी फील करूंगा और न ही मैं अपने शब्द विदड्रा करूंगा। मैंने जो कहा है वह सत्य है। सारा हरियाणा जानता है कि हरियाणा में शराब बिकती है या नहीं बिकती है। सब जिलों में शराब बिकती है। भिवानी जिले में भी बिकती है। कौन-कौन बिकवाता है, वह हम बता देंगे। (विघ्न) मैं उनके नाम भी दे दूंगा और जो दस आदमी मरे हैं उनके नाम भी बता दूंगा।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, इनके घर में शराब पायी गयी है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप बैठें।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं एक नया सदस्य हूं इसलिए मुझे पता नहीं है कि इस हाउस की क्या परम्परा रही है। लेकिन क्या हाउस की यही परम्परा रही है कि जो दिल में आता है वही कह देते हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker : It was the property of the House when Mr. Bhajan Lal assured me on that day that he would produce a list of 12 persons as he was going to Delhi. I request him either to place the list of the names of those persons on the table of the House or withdraw his words.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। आप पुराने लेजिस्लेटर भी रहे हैं, विपक्ष में भी बैठे हैं। विधान सभा जब सैशन में होती है तो सम्मानित सदस्यों के पास अनेक प्रकार की इन्फर्मेशनज़ आती हैं और उन इनफर्मेशनज़ के आधार पर सरकार से और उन संबंधित लोगों से इसकी जानकारी हासिल की जाती है। अध्यक्ष महोदय, इस हाउस के डैकोरम को बरकरार रखना विशेष रूप से चेयर की जिम्मेदारी है। अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान के स्तर पर बिठ्ठल भाई पटेल, मावलंकर, आयंगर जी के नाम आज भी कोट होते हैं, उनके फैसले कोट होते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सदन यह भी चाहेगा कि आपके फैसले भी कोट हों। आप हाउस को संरक्षण दें। आन दि फलोर ऑफ दि हाउस सरकार की ओर से गलत बयानी की जाती है, गुमराह किया जाता है, ऐसी गलत परम्परा इस सदन में कायम हो चुकी है। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Let Mr. Chautala finish his point of order. (Noise & Interruptions). I request him to finish his point of order as early as possible.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध कर रहा था कि यहां सदन में ऑन दि फलोर ऑफ दि हाउस ट्रेजरी बेंचिज की तरफ से स्वयं लीडर ऑफ दि हाउस की तरफ से लोगों को गुमराह किया जाता है।

Education Minister (Shri Ram Bilas Sharma) : Sir, this is no point of order. This is very improper.

Mr. Speaker : This is no point of order. Please take your seat.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था के प्रश्न पर बोल रहा हूं। इस सदन में वर्ष 1997-98 का बजट पेश किया गया और बिजली के निजीकरण के सवाल पर मुख्य मंत्री जी ने इसी सदन में कहा कि हम किसान को सबसीडाइज्ड रेट पर बिजली देंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश चौटाला जी, आप बैठ जाएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : यह जो कुछ भी चौटाला साहब कह रहे हैं इसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कहने का समय दें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह क्या तरीका है * * * * * * * * (शोर)

श्री अध्यक्ष : बात कहने का समय मैं आपको दूंगा। लेकिन अगर आप हाउस को नियमानुसार नहीं चलने देंगे, I have to take the other course also. I will request you to take it very seriously. (विघ्न) भजन लाल जी, अब मैं आपसे तरीका नहीं सीखने आया। Who are you to guide the chair ?

---

*Not recorded as ordered by the Chair.

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमें अपनी बात कहने का अधिकार है। (विघ्न)

Mr. Speaker : But you have no right to guide the Chair.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री ने इस सदन को गुमराह किया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब आप बैठिये। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह बजट गलत है और मुख्य मंत्री जी ने फलोर ऑफ दी हाउस पर जो बात कही है वह गलत है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये। This is no point of order. (Interruptions).

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी रात को आपस में मिलकर यह फैसला करते हैं कि कल किस तरह से इस सदन को गुमराह किया जाना है। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, ये मन्त्री जी किस बात पर बोल रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : मिस्टर सुर्जेवाला आप बैठिये He can speak. This is zero hour. He can speak during zero hour. You please take your seat.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री सतपाल सांगवान ने इस सदन की अवमानना का सवाल यहां पर उठाया था कि चौधरी भजन लाल ने इस सरकार को हरियाणा प्रदेश की जनता जो इस सदन की कार्यवाही को देखने यहां आई हुई है, उसको तथा इस सदन को गुमराह किया था। किन तथ्यों के आधार पर इन्होंने यह बात कही थी। उसका जवाब देने की बजाए किस तरह से भजन लाल जी बहाना बनाकर दिल्ली चले गये थे वह बात अब भी आपके विचाराधीन है मैं चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल जी उस बात का जवाब दें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, यह पहला मौका नहीं है। जब आप और हम विधायक थे और विपक्ष में बैठते थे तो चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री जी की कुर्सी पर बैठकर कहा करते थे कि जब तक भजन लाल है तब तक नरसिंह राव की सरकार को कोई डर नहीं है। उनकी सरकार को कोई नहीं उखाड़ सकता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा में इन्होंने किस तरह सांसदों को पैसे दिये और जब इनसे पूछा गया तो इन्होंने इन्कार कर दिया कि मैंने पैसे नहीं दिये। स्पीकर सर, भजन लाल जी इस तरह से हरियाणा की जनता को गुमराह करना चाहते हैं और इस सदन को गुमराह करना चाहते हैं। (विघ्न) इनसे कहें कि ये अपनी गरिमा में रहें। (विघ्न)

Capt. Ajay Singh Yadav : Speaker Sir, on a point of order.

श्री अध्यक्ष : एक साथ दो सदस्य प्वायंट ऑफ आर्डर पर नहीं बोल सकते। I request you to please take your seat. (Interruptions).

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, (Interruptions).

Mr. Speaker : Capt. Ajay Singh, I warn you. You please take your seat.

श्री धीरपाल सिंह : आप सबको ही नेम कर दो (Interruptions)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, यह सच भागना चाहते हैं और बहाना ढूंढ रहे हैं। इनमें हमारी बात सुनने की हिम्मत नहीं है, इनको हमारी बात सुननी चाहिये।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह मामला जो इन्होंने उठाया है यह कोई मामला नहीं है। मैं जब दिल्ली गया था तो बहन करतार देवी जी को उन दो जगहों के नाम देकर गया था। मैं उन दो गांवों के नाम बता देता हूं एक धतौला और दूसरा कारी। हमने यह कहा था कि यह रिपोर्ट आई है कि भिवानी जिले में शराब की तस्करी में 10-12 आदमी आपस में झगड़ कर मरे हैं। उन्होंने अपने इलाके बांट रखे हैं, मेरे पास पूरी रिपोर्ट नहीं आई है, हमने आदमी भेज रखा है। (विघ्न) कृपया सुनने का कष्ट करें। मेरी बात तो सुनें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बात सिर्फ इतनी सी है कि चौधरी भजन लाल जी ने बड़े विश्वास के साथ यह कहा था कि मेरे पास नाम हैं और वे नाम मैं दिल्ली से वापिस आकर दे दूंगा। अगर उनके पास नाम हैं तो वे दे दें वरना "सॉरी" फील कर लें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप चाहे मुझे नेम कर दें, या सदन से निकलवा दें लेकिन मैं सॉरी फील नहीं करूंगा। मैंने रिपोर्ट मंगवा रखी है तथा वे नाम मैं आपको कल बता दूंगा।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जैसे विपक्ष के माननीय नेता कह रहे थे, चौधरी भजन लाल जी ने भी उस दिन कहा था और हमने भी कहा कि कई बार राजनीतिक व्यक्ति के पास गलत इत्तलाह आ जाती है। इसके लिए मैं भजन लाल जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे इसको पैरेस्टिज इशू न बनाएं। भविष्य में ऐसी गलत बातों पर विश्वास नहीं करना क्योंकि कई बार सरकार के खिलाफ बोलते वक्त जोश आ जाता है तथा घड़ी-घड़ाई बात भी कह दी जाती है। जिस प्रकार से जिंदल स्ट्रिप्स लि० फैक्टरी में सामान घड़ा जाता है, ठीक इसी प्रकार से मनघड़ंत बातें भी सदन के सामने आ जाती हैं (हंसी) चौधरी भजन लाल जी इस सदन के वरिष्ठ विधायक हैं, ये कई वर्षों तक प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे हैं। भजन लाल जी सॉरी फील करने में क्या जाता है तथा इस बात को आई गई कर दो। हमारी सूचना भी गलत हो सकती है। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष का एक ही उद्देश्य है कि किसी भी तरह से चौधरी भजन लाल को बचाएं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं आपसे अनुरोध कर रहा था कि इस सदन में जो बजट पेश किया गया, उसके द्वारा मुख्य मंत्री महोदय सदन को गुमराह कर रहे हैं। (विघ्न) स्पीकर सर, व्यवस्था का प्रश्न है।

श्री अध्यक्ष : क्या आपको पता है कि किस बात पर प्वायंट ऑफ आर्डर कहा जाता है। इसके लिए आप रूल-112 पढ़कर देख लें।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, ये पढ़े लिखे होंगे तभी तो पढ़ेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि बहुत गंभीर मुद्दा सदन के सामने आया है और माननीय चौटाला साहब चौधरी भजन लाल जी को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। जो 12 साल तक इस प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे हैं और 12 साल तक हरियाणा की जनता को गुमराह करते रहे। (शोर) जो चौटाला साहब कह रहे हैं, वह भजन लाल जी से क्यों नहीं कहलवाते ? (शोर) स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी ने चौधरी निर्मल सिंह जी को जो दूसरी दफा इस सदन के सदस्य बनकर आए हैं तथा जिनका हरियाणा में नाम है। जो नौजवानों के नेता रहे हैं, के बारे में जो बात कही है वह ठीक नहीं है। इन्होंने चौधरी भजन लाल जी के ऊपर जब सदन में आरोप लगाया तो चौधरी भजन लाल जी ने इनको कहा कि जेल में रह कर भी अभी तक तुम्हारा सुधार नहीं हुआ है। इनको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए थी। इन्होंने किस प्रकार से झूठे मुकदमें इनके खिलाफ बनवा कर इनको फंसाया था, यह हरियाणा की जनता जान चुकी है। अध्यक्ष महोदय, अगर जेलों में ही सुधार होगा तो पता नहीं कितनी बड़ी जेल बनवानी पड़ेगी जिसमें चौधरी भजन लाल जी को भी रहना होगा।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण-
श्री निर्मल सिंह द्वारा

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। चौधरी भजन लाल जी ने अभी कहा कि निर्मल सिंह मेरे मिनिस्टर रहे और ये मेरा आदर करते थे। इन्होंने फिर कहा कि निर्मल सिंह को भी अपने कुकर्मों का हिसाब देना होगा। इनको जेल में रहकर अक्ल नहीं आई। 3-4 बातें इन्होंने कहीं। स्पीकर साहब, मैं अपने कुकर्मों का हिसाब दे दूंगा और चौधरी भजन लाल को अपने कुकर्मों का हिसाब देना चाहिए। मैं यह भी कह रहा हूं कि अपने-अपने कुकर्मों का हिसाब सबको देना पड़ेगा। चौधरी भजन लाल जी, सी०आई०ए० स्टाफ ने मेरे आदमियों को नंगा करके लेटा कर यह पूछा कि आप निर्मल सिंह की प्रोपर्टी के बारे में बताएं। स्पीकर साहब, मैं कहता हूं कि चौधरी भजन लाल को 15 मिनट के लिए उल्टा लटका दिया जाए तो इनको सारा हिसाब किताब समझ में आ जाएगा। ये तीन हजार करोड़ रुपए की प्रोपर्टी के मालिक हैं। सारी स्टेट का बजट एक तरफ और चौधरी भजन लाल की प्रोपर्टी का काला धन एक तरफ। हरियाणा की जनता को पता होना चाहिए। मैं तो अपना हिसाब कोर्ट में दे कर आया हूं। आप चौधरी भजन लाल की प्रोपर्टी के बारे में हाउस में एक घंटा डिस्कशन करवा लें सबको पता लग जाएगा कि इनके कुकर्म क्या हैं और हमारे क्या हैं। यदि सी०आई०ए० स्टाफ वाले इनको 15 मिनट के लिए लटकाएं तो इनके सारे हिसाब किताब का पता लग जाएगा।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, निर्मल सिंह जी ने जो बात कही है मैं उसका जवाब दूंगा।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी आप किस विषय में बोल रहे हैं।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य निर्मल सिंह जी ने मेरे ऊपर एक बहुत बड़ा सीरियस एलीगेशन लगाया है कि मेरे पास 3 हजार करोड़ रुपए की प्रोपर्टी है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप मुझे बता दें कि आप प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोल रहे हैं या पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर बोल रहे हैं ?

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरे बारे में जो कुछ कहा है उसका जवाब तो देना ही पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, आप हाउस के कस्टोडियन हैं। इस हाउस की गरिमा रखना आपका पहला धर्म है। माननीय सदस्य हाउस की गरिमा से बाहर बोल रहे हैं। मैं इस बारे में व्यक्तिगत स्पष्टीकरण देना चाहता हूं। इस तरह से बोलना यह कोई तरीका नहीं है। (शोर) ये बेसलैस बे-बुनियाद और गलत इल्जाम लगा रहे हैं जो कि ठीक नहीं हैं।

सदस्यों का नाम लेना

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (शोर)

Mr. Speaker : Capt. Ajay Singh Ji, I warn you. Please take your seat.

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनें। (शोर)

Mr. Speaker : Capt. Ajay Singh Ji, I name you. Please leave the House.

(At this stage Capt. Ajay Singh left the House.)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, उधर से सारे सदस्य बोल रहे हैं उनको तो आप कुछ नहीं कह रहे हैं। कैप्टन साहब ने अपनी बात कहनी चाही थी लेकिन आपने उनको नेम कर दिया। आपको ऐसा तो नहीं करना चाहिए। (शोर)

Mr. Speaker : Surjewala Ji, I warn you.

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir.....(Interruptions).

Mr. Speaker : Surjewala Ji, I name you.

(At this stage Shri Randeep Singh Surjewala left the House.)

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, आप सभी मैम्बर्ज के लिए एक जैसा मापदण्ड रखें। (शोर)

वाक आउट

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरे ऊपर इन्होंने जो ऐलीगेशन लगाया है उसका जवाब तो दूंगा।

Mr. Speaker : Ch. Bhajan Lal, I warn you. Please take your seat.

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आपने हमारे दो सदस्यों को नेम किया है, हम उस बारे में कुछ कहना चाहते हैं।

Mr. Speaker : I warn you (Noise & Interruptions).

Please take your seat. (Noise & Interruptions).

Hon. Members, now resumption on General Discussion on the Budget for the year 1997-98 will take place.

श्री भजन लाल : अगर आप हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो हम वाक आउट करते हैं।

(At this stage Shri Bhajan Lal alongwith other members of his party present in the House staged a walk out).

अभिकथित विशेषाधिकार भंग का प्रश्न

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, 13 तारीख को हमने आपके समक्ष एक प्रिविलेज मोशन रखा था।

Mr. Speaker : I have sent that motion to the Government for comments.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, 13 तारीख का प्रिविलेज मोशन है (शोर) अध्यक्ष महोदय, यह सदन की गरिमा और व्यवस्था का प्रश्न है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मैंने आपको बताया है कि I have sent that to the Government for comments. Now the matter ends.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरे मोशन को दिए हुए इतने दिन हो गए हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जहां तक प्रिविलेज मोशन का सवाल है मैंने विपक्ष के नेता के सम्मुख पिछले दिन भी कलियर कर दिया था. I have sent that to the Government for comments. (Noise & Interruptions) मैंने 14 तारीख को कहा था कि वह अन्डर कंसीड्रेशन है। मैंने उसी दिन गवर्नमैंट के पास भेज दिया। बीच में दो दिन की छुट्टियां थीं। (विघ्न) 14 तारीख को आपने पूछा था मैंने कहा था, that is under consideration. Now our Vidhan Sabha Secretariat has sent that to the Government for comments.

वैयक्तिक स्पष्टीकरण-

कृषि मंत्री द्वारा

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय श्री ओम प्रकाश चौटाला के न जाने क्या मन में आ जाये और कौन सी बात कहने लगें। (विघ्न) जो इन्होंने प्रिविलेज मोशन दिया है उसमें मेरा नाम है, उस पर मैं पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने के लिए खड़ा हुआ हूं। अगर आपकी इजाजत हो तो मैं इनको उस बारे में बता देता हूं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जिसका नाम प्रिवेलेज मोशन में आ जाये क्या वह बोल सकता है ? (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : मैं अध्यक्ष जी की अनुमति से बोल सकता हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप दो मिनट में अपनी बात खत्म करिये। आप क्या कहना चाहते हैं, जल्दी खत्म करिये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : मैं यह कहना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और एच०वी०पी० के विधायक और हमारे मंत्रीगण तथा दूसरे आजाद उम्मीदवार जो जीत कर आए हैं, उनको हमारे नेता ने कोई गलत बात कहने के लिए नहीं सिखाया है। जो बात हम जनता के बीच में कहते हैं वही सदन में भी कहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को बड़े फख्र के साथ कह सकता हूं कि अगर हम कोई गलत बातें कहते हैं या हमारे से कोई गलत बात होती है तो हम उसका परिणाम भुगतेंगे। लेकिन जिस तरीके से ये गुमराह करना चाहते हैं, हरियाणा की जनता को गुमराह करना चाहते हैं उसके बारे में जो प्रिविलेज मोशन इन्होंने दिया है वह पढ़ कर सुनाना चाहता हूं इसके साथ ही

कृष्ण लाल जी ने कहा था कि हरियाणा को-आपरेटिव शूगर मिल के बारे में 22-8-1996 को यह निर्णय लिया गया था कि चालू सीजन के बाद इस शूगर मिल को बन्द कर दिया जाएगा। उस समय उपाध्यक्ष महोदय चेयर पर बैठे हुए थे। (विघ्न)

Mr. Speaker : I have sent that privilege motion to Government for comments. No more discussion on it. (Interruptions.)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, श्री ओम प्रकाश चौटाला जी दूसरों को तो कहते रहते हैं कि यह कह दिया या दूसरी बात कह दी है लेकिन अपने वक्त को भूल जाते हैं। हम इनकी तरह नहीं हैं कि अपनी कही बात से फिर जाएं। अपनी बात से फिरने की आदत तो इन्हीं की है। पहले यह कहा करते थे कि चन्द्रा स्वामी मेरे गुरू हैं लेकिन जब ऐसा लगने लगा कि उनको जेल हो जाएगी तो ये फौरन मुकर गए कि कौन चन्द्रा स्वामी मैं तो उनको जानता तक नहीं हूं। अध्यक्ष महोदय, जन चेतना मंच हरियाणा में है उसने एक इश्तिहार छापा है जिसमें इनकी काली करतूतों के बारे में छापा गया है। मैं यहां हाऊस में इस इश्तिहार को पढ़ देता हूं। (विघ्न एवं शोर)

वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : जब आपके बोलने का समय आएगा तब आप इस बारे में कह लेना अभी आप बैठें। अब बजट पर डिस्कशन के लिए श्री रमेश कुमार खटक बोलें। (शोर एंव विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी एक छोटी सी सबमिशन है। (विघ्न एवं शोर)

Mr. Speaker : Dhir Pal Ji, please take your seat. I have called upon Shri Ramesh Khatak. He may speak on the Budget. (Interruptions).

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे आपसे एक सबमिशन करनी है (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप अभी बैठें मैंने रमेश कुमार को बोलने के लिये कहा है (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, रमेश कुमार अभी बोलने के लिए खड़े हुए हैं उन्होंने कुछ कहा ही नहीं है और आप अभी बाहर से आए हैं इसलिए इसमें आप के प्वायंट ऑफ आर्डर की कोई बात ही नहीं है, आप अभी बैठें। (विघ्न एवं शोर)

श्री भजन लाल : स्पीकर सर, मैं आपसे यह रिक्वैस्ट करूंगा कि चेयर की कुछ गरिमा होती है मेहरबानी करके आप ऐसी भाषा का इस्तेमाल न करें। आप का इस प्रकार का व्यवहार ठीक नहीं है। आप सब की बात सुनें यह आपकी डियूटी है इसलिए मैं आपसे निवेदन करता हूं कि मुझे अपनी बात कहने के लिए समय दें। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप अपनी सीट पर बैठें (विघ्न एवं शोर) Shri Ramesh Kumar, I have called upon you to speak on the budget. If you do not want to speak then I will call another member to speak on the budget.

श्रीमती करतार देवी : 14-3-97 को हमारे सदस्य बोल रहे थे (विघ्न) उन्हें कन्कलूड करने देना चाहिए था (विघ्न एंव शोर)

श्री अध्यक्ष : बहन जी, आपको शायद पता नहीं है जब उस दिन वे बोल रहे थे तो उनके 10 मिनट का समय स्पैशल बढ़ाया गया था और उनसे कहा गया था कि वे 10 मिनट में कन्कलूड कर लें (विघ्न) उन्हें 10 मिनट में कन्कलूड करने के लिए कहा गया था if he did not conclude his speach within that time then it was his fault. It was his duty to conclude, he should have concluded his speech. (interruptions.)

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर सर, मेरी सबमिशन है कि उनको थोड़ा समय और दे देते (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बहन जी, अब आप अपनी सीट पर बैठें। आपके मैम्बर्ज ने आपकी पार्टी को एलौटिड टाईम से बहुत ज्यादा टाईम ले लिया है (विघ्न) टाईम ऐलोकेशन के हिसाब से आपकी पार्टी को एक घण्टे का समय दिया जाना बनता है लेकिन आपकी कांग्रेस पार्टी के सदस्य 113 मिनट बोल चुके हैं। (विघ्न) आप सब बैठ जाएं। बहन जी आपकी पार्टी का एक आदमी 55 मिनट बोले तो इसका मतलब यह है कि आपकी पार्टी का कोई मैम्बर बोलना ही नहीं चाहता है। उसके बाद भी हमने आपकी पार्टी को 113 मिनट बोलने के लिए दिए। (विघ्न) आप सब बैठ जाएं।

श्री रमेश कुमार (बड़ौदा एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है उस बारे में आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। इस बजट में वित्त मंत्री जी ने जो दर्शाया है वह हरियाणा की जनता के लिए, हरियाणा के लोगों के हित में नहीं है। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा पार्लियामैंटरी मंत्री साहब से रिक्वैस्ट है कि जो वे बार-बार कमैन्टस देते हैं वह न करें। अगर ये इस तरह से करेंगे और ऐसी परम्परा रहेगी तो ऐसा करने से चेयर की तौहीन होगी। मुझे पता नहीं है कि मुख्य मंत्री जी ने इन्हें क्या-क्या पावर दे रखी है लेकिन ये इस तरह से कमैन्ट पास न करें।

श्री अध्यक्ष : ठीक है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। धीरपाल जी ने जो कहा है उस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमें कर्ण सिंह दलाल से कोई नाराजगी नहीं है लेकिन जो ये बार-बार कमैन्टस कर रहे हैं इससे हाउस की गरिमा नहीं रहती है।

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आपको इनका इस बात के लिए धन्यवाद करना चाहिए। (विघ्न)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : अध्यक्ष महोदय, जो धीरपाल जी ने कहा यह बात ठीक नहीं है। मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि हम लोग यहां सत्संग में नहीं बैठे हैं जहां पर एक आदमी बोलता रहता है और बाकी सब आंख नीचे करके सुनते रहते हैं। यह हाउस है और इसमें टोका-टाकी और एक दूसरे का बोलना तो चलता ही रहता है। अगर ऐसा नहीं होगा तो ये जो बेचारे यहां पर आए हैं बोर हो जाएंगे। (हंसी)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो बात कही थी उसका क्या हुआ। (शोर)

श्री अध्यक्ष : सांगवान जी आपके वरिष्ठ नेता जगन्नाथ जी ने और प्रो० राम विलास शर्मा जी ने कह दिया है कि इस बात को छोड़ दो। सांगवान जी अब यह मामला खत्म हो गया है। (विघ्न) रमेश जी आप बोलें।

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि ये बार-बार मुझे टोकें नहीं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह कह रहा था कि यह जो बजट पेश किया गया है इसमें हरियाणा के लोगों का, हरियाणा की जनता का अहित है। इसमें लोगों को ऐसा कारनामा दिखाया गया है जैसे अभी थोड़ी देर पहले कृषि मंत्री जी ने बताया था कि हमारे जो लीडर हैं उन्होंने जनता में जो आश्वासन दिए हैं, उनको पूरा किया है। हाउस के लीडर ने लोगों के सामने जो जो वायदे किये थे, आज इस बजट में उसके ठीक उलट काम हरियाणा के अंदर हो रहे हैं। जैसा कि हाउस के लीडर ने शराबबंदी के बारे में आश्वासन दिया था।

श्री अध्यक्ष : रमेश कुमार जी, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि आपको बोलने के लिए दस मिनट दिए गए हैं इसलिए आप दस मिनट में ही कंक्लूड करें।

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मुझे बीच-बीच में टोका जाता है उस समय को मेरे बोलने के समय में न जोड़ा जाए। सर, लोगों के सामने मुख्य मंत्री जी ने आश्वासन दिया था लेकिन आज हरियाणा की सरकार लोगों के प्रति ठीक बर्ताव नहीं कर रही है। शराब के मुद्दे को लेकर इन लोगों ने जो आश्वासन दिए थे कि हम हरियाणा के अंदर शराब पर पाबंदी करेंगे, महंगाई को रोकेंगे और हरियाणा की जनता को हम 24 घंटे बिजली एवं पानी देंगे। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा के अंदर सरेआम शराब बिक रही है और कुछ हमारे ऐसे साथी हैं जो सरकार से संबंध रखते हुए भी उन शराब बेचने वाले लोगों से संबंध रखते हैं। आज हरियाणा के अंदर सरेआम शराब का सरगना फैला हुआ है। पहले तो हरियाणा के अंदर शराब बहुत कम मिलती थी लेकिन आज वह पहले के मुकाबले तीन-तीन, चार-चार गुनी मिलती है। लेकिन सरकार ने इसके ऊपर किसी प्रकार की पाबंदी नहीं लगायी है जैसा कि सी०एम० साहब ने आश्वासन दिया था। अध्यक्ष महोदय, अभी दो दिन पहले मेरे एक साथी जगबीर सिंह जो कि हाउस के मैम्बर हैं, ने सदन में कुछ कागजात पेश करते हुए कहा था कि फलाना आदमी यह शराब का धंधा करता है और सरपा से वह संबंध रखता है। अध्यक्ष महोदय,मैं आपके माध्यम से हाउस को बताना चाहूंगा कि आज फिर गोहाना के अंदर लालचंद, केशव एवं भगवान दास नाम के आदमी शराब का धंधा करते हैं और यह काम वे इन मैम्बर साहब की शह पर ही करते हैं । वे इनसे मिले हुए हैं।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन में घोषणा करता हूं कि इन्होंने जो मेरे ऊपर ऐलीगेशन लगाया है यदि ये उसको साबित कर दें तो जो सजा आप मुझे देंगे उसके लिए मैं तैयार हूं। मैं आज विद प्रुफ यह कहता हूं कि इनके जो वहां के प्रधान एवं कार्यकर्ता हैं, वे उनसे मिले हुए हैं।

श्री राजकुमार सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सामने एक बात लाना चाहूंगा। अभी थोड़ी देर पहले भजन लाल जी सफाई का एक ढिंढोरा पेश कर रहे थे और यहां पर यह बात चल रही थी कि मैं झूठ नहीं बोलता और सच ही बोलता हूं। अध्यक्ष महोदय, जो बिल्डिंग आपके पीछे पिलर पर लिखी हुई है उसके बारे में तो इनको पता ही होगा। उसको इन्होंने पढ़ा होगा क्योंकि इन्होंने मुख्य मंत्री की कुर्सी पर बैठकर दस साल राज भी किया है। ये आज भी सच और झूठ की बाणी को लेकर एवं विपक्ष को साथ लेकर सही बात दबाने की कोशिश कर रहे थे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय,

[श्री राज कुमार सैनी]

मेरी बात इससे ही जुड़ी हुई है। मैं आपको कल रात की एक घटना बताना चाहता हूं। चौधरी भजन लाल जी के कुछ व्यक्ति मेरे पास आये और चार घंटे तक बैठे रहे। उन्होंने कहा कि हमारे पास 13 आदमी हैं और आप भी हमारे साथ चलो। मैंने कहा कि कहां चलना है तो उन्होंने कहा कि दिल्ली चलना है। जब यह बात हुई थी तो चौधरी भजन लाल जी ने टेलीफोन अटैंड किया था और इन्होंने कहा कि ये हमारे आदमी पक्के हैं और आपसे हम सोमवार को इस बारे में बात करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जो आदमी इस सदन का सदस्य है और वह इतने समय तक मुख्य मंत्री रहा हो अगर वह ऐसी बात कहें तो ठीक नहीं लगती। 16.00 बजे इनको सच और झूठ की बात करना अच्छा नहीं लगता। (विघ्न) सतपाल सांगवान जी ने जो बात कही थी, उसको आप दोबारा से देख लें। उसके अंदर आपने कोई डिसीजन सदन के सामने नहीं लिया और न ही इन्होंने सॉरी फील की तथा न ही इन्होंने अपने वर्डज वापस लिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : राज कुमार जी, यह कोई प्वायंट ऑफ ऑर्डर नहीं है। आप बैठ जाएं। जब आपके बोलने की बारी आए तब आप अपनी बात कह लेना। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : यह चौधरी देवी लाल की सरकार नहीं है जिसे आप तोड़ देंगे। यह चौधरी बंसी लाल जी की सरकार है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप हाउस के डेकोरम को बरकरार रखें। कर्ण सिंह के जो जी में आए कह देते हैं। ये गज-गज की जुबान लिए बैठे हैं। जो हाउस का मैम्बर नहीं हैं, इन्होंने उसके बारे में कह दिया। कोई भी बात करते हैं तो बीच में दांत निकालते हैं, हंसते हैं। आखिर हम भी हाउस के सम्मानित सदस्य हैं। क्या यह इनका कोई तरीका है ? हमें तो आप फौरन कह देते हैं कि नेम कर दूंगा। ये किस हैसियत में बोलते हैं, इनको क्या आपने खुली छूट दे रखी है ? (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं ऐक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। अब मुझे हंसना भी चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की मर्जी से पड़ेगा तो मेरी सारी उम्र ही इस दुख-दर्द में गुजर जाएगी। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से हाउस का समय बर्बाद किया जा रहा है एक तरफ आप कहते हैं कि बजट के लिए इतना समय दिया जाता है बीच में इस तरह की बातें हो जाती हैं। अब 4 बज कर दो मिनट हो रहे हैं लेकिन बजट पर चर्चा नहीं होने पा रही है।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे बजट पर चर्चा करें और व्यक्तिगत बात न करें। जैसे जगदीश सिंह जी मलिक के बारे में निराधार बात रमेश कुमार जी ने कह दी तो इससे बदमजगी फैलती है। (विघ्न)

Mr. Speaker : I request all the Hon. Members to avoid controversy.

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि आज जो हरियाणा के अंदर शराब की बिक्री हो रही है उसमें जो सरकार के आदमी हैं वही इस काम को कर रहे हैं और उनके ऊपर कोई अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। मेरे हल्के में मीनू हरिजन है वह और उसका लड़का दोनों पकड़े गए उनके पास 49 शराब की बोतलें मिली और उसमें बड़ौदा हल्के से इनका प्रत्याशी था उसके लड़के को बचा दिया गया और केस उस हरिजन पर बना दिया। इस प्रकार यह सरकार अपने आदमियों को बचा रही है और जो

गाड़ी की गाड़ी सप्लाई कर रहे हैं उनको कोई नहीं पकड़ता। कोई बीमार आदमी होता है उसके लिए डॉक्टर कहे कि उसको दवाई के रूप में दे दो तो उसका काला मुंह करके जुलूस निकाला जाता है। अध्यक्ष महोदय, हाउस में दूसरा जिक्र चला कि हम लड़कों को रोजगार देंगे लेकिन आज हरियाणा के अंदर लड़कों के साथ भेदभाव किया जा रहा है आज जितने भी काम इस सरकार द्वारा किए जा रहे हैं वह इसके उल्ट किए जा रहे हैं। आज बच्चे के पढ़ने लिखने के बाद नौकरी तो मिलती नहीं तो वह मजबूर होकर, तंग होकर के अपना और अपने परिवार का गुजारा करने के लिए एक जीप ले लेता है लेकिन जैसे ही रोड़ पर आता है उनकी गाड़ी के चालान होने शुरू हो जाते हैं क्योंकि इस सरकार ने एक नया काम शुरू कर दिया है कि आर०टी०ओ० की पावर एस०डी०एम० को दे दी है। आज एस०डी०एम० अपने हैड ऑफिस में नहीं बैठता है जब पब्लिक के आदमी उसके पास आते हैं तो वे सारा-सारा दिन इंतजार करके खाली हाथ वापस चले जाते हैं। आज सरकार ने एस०डी०एम० को जिम्मेवारी दी हुई है कि वह एक महीने में 50-60 हजार रुपये सरकार को देगा। वह एस०डी०एम० आज अपनी गाड़ी लेकर रोड़ पर खड़े हो जाते हैं और एक गाड़ी आती है तो उसका चालान पहले कर देते हैं किसी गाड़ी का 20 हजार रुपये का तो किसी का पांच हजार रुपये का चालान करते हैं। एक जीप का अगर पांच दिन पहले चालान हुआ है तो उसका दोबारा पांच दिन बाद फिर चालान हो जाता है। उसको दोबारा दस हजार रुपये का चालान काट कर दे दिया जाता है। यह सरकार युवाओं के साथ भेदभाव कर रही है तथा अपने ही आदमियों को रोज़गार दे रही है। आज लाटरी के बारे में हरियाणा में खलबली मची हुई है। हरियाणा के अंदर लाटरी की इतनी बुरी हालत है कि एक गरीब आदमी जो रिक्शा चलाता है या मजदूरी करता है सारा दिन रिक्शा चलाकर या मजदूरी करके 50-60 रुपये कमाता है तथा इस खून-पसीने की कमाई से अपने बाल बच्चों का पालन पोषण करता है परन्तु वह व्यक्ति 50-60 रुपये में से 30-40 रुपये की लाटरी खरीद लेता है उसके बच्चे इस इंतजार में बैठे रहते हैं कि हमारे पिताजी 50-60 रुपये कमाकर हमारे घर का खर्चा चलायेंगे लेकिन वह 50-60 रुपये में से 30-40 रुपये लाटरी पर ही खर्च देता है तथा बेचारे उन बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिये वे उस सुविधा से वंचित हो जाते हैं। लाटरी पर आज हरियाणा में कोई पाबंदी नहीं है लाटरी सरेआम नीलाम हो रही है तथा मजदूर और गरीब लोगों से यह सरकार खिलवाड़ कर रही है। बिजली के बारे में मैं कहना चाहूंगा। इस सरकार ने यह आश्वासन दिया था कि हम किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे परन्तु इसके उल्ट चल रहा है। चौधरी देवी लाल जी ने किसानों को एक नारा दिया था कि हम किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे और आज यह सरकार ने वही नारा देकर इस हाउस के अंदर प्रवेश किया है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी आपकी पार्टी के सदस्य चौधरी देवीलाल का नाम ले रहे हैं क्या यह ठीक है।

श्री रमेश कुमार : यह सच्चाई है। जैसा कि यह सरकार आश्वासन देकर यहां प्रवेश करके आई है कि किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे परन्तु 24 घंटे बिजली न देकर दो-दो घंटे बिजली दी जाती है और इन दो-दो घंटों में भी 4-5 बार बीच में बिजली काट ली जाती है। लेकिन बिजली के बिलों की आज भरमार है। हरियाणा की जनता ने जो यह उम्मीद लगाकर चौधरी बंसी लाल के हाथों में इस प्रदेश की बागडोर दी थी कि चौधरी बंसी लाल मुख्य मंत्री बनने के बाद किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे लेकिन आज यह सरकार किसानों को बिजली न देकर बिजली के बिल दे रही है। पहले जिन घरों के 60 से 100 रुपये तक के बिल आया करते थे आज उनके घरों के 700-800 रुपये तक के बिजली के बिल आ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जब वे अपने बिल घटवाने के लिए एक्सियन या एस०डी०ओ० के पास जाते हैं

[श्री रमेश कुमार]

तो उनको जवाब दिया जाता है कि यह बिल कंप्यूटर ने तैयार किये हैं। उस कंप्यूटर पर आदमी ही बैठते होंगे उन आदमियों की उंगलियां 8 और 10 की बजाये 5 या 2 पर क्यों नहीं लगती तथा बिजली के बिल 100 रुपये या 50 रुपये क्यों नहीं आते। आज हर घर में 900-1000 रुपये तक के बिल आ रहे हैं तथा यह सरकार इस बारे में कोई गौर नहीं कर रही है। पहले घरों के मीटरों की रीडिंग नोट करके मीटर रीडर पांच-पांच महीनों में आया करते थे लेकिन आज वे भी नहीं आ रहे हैं तथा 100-100 यूनिट या 500-500 यूनिट लिखकर दफ्तर में ही बैठकर उस खाते को पूरा कर लेते हैं। जिन घरों की यूनिट कंज्मपशन 80 से 100 या 125 तक आया करती थी वह नहीं आ रही है बल्कि 240 से 320 तक यूनिट या इससे भी ज्यादा यूनिट आज कंप्यूटर के जरिये निकाल रहे हैं जोकि हरियाणा की जनता के साथ घोर अन्याय हो रहा है तथा आज जनता इस सरकार से बदला लेने के लिए तैयार बैठी है क्योंकि आज यह सरकार अपने किये हुए वायदे पर पूरी नहीं उतरी है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने किसानों को बिजली के बारे में, कृषि के बारे में सिंचाई के बारे में जो आश्वासन दिया था वह यह सरकार पूरा नहीं कर पा रही है, इन्होंने यह भी कहा था कि हम 24 घंटे पानी देंगे। अध्यक्ष महोदय, आज दो-दो, 3-3 महीने हो गए हैं, लेकिन नहरों के अंदर पानी नहीं है। अगर नहरों के अंदर पानी आता है तो चौधरी बंसी लाल जी अपने इलाके में पानी ले जाते हैं और मेरे हल्के में धनाना और धामरा ड्रेन हैं, इनके अंदर अगर पानी आता है तो दो-दो महीने में आता है। (विघ्न)

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, पानी की बात कई मैम्बर बार-बार कहते हैं कि बंसी लाल जी भिवानी जिले में ले गए। मैं बताना चाहता हूं कि पिछले एक डेढ़ साल पहले सुप्रीम कोर्ट की एक रूलिंग आई थी कि खेत का पानी तो दूर रहा, हवा और पीने का पानी तो सब को समान मिलना चाहिए। चौधरी धीरपाल जी आपके नंबर दो के नेता हैं और अशोक कुमार जी भी सामने बैठे हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि बैहल, सिवानी तथा तोशाम एरियाज़ में भी काफी गांव ऐसे मिल जाएंगे जहां पर पीने के पानी की भी पूरी व्यवस्था अभी तक नहीं हो पाई है और ये कहते हैं कि पानी ले गए, पानी ले गए। यह बात बिल्कुल निराधार है।

श्री अध्यक्ष : श्री रमेश कुमार जी, आप एक मिनट में अपनी बात पूरी करें।

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं सिंचाई के बारे में कहना चाहता हूं कि इस सरकार ने जनता के सामने आश्वासन दिया था कि हम गंगा का पानी लेकर के आएंगे, हम एस०वाई०एल० का पानी लेकर के आएंगे। इस सरकार ने हरियाणा की जनता के साथ धोखा किया है। इस प्रकार के इस सरकार ने चुनावों के दौरान जो वायदे लोगों के साथ किए थे, वे पूरे नहीं हुए हैं। सरकार ने जो वायदे किए थे, उनके बिल्कुल विपरीत यह सरकार कार्य कर रही है। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा का तो हरियाणा प्रदेश के अंदर बिल्कुल भट्ठा ही बैठ गया है। प्रश्न काल के दौरान भी यह बात आई थी कि एक-एक हल्के के 20-20, 30-30 स्कूलों में हैड मास्टर नहीं हैं तथा अन्य दूसरे अध्यापकों जैसे कि साईंस अध्यापक, गणित अध्यापक इत्यादि इनकी तो कमी ही कमी है। हरियाणा में शिक्षा का स्तर दिनों दिन गिरता ही चला जा रहा है। (घंटी) बच्चों के माता-पिता को आज अपने बच्चों को प्राईवेट स्कूलों में दाखिल करना पड़ता है क्योंकि सरकारी स्कूलों में तो पढ़ाई नाममात्र की ही रह गई है। * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कुछ रमेश कुमार जी कह रहे हैं, वह रिकार्ड नहीं किया जाए। (शोर) सभी

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

को बोलने का समय मिलेगा। दूसरे मैम्बर्ज को भी तो बोलने का अधिकार है। आप सभी बैठ जाईए। चौधरी भजन लाल जी, आप भी बैठिए। कांग्रेस पार्टी के लिए 60 मिनट समय बनता है तथा आप 113 मिनट बोल चुके हैं। लेकिन फिर भी दिलू राम जी को बोलने के लिए समय मिलेगा।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अर्ज करना चाहता हूं कि आपने दो माननीय सदस्यों को नेम कर दिया है। ऐसी कोई बात भी नहीं थी जो उनको नेम करना पड़ा। इसलिए मेरी आपसे गुजारिश है कि उन माननीय सदस्यों को सदन में बुला लिया जाए। आपकी बड़ी मेहरबानी होगी।

श्री अध्यक्ष : आप कृपया बैठिए।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, हविपा और भाजपा गठबंधन की चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने जो बजट रखा है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। हमारी सरकार ने यह बहुत ही अच्छा बजट पेश किया है। हरियाणा प्रदेश के लोगों को यह वहम था कि इस बजट में नए टैक्स लगाए जाएंगे क्योंकि हमारी स्टेट के फाइनैंशियल हालात बहुत खराब थे। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने एक कर रहित बजट पेश करके एक सूझबूझ का परिचय दिया है। जो कर रहित बजट पेश किया गया है इसके लिए सारी स्टेट की जनता ने चौधरी बंसी लाल जी का बड़ा भारी आभार प्रकट किया है। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि 20 साल के बाद हरियाणा प्रदेश का राज चौधरी बंसी लाल जी के हाथ में आया है। इनका जब राज आया तो उस समय स्टेट की बित्तीय स्थिति ठीक नहीं थी क्योंकि चाहे वह क्रप्शन की बात है चाहे जातिपाती की बात है और चाहे कोई दूसरी बात है वह ठीक नहीं थी। पिछली सरकारें रही हैं उनके कारण प्रशासन का और दूसरी बातों का सारा ढांचा बिगड़ा हुआ था। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी से हमें उम्मीद है और हमें पूरा विश्वास है कि ये हरियाणा स्टेट को फिर से सम्भालेंगे और इस प्रदेश की जो बिगड़ी हुई स्थिति है उसको ठीक करेंगे। देश के अन्दर इनके मुख्य मंत्रीत्व काल में हरियाणा की जो पोजिशन थी उसी पोजिशन में हरियाणा प्रदेश को ये ले कर आएंगे। स्पीकर साहब, जिस स्टेट की अच्छी पोजिशन बननी होती है वह कोई रातों रात नहीं बनती उसमें समय लगता है उसके लिए बहुत से साधन चाहिए होते हैं लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि चौधरी बंसी लाल जी इसमें जरूर कामयाब होंगे और अपनी स्टेट को एक अच्छी पोजिशन में ले कर आएंगे और फिर से हमारी स्टेट देश में एक मिसाल बनेगी। स्पीकर साहब, इस बजट में आगे होने वाले डिवैल्पमैंट के कामों पर, सरकार की नई पालिसिज पर और उनकी इम्पलीमैंटेशन पर चर्चा करने से पहले पिछली सरकारों की बातों पर थोड़ा सा खुलासा करना बहुत जरूरी हो जाता है। आज स्टेट में पैसे की दिक्कत है और आज स्टेट में क्रप्शन एक नासूर बन गई है। पिछली सरकार के लीडर ने जातपात के नाम पर अपने स्वार्थ की सिद्धि के लिए अपनी जमीर को बेच दिया था। प्रदेश के अन्दर जो हालात पैदा हुए उसके लिए कौन जिम्मेदार है। चौधरी भजन लाल जी ने फरमाया था कि कुकर्मों का हिसाब देना होगा मैं इनको एक बात कहना चाहूंगा कि आपकी बात ठीक है लोग भी कुकर्मों का हिसाब लेते हैं और इस हाउस में भी उनका हिसाब देना पड़ता है। मैं आपको कहना चाहूंगा कि जिसके ऊपर उंगली उठती है तो उसका मंथन करना जरूरी हो जाता है। स्पीकर साहब जैसे मेरे मामले के बारे में इन्होंने बताया। स्पीकर साहब, आप जानतें हैं कि 1979 में डिफैक्शन करके ये मुख्य मंत्री बने थे लेकिन मैंने उस डिफैक्शन का विरोध किया था। मैं एक 150 रुपए की चोरी के मामले में 8 साल तक कोर्ट के एक मुकद्दमें में फंसा रहा। मैं 150 रुपए की चोरी के मामले को कोर्ट में भुगतता रहा। इन्होंने अपने विरोधियों को दबाने के लिए इस तरह के झूठे मुकद्दमें बनवा कर एक घटिया किस्म के हथकण्डे अपनाए। जब चौधरी भजन लाल जी ने फिर दोबारा चौधरी देवी लाल जी की पार्टी तोड़ी तो हम उसके खिलाफ थे। उस समय कांग्रेस पार्टी में भी कुछ ऐसे

[श्री निर्मल सिंह]

लोग थे जो इस तरह के डिफैक्शन के खिलाफ थे। मैं तो इनके डिफैक्शन के खिलाफ था। स्पीकर साहब, मैं तो पार्टी में रहते हुए इनका विरोधी रहा हूं। मैं और सुरेन्द्र सिंह दो एम०एल०ए० ऐसे हुआ करते थे जो पार्टी में रहते हुए इनका विरोध करते थे। जब मैं चौधरी भजन लाल की सरकार में वजीर था। उसका सबको पता है कि मैं इनका कितना चहेता था और मैं इनका कितना लाड़ला था। मैंने उस समय इनसे कोई बैनिफिट नहीं उठाया। जहां तक प्रोपर्टी का सवाल है। मेरी प्रोपर्टी के बारे में पूछताछ के लिए अम्बाला कैंट के रविन्द्र कुमार बनिए को नंगा करके लेटाया गया। चौटाला साहब ने साथ ही यह बात कही थी कि अम्बाला कैंट का जो सी०बी०आई० का ऑफिसर है उसको चौधरी रामजी लाल ने खरीदा है। गुरदीप उसको छोड़ने में लगा है। (विघ्न) चोरी के धंधे भी ये कुछ कर लिया करते थे। (विघ्न) रविन्द्र बनिया को इन्होंने रस्सी पर चढ़ाया क्योंकि वह मेरा दोस्त था। (विघ्न) चौटाला साहब ने कहा कि कुछ लोग देवी लाल जी से मिले हैं कि तू सी०बी०आई० से इन्क्वायरी करवा ले। मेरे मन में तो कोई खोट नहीं थी। मैंने कहा कि जरा करवाओ इन्कवायरी और मुझे क्या पता था कि सी०बी०आई० के उच्च अधिकारी भी इनकी जेब में हैं और फिर जब ट्रायल चला तो हरियाणा की पूरी जनता तमाशबीन थी लोग देख रहे थे कि किस तरह से निर्मल सिंह के खिलाफ गवाही दिलवाया करते थे इस बात से ये मुकर नहीं सकते। फिर हमारे घरों में और परिवार वालों पर जुल्म ज्यादती की गई। सब लोग गवाह हैं। अम्बाला के लोग सड़कों पर लड़े। स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि लीडर का इम्तिहान तो लोग लिया करते हैं। मैं तो कहता हूं कि कोर्ट से बड़ा ट्रायल तो लीडर लोगों का लोग ही करते हैं, उसको शीशा दिखा देते हैं जैसा कि इनको दिखाया है। ये पहले इतनी बड़ी पार्टी लेकर बैठते थे लेकिन आज 9 एम०एल०एज० लेकर बैठे हैं। निर्मल सिंह जेल से छूटकर आया है। इन्होंने मेरी टिकट को कटवाया लेकिन मैंने अपनी पार्टी का पल्लू नहीं छोड़ा। मैं तो सोचता था कि मैं खड़ा नहीं होता। मेरे साथियों ने कहा कि निर्मल सिंह तो जेल से लड़ लेगा और जीत जायेगा। आप बे-फिक्र रहें। ये कहने लगे कि नहीं, इन पर कत्ल का इल्जाम है। उन्होंने कहा कि चलो इनकी वाईफ को लड़ाते हैं। लेकिन इनको तो सब्र नहीं आया। ये तो चाहते थे कि हमारे घर में दीया बलता नजर न आये। मैं इनको बताना चाहता हूं कि मैं जेल में बैठ कर लड़ा और लोगों ने मुझे जिताया। जो आदमी इन्होंने मेरे खिलाफ इलैक्शन में खड़ा किया था, उसकी जमानत जब्त हुई और पार्टी का टिकट लेकर भी वह 5वें नम्बर पर आया। लोगों ने इनको शीशा दिखाया। उसके बाद कोर्ट में बाइज्जत बरी होकर आया हूं। मेरे पर हाउस में इस बात पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। न्यायपालिका बहुत अच्छी है। मैं अढ़ाई वर्ष तक जेल में रहा मैंने हमेशा कोर्ट के सामने सिर झुकाया कि कोर्ट जो फैसला करेगी वह मुझे मंजूर होगा। हर फैसले पहले मेरे अगेन्स्ट हुए जब तक मैं बरी नहीं हुआ। उस वक्त तक मैंने कोर्ट के सामने यानि जुडिशियरी के सामने एक शब्द भी नहीं कहा। आज कोई भी इस बात पर उंगली नहीं उठा सकता। स्पीकर साहब इन अढ़ाई वर्षों में मैंने जेल की सजा बेगुनाह होते हुए पाई। मैं बाद में निर्दोष भी साबित हुआ। जब ये जेल में अढ़ाई वर्ष रहेंगे तो इनको पता चल जायेगा कि जेल के मायने क्या हैं ? इन्होंने तो जेल फिल्मों में देखी है। स्पीकर साहब, अढ़ाई साल भजन लाल जेल में रहने के बाद जिन्दा नहीं लौटेगा बल्कि टेंशन में दुखी होकर मर जायेगा। (विघ्न)

श्री भजन लाल : स्पीकर साहब, आपकी यह बात ठीक नहीं कि आप इनको आराम से सुनें। अगर कोई कहता रहे कि भजन लाल जेल में रहेगा तो क्या यह बात ठीक है ? क्या यह भजन लाल पर बहस हो रही है ? इनका कोई यह तरीका है। जो यह कह रहे हैं, आप उसको मेहरबानी करके कार्यवाही से निकलवाईये (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : निर्मल सिंह जी, कृपया आप कन्ट्रोवर्सी को अवाईड करिये।

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर साहब, यह चर्चा का विषय है। हरियाणा के लोग जानना चाहते हैं कि भजन लाल ने क्या किया है। मैं बंसी लाल जी से अनुरोध करूंगा कि आप पिछले 10-12 सालों की सभी लीडरों की प्रोपर्टी बारे एक व्हाईट पेपर जारी करें ताकि पब्लिक देख ले और लोगों को पता लगे कि कौन-कौन, क्या-क्या अपने मां बाप से लेकर पैदा हुआ और उसके बाद आज उसके पास क्या है ? स्पीकर साहब, ये चुंदड़िया बेचते-बेचते 3-3 करोड़ के मालिक बन बैठे हैं। (विघ्न) चलो मुझे मंजूर है कि जब से हरियाणा बना है तब से लेकर अब तक के बारे में सभी लीडर्ज की प्रोपर्टी के बारे एक व्हाईट पेपर जारी कर दिया जाये। जिस-जिस पर क्रप्शन के चार्जिज है या नहीं, सबका पता लग जायेगा। (विघ्न) मेरे पर लगे चार्जिज का भी पता लग जायेगा। (विघ्न) जिस-जिस के ऊपर चार्जिज लगे हैं उन पर व्हाईट पेपर जारी होना चाहिए मेरे खिलाफ अगर कोई चार्ज हो तो मेरे खिलाफ भी जांच करवाएं। बिल्लू भाई के बारे में किसी ने क्या कहना है, जय सिंह राणा के बारे में व्हाईट पेपर में क्या आना है या दूसरे जो ऐसे लोग हैं उनके बारे में क्या छपेगा ? छपेगा तो छापने वालों के खिलाफ छपेगा। स्पीकर साहब, यह बात एक बार जरूर लोगों में जानी चाहिए क्योंकि लोग इनके बारे में जानना चाहते हैं वे चौधरी बंसी लाल जी से यह तवक्को भी करते हैं। जैसे वीरेन्द्र सिंह जी ने बोलते हुए कहा था कि चौटाला साहब जब आए तो उन्होंने चौधरी भजन लाल की इन्क्वायरी नहीं करवाई और जब भजन लाल जी आए तो उन्होंने चौटाला साहब की इन्क्वायरी नहीं करवाई। (विघ्न) यह ऐसी बात नहीं, उनकी भी इंक्वायरी हो जानी चाहिए और चौधरी बंसी लाल जी की भी इंक्वायरी हो जानी चाहिए। स्पीकर साहब, यह सच्ची बात है और लोग जानना भी चाहते हैं। डिवैल्पमैंट के कामों के लिए अगर लोग फण्डज़ देंगे तभी सरकारी खजाने में रुपया होगा क्योंकि नये नोट छापने की मशीन तो सरकार के पास नहीं हो सकती। सरकार के पास जो सोर्सिज़ हैं उनसे पैसा इकट्ठा करके डिवैल्पमैंट कार्य करने होंगे। सरकार के पास तो सिर्फ पॉलिसी फिक्स करने का काम है, प्रायोरिटी फिक्स करने का काम है, सरकार को चाहिए कि वह किसी के साथ कोई भेदभाव न करे, नौकरियों में क्रप्शन न हो और सभी को नौकरियां मिलें। स्टेट के प्रशासन का यह काम है कि अपनी सरकार की पॉलिसीज़ को ठीक तरह से लागू करे, यही सरकार के काम हैं। अगर किसी पर कोई प्रश्न चिन्ह लगा है कि फलां व्यक्ति की प्रोपर्टी के बारे में बताईये तो सरकार की यह नैतिक जिम्मेदारी है की उसको कमिट करे और जो सही बात है वह लोगों को बताए। कानूनन हम किसी की सम्पत्ति नहीं ले सकते हैं लेकिन आज जो महलों जैसे घरों में रहते हैं वे ईमानदारी की कमाई से नहीं बन सकते हैं। उन महलों में से लोगों के खून-पसीने की बदबू आ रही है इसलिए यह अत्यावश्यक है कि उनकी इन्क्वायरी हो क्योंकि लोग उनके बारे में जानना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, हम सब को इस बारे में कहना चाहिए। मैं तो यहां तक कहूंगा कि हम सब लोगों को यह बात एक ही मत से कहनी चाहिए और अगर नहीं कहेंगे तो लोग हमें कभी मुआफ नहीं करेंगे। हमें कहना चाहिए कि इन लीडरों के बारे में व्हाईट पेपर आना चाहिए। स्पीकर सर, एक बात और भी है कि हमारी इन्क्वायरियां ऐसे लोगों से होनी चाहिएं जैसे अगर मेरी इन्क्वायरी हो तो चौधरी भजन लाल जी के पसंद के थानेदार से होनी चाहिए और अगर इनके खिलाफ इन्क्वायरी हो तथा जो इन्टैरोगेशन हो, वह मेरी पसंद के थानेदार से होनी चाहिए। अगर ऐसा हो तो फिर लोगों को पता चलेगा कि कौन कहां पर खड़ा है। स्पीकर सर, कल चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कुछ विचार रखे थे। उन के दिल में चीफ मिनिस्टर बनने के लिए बड़े अरमान थे लेकिन वे चीफ मिनिस्टर नहीं बन सके। मैं ऐसे भाईयों से यह कहूंगा कि अधर्म के पाले में कभी न होना, धर्म के पाले में आओ। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी तो बहुत सी बातों के गवाह हैं। उन्होंने आईजनबर्ग कम्पनी के बारे में हाउस में खड़े हो कर बात कही थी कि आईजनबर्ग कौन था। आईजनबर्ग इनका साथी था। लेकिन इनकी तरफ से इसका कोई जवाब नहीं आया। मुझे चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने एक बात कही थी

[श्री निर्मल सिंह]

जब डॉ० रामप्रकाश और बीरेन्द्र सिंह कांग्रेस छोड़ कर गए थे उन्होंने बुला कर कहा था कि अगर 5 जाति छोड़ जाते तो मुझे कोई अफसोस नहीं होता। स्पीकर सर, कितनी बड़ी जहरीली बात है। स्पीकर सर, बीरेन्द्र सिंह जी ने इस बात को हाउस में कहा था। अगर वे कह दें कि उन्होंने यह बात नहीं कही थी तो मैं हाउस में खड़ा हो कर माफी मांगने के लिए तैयार हूं। स्पीकर सर, चौधरी बीरेन्द्र सिंह इस बात के तथा और भी बहुत सी बातों के गवाह हैं। चौधरी बंसी लाल जी आज एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके हाथ में जो स्टेट आई है उसमें बहुत सी बीमारियां लगी हुई हैं और हर तरीके से उनके लिए मुश्किल है। लेकिन हरियाणा के लोगों के प्रेम से, धैर्य से और सहयोग से मुझे उम्मीद है कि इस लड़ाई में वे जीत जाएंगे। (विघ्न) स्पीकर सर, चौधरी बंसी लाल जी का दामन तो पाक और साफ है। उनके ऊपर कोई उंगली नहीं उठी है। दूसरी बात यह है कि मैं विपक्ष की तरफ उंगल का इशारा करके उलझ गया था मैं अब उधर नहीं जाता। अब तो मुझे उधर से इधर ही रहना है। स्पीकर साहब, चौटाला साहब के बारे में उन्होंने बताया, वे बहुत ही सुन्दर बोलते हैं और देखने में भी बहुत सुन्दर व्यक्ति हैं। कई बार उनकी चाल के बारे में बोल देते हैं कि बहुत मतवाली चाल है। लॉर्ड बायरन की भी मतवाली चाल थी और लोग उसकी चाल पर मरते थे। (विघ्न) चौटाला साहब को भी एक बात कहना चाहता हूं (घंटी) चौटाला साहब के भाग्य में तो मुख्य मंत्री बनना नहीं लिखा है। स्पीकर साहब, इनके दिमाग में जो ख्याल है, ये हमारे साथ आ जाएं तभी पूरे हो सकते हैं। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : निर्मल सिंह जी आप खत्म करें।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं खत्म ही कर रहा हूं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं। (विघ्न) नो इन्टरप्शन प्लीज। आप सब बैठ जाएं।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यही कहना चाहता हूं कि लोग भाग्य का फैसला करेंगे। (विघ्न) मैं चौधरी बंसी लाल जी का ध्यान और प्रो० राम विलास शर्मा जी का ध्यान एजूकेशन की तरफ लाना चाहूंगा। इस सम्बन्ध में मैंने एक चिट्ठी भी इन्हें लिखी है कि स्कूलों में सारी शिक्षा टेलिविजन के माध्यम से होनी चाहिए। (विघ्न) स्पीकर साहब, एजूकेशन का सबसे बढ़िया तरीका टेलिविजन द्वारा है। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : निर्मल सिंह जी आप पांच मिनट में कन्कलुड करें।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं पांच मिनट में ही खत्म करता हूं। यह जो मैं बता रहा हूं इससे एजूकेशन में रैवोल्यूशन आ सकता है। यह टी०वी० के माध्यम से पढ़ने वाली बात जो मैंने कही है, मैंने आस्ट्रेलिया में देखा था कि गांव में किसानों के बच्चे टी०वी० के माध्यम से पढ़ते थे और उन्हें एक ही विषय में पढ़ाया जाता है। टी०वी० एक बहुत ही बढ़िया टीचर है। हमारे टीचर इतने योग्य नहीं हैं कि वे बच्चों को पढ़ा सकें।

इसके अलावा मैं हाई-वे के बारे में कहना चाहता हूं। यमुना नगर से दिल्ली के हाई-वे को बनाना चाहिए और यह पलवल की तरफ से होते हुए दिल्ली की तरफ निकले। शाहबाद से अम्बाला तक बाई पास बनना चाहिए। स्पीकर साहब, इसके बाद मैं डेयरी के बारे में बोलना चाहता हूं। आज अगर हमारे लड़के दूध के काम में लग जाएं तो यह जो बेरोजगारी वाली समस्या है काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

इसके अलावा जिन एरियाज में पानी नहीं है, जहां पर पानी की कमी रहती है वहां पर मेरा सुझाव है कि प्लांटेशन के काम के लिए लोन दिया जाए। वहां पर प्लांटेशन अच्छा हो सकता है यह लोन उनकी

जमीनों पर नहीं देने के लिए कह रहा हूं मैं वहां के लिए कह रहा हूं जहां पर पानी की कमी है। इसके साथ ही मुख्य मंत्री जी ने जो दादूपुर नलवी नहर के लिए आश्वासन दिया है उस बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि इनके टाईम ही पत्थर रखा गया था और इस पर पिछली सरकारों ने कोई काम नहीं किया था मुझे उम्मीद है कि अब ये ही इसको कम्पलीट करवाएंगे। स्पीकर साहब, इसके साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि ताजेवाला से नारायणगढ़ की तरफ भी नहर निकलवाई जाए। अगर वहां पर नहरी पानी आएगा तो वहां पर काफी फायदा लोगों को और किसानों को होगा। इसके अलावा वहां पर सिंचाई का कोई और साधन नहीं है। यह सरकार इस बारे में भी ध्यान दे।

इसके बाद मैं स्पोर्टस के बारे में कहना चाहूंगा। हरियाणा में बहुत अच्छे-अच्छे स्पोर्टसमैन हैं यह सरकार इस बारे में भी ध्यान दे।

डॉ० वीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, पार्लिमैंटरी मिनिस्टर बीच में बोलते रहते हैं। (विघ्न) ये कौन होते हैं मुझे बोलने वाले। मैं अध्यक्ष महोदय से प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलने की इजाजत मांग रहा था। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। Verender Pal Ji, I request you not to overact.

डॉ वीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं और मैं स्पोर्टस पर ही बोलना चाहता हूं।

Mr. Speaker : This is no point of order.

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को और इस हाउस का ध्यान जेलों की दुर्दशा की तरफ भी दिलाना चाहूंगा। जेलों में आज जो कैदी बंद हैं वह अपने-अपने अपराधों की सजा भुगत रहे हैं। मेरी किसी सूरत में भी किसी को तंग करने की मंशा नहीं है लेकिन आज वे लोग जेलों में तंगी महसूस कर रहे हैं। उन लोगों की वहां पर हालत ठीक नहीं है, रहने की व्यवस्था ठीक नहीं है और न ही उन लोगों के लिए फूड की कोई व्यवस्था है। इसके इलावा उनकी रिहाई का जो प्रोसैस है वह भी ठीक नहीं है उनकी रिहाई का सिस्टम बहुत ही लम्बा होता है। कई लोगों की रिहाई ड्यू होने के बाद भी उनकी ऐप्लीकेशंज पैंडिंग ही पड़ी रहती है। स्टेट की इस बारे में जो पोलिसी है वह जजिज को देनी होगी ताकि वे उन्हीं को मद्देनजर रखते हुए कैदियों की रिहाई साथ-साथ ही सौंप दें और उनको किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। अध्यक्ष महोदय, जेलों में कैदियों को बहुत लम्बे समय तक रखने से उनका सुधार नहीं हो सकता। इस बारे में जो पंजाब पैटर्न है वह ठीक है। उस पैटर्न के हिसाब से साधारण कैदी को आठ साल की सजा और हीनियस क्राइम वाले कैदी को दस या ग्यारह साल की सजा का प्रावधान है। ऐसा ही प्रावधान हरियाणा सरकार को भी करना चाहिए तथा इसके अलावा भी उनकी जो दिक्कतें हैं उनकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं सरदार हरमिन्द्र सिंह का ध्यान एक बात की तरफ और दिलाना चाहूंगा। पहले एक पोली क्लीनिक अम्बाला में सरकार ने मंजूर किया था। यह बहुत पहले वहां पर बनना था लेकिन पिछली सरकार ने भेदभाव करके या राजनैतिक कारणों से उसको इधर उधर सरका दिया। अध्यक्ष महोदय, मेरी कॉन्स्टीज्यूएंसी में 450 कि०मी० तक सड़कों का जाल है लेकिन आज वे सड़कें चलने के काबिल नहीं हैं। मेरे हल्के को राजनैतिक भेदभाव की वजह से पिछली सरकार ने पीछे ही रखा। इसलिए मैं चाहूंगा कि उनकी तरफ भी ध्यान दिया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, निर्मल सिंह जी ने काफी बातें कही हैं। मुझे इनकी अपने बारे में कही गयी पर्सनल बातों का जवाब देना है।

श्री अध्यक्ष : आप इन बातों का जवाब बाद में देना। अभी आप बैठें।

डॉ० बीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : आपका कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। आप बैठें। क्या आप बताएंगे कि प्वायंट ऑफ आर्डर किसे कहते हैं और यह कब रेज किया जाता है। आप इस बारे में रूल 112 देखें।

डॉ० बीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे इस रूल के बारे में बता दो। आपको कैसे पता कि मैं क्या कहने जा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाह रहा था कि अभी माननीय निर्मल सिंह जी ने बोलते हुए कहा था कि प्रदेश के अंदर खिलाड़ियों के विकास के लिए काफी कुछ किया जा सकता है। ये बोलते हुए सरकार की काफी कुछ तारीफ कर रहे थे लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि इस सरकार ने तो सभी महकमों के अंदर स्पोर्टसमैन को डिमोट ही किया है।

श्री अध्यक्ष : आप बैठें। यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी) : अध्यक्ष महोदय, अगर मैं फिर अपनी बात कहूंगा तो आप कहेंगे कि आप तो वही बात लेकर बैठ गए हो। अध्यक्ष महोदय, ये मेरे को कहने लगे कि मेरे पास भी गुंडे हैं और मेरे से पंगा मत लो। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं तो बहुत ही गरीब का बेटा हूं। मैंने तो आज तक एक कीड़ी भी नहीं मारी है। (विघ्न)

श्री भजन लाल : हमने तो यह नहीं कहा है।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, ये फिर गल्त बोल गए। इन्होंने तो गल्त बोलने का ठेका ले रखा है। लेकिन मैं भी इतना कमजोर नहीं हूं। सर, मैं सबसे पहले तो आपके माध्यम से आपकी सरकार का बहुत धन्यवाद करता हूं कि इस सरकार ने बहुत ही बढ़िया कर मुक्त बजट पेश किया है। हमारे कुछ साथियों को जो गलत फहमी है और जो वे बार बार कह देते हैं कि भिवानी जिले में पानी ले गए लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि आपको शायद ऐसा महसूस हो रहा है कि भिवानी में ही पानी जा रहा है क्योंकि बीस साल से पानी घटा नहीं। अब थोड़ी सी नहर साफ हो गई। बाकी नहरें भी साफ हुई हैं। मेरे पास डिटेल है, अब भी भिवानी के जो आदमी चाहें देख सकते हैं। मैं आपको वह डिटेल दे सकता हूं। अब भी भिवानी के हिस्से का जो पानी है वह उसे पूरा नहीं मिल रहा है।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक बजट का सवाल है हमारे अपोजीशन के नेता ने उस पर बोलते हुए बड़े ही ढंग से कहा कि कर्मचारियों के बारे में कुछ नहीं सोचा गया। शायद वे कर्मचारियों के बारे में कम जानते हैं। उनको पता नहीं कि कर्मचारी क्या हैं, क्या चाहते हैं। मैं तो कहता हूं कि हमारे अपोजीशन के भाइयों का एक ही काम है कि जनता को कैसे भड़काया जाए। अपोजीशन को अपोजीशन का काम करना चाहिए। इनको सरकार को अच्छे सुझाव देने चाहिए। इनको अच्छा रोल अदा करना चाहिए और सरकार के अच्छे कामों के लिए स्पोर्ट करना चाहिए। सरकार की ओर से बजट में कहा गया है कि पांचवें

वेतन आयोग की सिफारिशें जिस दिन से सैन्ट्रल गवर्नमैंट लागू करेगी उसी दिन से हम लागू कर देंगे और जो एरियर सैन्ट्रल गवर्नमैंट देगी वही हम देंगे। मैं भी गजटिड आफिसर के पद से रिटायर हुआ हूं। (विघ्न) दूसरे, सरकार ने ट्रैक्टर के टायर के लिए टैक्स कम किया। (विघ्न) अगर यह किसानों के लिए नहीं है तो किसके लिए है ? भिवानी में बाढ़ कहां से आई ? कादमा कांड को भुलाने के लिए भिवानी में फलड लाया गया। पीने का पानी तो भिवानी के लोगों को मिलता नहीं है और जब बाढ़ आती है तो पानी भिवानी की तरफ कर दिया जाता है। आज तक भिवानी जिले के लोगों को पता नहीं था कि बाढ़ क्या होती है। उपाध्यक्ष महोदय, इनको जनता से कुछ नहीं लेना देना है, जनता से कोई वास्ता नहीं है।

अब ये कानून व्यवस्था के बारे में बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं कि बौंद में ये हो गया। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं पूछना चाहता हूं कि मेहम कांड क्या था (विघ्न) मेहम कांड के खून के धब्बे आज भी पड़े हुए हैं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि ला एण्ड आर्डर क्या है, ला एण्ड आर्डर कौन खराब करता है, ये चोरियां कहां होती हैं, रास्ते में लूट लेते हैं यह सभी को पता है, हर आदमी जानता है। हमारे ये महाशय जी कह रहे थे कि भिवानी में लॉ एण्ड आर्डर खराब हो गया है, भिवानी में यह हो गया है भिवानी में वह हो गया है लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, आज कादमा कांड को हरियाणा में कोई नहीं भूला है जहां निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाई गई थीं, वहां पर मैं हाजिर था। वह सीन मैंने अपनी आँखों से देखा था कि निहत्थे किसानों पर गोलियां चलाई गई थी। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, इनको समय दिया जाता है तो अपने अवसर पर पूरा बोलें इस तरह खड़े होकर सदन की गरिमा को खराब न करें अपनी बारी आने पर बोलें। बीच में बोलने का यह कोई तरीका नहीं है।

Mr. Deputy Speaker : This is not the way. You should not speak when the hon'ble member is on his legs. (Interruptions.) आखिर सदन की कोई गरिमा होनी चाहिये। यह कोई तरीका नहीं कि आप किसी के बोलते समय बीच में बोलें। अब सदस्य बोल रहे हैं तो उन्हें बोलने दें।

श्री सतपाल सांगवान : मनीराम जी, आप मेरी कमेटी के सीनियर मैम्बर हैं। आपको अब सुनने में तकलीफ क्यों हो रही है ? उस वक्त तो आप कादमा कांड के ठेकेदार बने फिर रहे थे। उपाध्यक्ष महोदय, कादमा में निहत्थे किसानों पर गोलियां चलाई गई और आज यह कहते हैं कि लॉ एण्ड आर्डर ठीक नहीं है। द्रोपदी कांड, सुशीला कांड किसने करवाये। सुशीला जिसमें कि नकल नहीं करवाई थी। उपाध्यक्ष महोदय, सुशीला पर इन्होंने गोलियां चलवाई और जिसकी डैड बाडी का कोई पता नहीं चल सका। द्रोपदी कांड, सुशीला कांड और रेणूका कांड इन्होंने ही करवाये थे और आज ये लॉ एण्ड आर्डर की बात करते हैं। भ्रष्टाचार की बात करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इनके समय में जो भ्रष्टाचार हुआ था उसको ये इतनी जल्दी भूल जाते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, एक टाईम था जब सिपाही को चालिसिया कहते थे और चौधरी भजन लाल ने कमाल कर दिया कि इनके समय में एक सिपाही अस्सीया हो गया। इनके समय में एक सिपाही को पुलिस में भर्ती होने के लिए 80 हजार रुपये देने पड़ते थे। एक लाख रुपये में क्लर्क भर्ती होता था। चौधरी भजन लाल जी खुद इंक्वायरी कर लें मैं उनको प्रूफ बता दूंगा कि किस ने कितना-कितना पैसा दिया। इन्होंने भ्रष्टाचार का माहौल खड़ा कर रखा था और आज हमें भ्रष्टाचारी बता रहे हैं। हमें पता नहीं कि भ्रष्टाचार क्या होता है, कहीं सुन-सुन कर हम न सीख जायें कि भ्रष्टाचार क्या है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी का राज आते ही एक नारा होता था। भ्रष्टाचार शुरू, तु चेला मैं गुरू। हम तो ये बातें सुना करते थे क्योंकि उस समय मैं तो राजनीति में नहीं था। एक कहावत सुनी थी कि एक आदमी चौधरी भजन लाल जी के पास आया कि एक्सियन उससे 500 रुपये मांग रहा

[श्री सतपाल सांगवान]

है तो चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि मेरे भाई यहां आया इसकी बजाये उसे 500 रुपये ही क्यों न दे दिये तेरा काम हो जाता। यह भ्रष्टाचार नहीं था तो और क्या था। इनके समय में नौकरियां बेची जाती थी। आपने सुना होगा कि किस तरह एच०पी०एस०सी० के चार मैम्बरों ने रिजाईन किया था यह किस के राज में हुआ यह सब बातें मुझे हाउस में बताने की जरूरत नहीं है। बहन करतार देवी जी बार-बार खड़ी हो जाती हैं, उनको यह नहीं पता कि इनकी सरकार के समय में जो हरिजनों की रिजर्वेशन की पोस्टें थी वे भी पूरी नहीं की गई, उनको जो कंडीशन में रिलैक्सेशन दी जाती थी वह भी नहीं दी गई।

श्रीमती करतार देवी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं भाई सतपाल सांगवान जी को बताना चाहूंगी कि हमारी सरकार ने जो भी रिजर्वेशन की पोस्टें थी उस हिसाब से सब पोस्टें भरी थीं आप इस बारे में रिकार्ड देख सकते हैं।

श्री सतपाल सांगवान : अब ये बहिन जी भी बड़ी-बड़ी बातें करती हैं। जब फल्ड आया था तो पता नहीं इन्होंने क्या-क्या किया था। उपाध्यक्ष महोदय, एक रोहतक-भिवानी रेलवे लाईन जाती है। उस पर एक खर्क गांव है। उसके पास पुलिस को ले जाकर के रेलवे लाईन को कटवाया गया ताकि भिवानी का एरिया डूब जाए। वहां पर रात-रात को एक हजार आदमियों को पहरा देना पड़ा। ये कहते हैं कि हम जनता के बहुत ही शुभचिंतक हैं।

श्रीमती करतार देवी : उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर ये जाकर देखें कि किस ने कटवाया था और वे कौन थे। मेरा नाम तो ये गल्त कह रहे हैं।

श्री सतपाल सांगवान : आपकी पार्टी के आदमी होंगे। आपको पता तो है। उपाध्यक्ष महोदय, फल्ड राहत राशि के बारे में मैं ईमानदारी से बताना चाहता हूं कि अगर एक स्वतंत्र इन्क्वायरी की जाए तो यह बात सामने आएगी तथा मेरा इस हाऊस में यह चेलेंज भी है कि फल्ड पर किए गए खर्च अथवा गबन से एक साल का बजट पूरा हो जाएगा। इन तथ्यों को पकड़ा जाए। उपाध्यक्ष महोदय, घर मेरा डूबा हुआ है और इसके लिए पैसे मेरा पड़ौसी ले रहा है। इन्होंने हर जगह पर गुर्गे छोड़ रखे थे। (विघ्न) भागी राम जी, मैं भी एक सरकारी मुलाजिम था। मेरा भी सब कुछ फल्ड में फंसा हुआ था। मैं कहता हूं कि ये दादरी में जाएं और वैरीफाई करा लें कि वहां पर कितने रुपए का खर्च हुआ है। मैं कहता हूं कि अगर इतना पैसा जितना कि खर्च दिखाया गया है, वहां पर लगा दिया जाए तो सौ साल के लिए तो दादरी की प्रोग्रेस हो जाएगी। (विघ्न) इन लोगों का दूसरा कोई मतलब नहीं है। (विघ्न) इनको जनता से कोई मतलब नहीं है। इनका तो सिर्फ एक ही काम था- लोगों को लूटना। ये महल कोई ऐसे ही नहीं बनते हैं। मैं एक गरीब किसान का बेटा हूं। ये महल जो खड़े हैं या अब बन रहे हैं, ये खेत की कमाई के नहीं है। यह सब भ्रष्टाचार का ही पैसा है। (विघ्न) चौधरी भागी राम जी तो जब से पैदा हुए हैं, तब के ऐसे ही हैं।

श्री भागी राम : आपके * * * * * में दर्द क्यों हो रहा है।

श्री उपाध्यक्ष : श्री भागी राम जी, आपको ऐसे शब्द बोलना शोभा नहीं देता है। यह पेट शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री सतपाल सांगवान : उपाध्यक्ष महोदय, अब भी ये शांति से नहीं बैठे हैं। ये असत्य बोलने में एक्सपर्ट हैं। मेरी तो इस महान सदन में दो-चार सिटिंग अटैंड करने से एक ही ऑब्जरवेशन बनी है

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

कि यहां पर असत्य के सिवाय कोई कुछ नहीं बोलता है। इनको बड़ा अचम्भा होगा कि माननीय चौटाला साहब और भजन लाल जी ने हमारे भी आदमियों को बरगलाने की कोशिश की थी। (विघ्न) इनको तो माल ही नजर आता है। मेरे एक माननीय साथी को भी इन्होंने कहा कि 30 लाख रुपए दूंगा। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : लेकिन आपने ये दो तो खरीद लिए हैं। (शोर)

श्री सतपाल सांगवान : उपाध्यक्ष महोदय, यह बजट इन लोगों को पसंद नहीं आएगा।

श्री राम विलास शर्मा : डिप्टी स्पीकर साहब, शोरेवाला जी के बारे में कुछ कहा गया है इसलिए वे एक मिनट अपनी बात कहना चाहते हैं।

वित्त मंत्री (श्री चरण दास) : डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने डिफैक्शन के बारे में बात कही है। मैं समता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीत कर आया था मेरी समता पार्टी की विचारधारा के साथ कोई लड़ाई हुई और उन्होंने मुझे पार्टी से निकाल दिया। मैं यहां पर अनअटैच्ड बैठा हूं। न ही मैं खरीदा हुआ हूं और न ही मुझे खरीदने वाला कोई पैदा हुआ और न ही आगे कोई पैदा होगा। आप इस बारे में इन्क्वायरी कराने के लिए हाउस की एक कमेटी बना दें अगर वह कमेटी मेरे द्वारा एक पैसा लिया हुआ भी साबित कर दे तो मैं उसी वक्त हाउस में अपना अस्तिफा देने के लिए तैयार हूं।

श्री रामजी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, * * * * * (शोर एंव व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : जो माननीय सदस्य कह रहे हैं इसका बजट से कोई संबंध नहीं है इसलिए It will not go on record.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहूंगा कि जिस मामले के बारे में माननीय सदस्य रामजी लाल जी ने चर्चा की है अगर उसी प्रकार की चर्चा जो पहले हुई है क्या वह भी रिकार्ड पर नहीं आएगी। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : अगर किसी भी माननीय सदस्य की तरफ से इस प्रकार की चर्चा अब की जाएगी तो वह रिकार्ड पर नहीं आयेगी। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी स्पष्ट तौर पर रूलिंग चाहूंगा कि जिन-जिन माननीय सदस्यों ने इस प्रकार की चर्चा की है क्या वह भी रिकार्ड पर नहीं आयेगी। आपने रामजी लाल जी के बारे में तो कह दिया कि इनकी बात रिकार्ड पर नहीं आयेगी। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : अब यदि कोई माननीय सदस्य बजट से हट कर बोलेगा तो वह रिकार्ड पर नहीं आएगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, अब क्यों जो पहले बोल चुके हैं वह बातें भी रिकार्ड पर नहीं आनी चाहिए। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : पहले जो बोल चुके वह स्पीकर साहब की मौजूदगी में बोल चुके।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, आपकी मौजूदगी में जिन-जिन माननीय सदस्यों ने इस प्रकार की बातें कही हैं वह रिकार्ड से निकलवा दें। (शोर)

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

17.00 बजे **श्री सतपाल सांगवान :** उपाध्यक्ष महोदय, नशाबंदी का जहां तक सवाल है ये भाई बड़ी लच्छेदार स्पीच देते हैं। इन लोगों ने चारों तरफ शराब के ठेके लिए हैं। मैं इनसे जानना चाहता हूं कि ये बताएं कि किसने ठेके लिए हुए हैं। चण्डीगढ़ में या चण्डीगढ़ के आसपास या राजस्थान में किन लोगों ने ठेके लिए हुए हैं। ये भाई कहते हैं कि हविपा और भाजपा शराब बिकवाती है। मैं चाहता हूं कि इसकी जांच के लिए हाउस की एक इन्डीपेन्डेंट कमेटी बनाई जाये जो इस बात की जांच करे कि इनके लोगों ने कितने ठेके लिए हुए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इनके लोगों ने हरियाणा के साथ लगते शहरों में ठेके लिए हुए हैं। इनका आम आदमी शराब बिकवाता है। (विघ्न) ये बड़े खुश होकर लच्छेदार भाषण तो देते हैं। इनको रात के समय आराम से सोचना चाहिए कि कौन शराब बिकवाता है क्योंकि दिन में तो इनको सोचने की फुर्सत नहीं है। अगर मैं गलत हूं तो सदन जो चाहे मुझे सजा दे दे, मैं उस सजा को भुगतने के लिए तैयार हूं। (विघ्न) चण्डीगढ़ में व हरियाणा की सीमा के साथ लगते एरिया में इनके ठेके हैं। चौधरी बंसी लाल जी ने नशाबंदी के लिए जो कानून बनाया था उसके लिए बंसी लाल जी की प्रशंसा हो रही थी, उसको ये बर्दाश्त नहीं कर पा रहे। (विघ्न) (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे न तो गवर्नर एड्रैस पर और न बजट पर अभी तक बोलने का समय मिला है। कृपया मुझे बोलने के लिए समय दें।

श्री अध्यक्ष : देखिए गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्कशन के दौरान बजट पर बोलने के लिए समय का जो फैसला हुआ था उसके हिसाब से मैंने अधिक टाईम दिया है। आप बैठिये। आपको भी समय मिल जायेगा, सांगवान साहब आप 5 मिनट में खत्म करिए।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर साहब, मैंने आज ही क्वैश्चन आवर के दौरान एक मिनि सचिवालय दादरी में बनवाने के लिए प्रश्न किया था। वहां पर इनके राज में एक भी ईंट लगी हो तो ये बता दें। ये इतने दिनों तक चीफ मिनिस्टर रहे। ये अपने आपको फन्ने खां समझते हैं किसानों के हितैषी बनते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या दादरी में किसान नहीं रहते। इन्होंने वहां के किसानों के लिए क्या किया है। ये छाती खोल कर कह दें कि इन्होंने दादरी में एक भी पैसा लगाया है। स्पीकर साहब, वहां पर आपकी भी कान्स्टीच्यूएंसी है। इन्होंने कोई काम तो किया नहीं हां हमारे लिए फल्ड जरूर ये लेकर आये। हम आठ महीने तक परेशान रहे। सरकार हमारे साथ नहीं थी, सिर्फ भगवान ही हमारे साथ था, उसी ने हमारा समय-समय पर साथ दिया है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर जो होस्पीटल है वह पुराने राजा के समय में आज से 100 साल पहले जो बिल्डिंग बनी थी उसमें है। उसकी बहुत खराब हालत है। मैं चाहता हूं कि वहां पर हस्पताल की नई बिल्डिंग जल्दी से जल्दी बनाई जाये। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में दुबलधन माईनर है जो कि हमारे बेरी और दादरी के इलाके में पड़ती है। इनकी पार्टी का एक युवा विधायक किसानों का मसीहा कहने वाला यहां पर बैठा है, मैं उसका नाम नहीं लूंगा। वे भी वहां पर वोट्स लेने के लिए गए थे। उस वक्त वह स्टेट के महाराज थे। वहां पर सब हो कर आए थे। (विघ्न) तो मैं कह रहा था कि दुबलधन माईनर चल जाएगी तो उससे लोगों का काफी भला हो जाएगा। (विघ्न) स्पीकर सर, इसी तरह से पीने के पानी की बात है। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप बाढ़ की बात कह रहे थे।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, आपको तो सारी बात का पता ही है। आप और मैं तो वहां पर बराबर खड़े रहे थे। बहन करतार देवी ने माना कि नहर का पानी काटा। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं सभी सीनियर आनरेबल मैम्बर्ज से यह रिक्वैस्ट करूंगा कि जब कोई नया मैम्बर बोल रहा हो तो उसे डिसक्रेज न करें उसे बोलने दें। कल बलबीर सिंह जी बोल रहे थे तो हमने उनको बोलने का पूरा मौका दिया था। अतः यह रिक्वैस्ट है कि नये सदस्य को बोलने दें और पुराने और सीनियर सदस्य बीच-बीच में टोका टाकी न करें। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, अन्त में मैं अपने ओपोजिशन के नेताओं और भाईयों से एक बात कहना चाहूंगा कि वे ठाठ से इस सरकार को चलने दें इस सरकार को काम करने दें तो पता चल जाएगा कि यह सरकार जनता के लिए कितना काम कर रही है। स्पीकर महोदय, इस सरकार को चलने से इनको तकलीफ हो रही है। (विघ्न) स्पीकर साहब, ये गोहाना शूगर मिल की बात कर रहे थे। ये किसानों के नेता बन कर उनका भला करने की बात तो करते हैं लेकिन किसानों का वास्तव में भला करना नहीं चाहते हैं। अगर ये उनका भला करना चाहते तो जब इनकी सरकार थी उस समय क्यों नहीं उनके लिए इन्होंने कुछ किया। (विघ्न) उस वक्त तो ये उल्टे सीधे काम करते रहे। ये हरियाणा की जनता का भला नहीं चाहते हैं। स्पीकर सर, जो बजट फाईनैंस मिनिस्टर महोदय ने प्रस्तुत किया है मैं उसका 100% समर्थन करता हूं। यह बजट इतना बढ़िया है कि इस बजट से इनको जलन हो रही है और इनके पास बजट का विरोध करने के लिए कोई बात ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से लीडर ऑफ दि हाउस तथा फाईनैंस मिनिस्टर द्वारा इतना बढ़िया बजट प्रस्तुत करने पर उनको बधाई देता हूं तथा आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

(इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर बोलने के लिए खड़े हो गये)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठिए।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है कि मैंने अपना नाम सुबह से लिखकर भेजा हुआ है लेकिन अभी तक मुझे बोलने का समय नहीं दिया गया है।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी आपकी पार्टी की रेशो के मुताबिक आपकी पार्टी को बोलने के लिए एक घण्टे का समय हिस्से में आता था और आपकी पार्टी के सदस्य 113 मिनट बोल चुके हैं, इसलिए आप अपनी सीट पर बैठें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सवाल इस बात का नहीं है कि कितने मिनट वाले हैं मैं बजट पर बोलना चाहता हूं मुझे बोलने के लिए समय दीजिए यह मेरी सबमिशन है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, जब हम विपक्ष में थे और आपकी सरकार थी तो उस वक्त विपक्ष को बोलने का मौका नहीं मिलता था। अब आप खुद विपक्ष में बैठे हैं तो विपक्ष का दर्द आपको पता लग रहा है। आप अपने समय में विपक्ष को सुनते नहीं थे। (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आपके लिए इस प्रकार की बात कहना वाजिब नहीं है। इस प्रकार की बात जिस कुर्सी पर आप बैठे हैं वहां से कहना मुनासिब नहीं है। अगर मैं कोई बात कहूंगा तो मेरे खिलाफ और कोई बात खड़ी कर दी जाएगी। इस प्रकार की बात कहना आपको शोभा नहीं देता है। अध्यक्ष महोदय, जो बातें मेरे बारे में कही गई हैं उनका जवाब भी मुझे देना है इसलिए आप मुझे यह बताने की कृपा करें कि आप मुझे बोलने के लिए समय देंगे या नहीं (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं आपको कोई वायदा नहीं करूंगा आपकी पार्टी 113 मिनट बोल चुकी है। अगर भजन लाल जी टाईम बचा तो देख लेंगे। (शोर एंव व्यवधान)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरे बारे में बात कही गई है क्या उस बारे में भी मुझे बोलने नहीं दिया जाएगा।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप बैठ जाएं अभी काफी समय है। अगर आप बैठ जाएंगे तो हो सकता है कि आपको भी बोलने के लिए समय बच जाए। इस तरह से सदन का समय खराब न करें। अगर आप जाना चाहते हैं तो आप बताएं। (शोर)

मुद्रण तथा लेखन सामग्री राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा गहलावत) : अध्यक्ष महोदय, 12 मार्च को इस सदन में कर रहित जो बजट पेश हुआ है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ी हुई हूं। आज इस बजट की सराहना पूरे हरियाणा में हो रही है। हरियाणा में व्यापार मंडल और दूसरी संस्थाएं भी इसकी सराहना कर रही हैं। अध्यक्ष महोदय, जब हमारे मुख्य मंत्री जी ने सत्ता संभाली तो हरियाणा प्रदेश की अर्थव्यवस्था में काफी गड़बड़ थी और पिछली सरकार सारा सरकारी खजाना खाली कर गई थी। अब इस बजट में सभी कल्याणकारी बातों का ध्यान रखा गया है। हमारी सरकार ने जो शराबबंदी का काम किया है यह बहुत ही अच्छा काम किया है। हमारे विपक्ष के नेता और पिछली सरकार के नेता इस बात को कहने की हिम्मत ही नहीं कर पाते थे लेकिन हमारी सरकार ने यह काम करके दिखा दिया। हमारे विपक्ष के नेता ने इस सदन में यह कहा था कि सरकार ने बहुत ही कल्याणकारी काम किया है। अगर उन्होंने यह कहा था तो इनको यहां पर इसको ठीक ढंग से लागू करने के बारे में बात कहनी चाहिए थी। ये यहां पर कहते हैं कि आज हरियाणा में शराब बंद नहीं हुई है उसकी समगलिंग होती है। इनको तो, इसको कैसे रोका जाए, उसके बारे में राय देनी चाहिए। मैं तो यह कहती हूं कि शराब की समगलिंग में विपक्षी दल का हाथ है। शराब का धन्धा करने में विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और नेताओं का भी हाथ है। इसमें कांग्रेस और एस०जे०पी० वाले शामिल हैं। आज शराब बंदी से हरियाणा में शान्ति और खुशहाली आई है। आज हमारी माताएं और बहनें हरियाणा में सुरक्षित हैं। इस बात के लिए मैं मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देती हूं।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाईंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, बहन कृष्णा जी ने बोलते हुए हमारी पार्टी का नाम लिया और कांग्रेस का भी नाम लिया लेकिन मुझे कांग्रेस पार्टी से कुछ लेना देना नहीं है कि वह क्या करती है या क्या नहीं करती है। हमारी पार्टी का कोई भी नेता या मैम्बर यह काम नहीं करता है। ये जो बात कह रही हैं यह गलत बात कह रही हैं।

श्री अध्यक्ष : यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। (शोर एंव व्यवधान)

श्रीमती कृष्णा गहलावत : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी धीरपाल सिंह जी को बताना चाहूंगी कि ये एक बहुत ही बढ़िया आदमी हैं और वे शराब से काफी दूर भी रहते हैं लेकिन जो इनके हल्के में इनके कार्यकर्ता शराब बेचते हैं उनकी वजह से ये दुखी हैं। ये यहां इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इनके कार्यकर्ता शराब बेचने में लिप्त हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय,हमारे दो साथी यानी चरणदास शोरेवाला और बिनोद मढ़िया ही शराब बेचते थे। इसके अलावा हमारा कोई कार्यकर्ता शराब नहीं बेचता था। (विघ्न)

श्री रामविलास शर्मा : स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी एवं आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी शराब बंदी के बारे में प्रमुख रूप से पहले ही दिन से आलोचना कर रहे हैं। उसका कारण यह है कि आदरणीय भजन लाल जी के दामाद एवं आदरणीय चौटाला साहब के दामाद शराब क्रमशः बनाते और बेचते थे। उस समय तो इन्होंने कह दिया कि हम शराब बंदी का समर्थन करते हैं लेकिन बाद में जब इनके ऊपर अपने-अपने दामादों का दबाव पड़ा तो अब ये ऐसी बातें कहने लगे।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

(i) श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। सर, श्री राम बिलास शर्मा बहुत ही सीनियर और सम्मानित सदस्य हैं। लेकिन मुझे इनकी जुबान से इस प्रकार की बातें सुनकर अफसोस है। मैं इनके नोटिस में आपके द्वारा एक बात लाना चाहता हूं कि न तो मेरा कोई परिवार का सदस्य शराब बेचता है और न ही मेरे किसी दामाद ने शराब बेची है। लेकिन मैंने यह जरूर तसलीम किया है कि पहले हमारी पार्टी में केवल दो लोग यानी शेरेवाला साहब और महिया साहब शराब बेचते थे। (विघ्न) मैं इस बात को तसलीम करता हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मैं सभी माननीय सदस्यों से एक अपील करना चाहता हूं कि जब वह दूसरों की आलोचना करते हैं तो उनमें अपनी आलोचना भी सुनने की क्षमता होनी चाहिए। You should also be good listeners.

(ii) वित्त मन्त्री द्वारा

वित्त मंत्री (श्री चरणदास) : स्पीकर साहब, मैं भी पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। अपोजीशन के नेता को इस तरह की बात नहीं कहनी चाहिए। इन्होंने मेरे ऊपर शराब बेचने का आरोप लगाया है लेकिन शराब बेचना तो दूर अगर मैंने सारी उम्र में शराब पी भी हो तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : शराब पीना और बेचना दोनों अलग-अलग बातें हैं।

श्री चरणदास : अध्यक्ष महोदय, मैं शराब पीने और बेचने में विश्वास नहीं रखता हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप शराब बेचने की मान लो। हम पीने के बारे में तो कुछ नहीं कहते कि आप शराब पीते हैं।

श्री चरणदास : अध्यक्ष महोदय, इन जैसे अपोजिशन के नेता को ऐसी बातें कहना शोभा नहीं देता। ये हाउस के अंदर अपनी पार्टी को समता पार्टी बताते हैं और हाउस के बाहर अपनी पार्टी को समाजवादी जनता पार्टी बताते हैं। अध्यक्ष महोदय, आपको इस बारे में कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए। सर, मैंने कभी कोई शराब नहीं बेची है और न ही मैंने कभी शराब पी है।

(iii) चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री द्वारा

चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार महिया) स्पीकर साहब, चौटाला साहब ने जो इल्जाम लगाया है उसके बारे में मैं आपके द्वारा इनको बताना चाहूंगा कि मैं तो पिछले 15 सालों से शराब के काम से दूर हूं और जिंदगी में मैंने कभी शराब नहीं पी। अगर फिर भी ये कहते हैं कि मैं शराब बेचता था तो मैं कहना चाहूंगा कि उसमें इनका हिस्सा भी मेरे साथ होता था।

वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, अभी-अभी विपक्ष के नेता ने शोरेवाला जी एंव मढ़िया साहब पर जो इल्जाम लगाया है तो इस बात को सारा सदन और तमाम हरियाणा प्रदेश की जनता जानती है। फिर भी अगर कोई इनकी गलत बातों में हाँ में हाँ मिलाएगा तो क्या वह दूध का धुला हुआ है ? अगर इनकी गलत नीति मानने से कोई भी आदमी इंकार करेगा तो वह हरियाणा प्रदेश के हितों को देखते हुए इनकी गलत बातों से दूर रहेगा। अध्यक्ष महोदय, यह इनकी अकेले की आदत नहीं है जो हमारे देश के भूतपूर्व उप-प्रधान मंत्री ******* रहे हैं उन्होंने वी०पी० जी के बारे में यह कहा कि (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ऑन ए प्वांइट ऑफ आर्डर स्पीकर सर, मैं आपके नोटिस में कई दफा यह बात ला चुका हूं कि जो आदमी इस हाउस का सम्मानित सदस्य नहीं है उसका नाम यहां पर न लिया जाए लेकिन हर बार ये उनका नाम ले देते हैं।

श्री अध्यक्ष : श्री देवी लाल जी का नाम कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : तो मैं यह कह रहा था कि पहले तो वी०पी० सिंह जी का नाम लिया करते थे कि यह इस देश का सबसे बड़ा राजपूत बहादुर है लेकिन जब उनकी उनसे बनना बंद हो गई और जब वी०पी० सिंह जी उनकी बात नहीं मानते थे तो उन्होंने देश के लोगों के सामने कहा कि मैंने तो इसे तलवार चलाने वाला राजपूत समझा था मुझे क्या पता था कि ये उस्तरा चलाने वाला राजपूत है।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है कि देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री के बारे में जो शब्द यहां प्रयोग हुए हैं वह यहां शोभा नहीं देते हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : इस बात का अखबारों में रिकार्ड है।

श्री धीर पाल सिंह : यह भी हाउस की परम्परा रही है कि यहां अखबारों की बात कोट नहीं होती। आपके द्वारा मैं हाउस से विनती करता हूं कि श्रीमती कृष्णा जी ने बोलते हुए मेरे हल्के और मेरे कार्यकर्ताओं के बारे में आरोप लगाए। उस बारे में एक चौधरी सोमबीर सिंह जी जो कि बंसी लाल जी के दामाद हैं और दूसरी बहन कृष्णा जी बैठी हैं, इन दोनों की दो मैंबरी कमेटी आप बना दें और ये बादली हल्के में जाकर इंक्वायरी कर लें और उसकी रिपोर्ट हाउस में रख दें।

श्रीमती कृष्णा गहलावत : अध्यक्ष महोदय, आज शराब बंदी की वजह से पूरे प्रदेश में अपराधों में कमी आई है, लड़ाई-झगड़ों में कमी आई है, दुर्घटनाओं में कमी आई है, बहिन बेटी की इज्जत सुरक्षित है। चौधरी बंसी लाल जी के मुख्यमंत्री बनने से पहले चौधरी भजन लाल जी की सरकार होती थी और वे प्रदेश के मुख्य मंत्री बनते ही कहा करते थे कि कोई बहू-बेटी रात के 12 बजे गहनों से लदकर कहीं भी आ जा सकेगी। लेकिन उनके राज में उनके अपने जिले में बहन सुशीला का अपहरण कर लिया गया और आज तक भी यह पता नहीं लगा कि वह कहां है। रेणुका कांड में इनके मंत्रिमंडल के मंत्रियों का नाम लिया जा रहा था उसका भी आज तक पता नहीं लगा। इसी तरह द्रोपदी कांड हुआ। कुरूक्षेत्र में दो बहनों का अपहरण हुआ उनका आज तक पता नहीं लग पाया है आज ये राज्य में कानून व्यवस्था की बात करते हैं तो मुझे बड़ी शर्म आती है। इसके अलावा यहां हमारे विपक्ष के नेता बैठे हैं मुझे बताते हुए थोड़ी शर्म आ रही है क्योंकि उस वक्त मैं उनकी पार्टी में ही थी (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय,

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

मैं इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करूंगी यह तो आपको पता लग ही गया कि मैंने इनकी पार्टी क्यों छोड़ी थी। इनके वक्त में कानून व्यवस्था का क्या हाल था, इस बारे में सभी जानते हैं। अध्यक्ष महोदय, यहां पर विपक्षी नेता बैठे हैं और भी सदस्यगण बैठे हुए हैं मैं उनसे निवेदन करूंगी कि ये सरकार के अच्छे कार्यों में सहयोग करें। चौधरी बंसी लाल जी ने तो इनको खुली छूट दे रखी है कि ये किसी भी सुधारीकरण के काम में और शराबबंदी को पूरी तरह लागू करने के बारे में किसी भी समय कोई सुझाव दे सकते हैं। इनको यह भी पूरी छूट है कि शराब की समगलिंग के बारे में कोई शक है तो किसी भी पुलिस स्टेशन में जाकर ये बता सकते हैं उस पर पूरी कार्यवाही होगी। आज पूरे हरियाणा में कानून व्यवस्था ठीक है और खुशहाली है। आज मेरी बहनों की इज्जत सुरक्षित है। पहले की सरकार के समय सायं पांच बजे के बाद मेरी कोई बहन बसों के अन्दर सफर नहीं कर सकती थी। आज वे पूरी तरह सुरक्षित एवं खुशहाल हैं। आज जो बजट यहां पर पेश किया गया है उसमें स्वास्थ्य के बारे में, कृषि के बारे में और सड़कों के बारे में सभी प्रकार से अच्छा ध्यान दिया गया है। हरियाणा में शराबबंदी लागू हो गई है और शराब छोड़ने के बाद लोगों को पूजा पाठ करने के लिए धूपबत्ती को बिल्कुल कर-मुक्त कर दिया गया है ताकि वे शराब को भुलाकर पूजा पाठ में अपना ध्यान दें। कृषि क्षेत्र में किसानों को ट्रैक्टर खरीदने के लिए दस प्रतिशत की बजाये पांच प्रतिशत कर में छूट दे दी गई है जिससे किसानों को राहत मिल सके। गरीबों के बारे में विशेष ध्यान दिया गया है। जो रिक्शा तथा साईकिल चलाते हैं उनके लिए कर में पूरी तरह से छूट दे दी गई है। स्पीकर सर, इस बजट से पूरे प्रदेश में एक अच्छा असर पड़ा है तथा सभी जगह इस बजट की सराहना हो रही है। व्यापार मण्डल ने भी इस बजट की सराहना की है। मैं अध्यक्ष महोदय, एक बार फिर से इस बजट का समर्थन करती हूं। धन्यवाद।

श्री नफे सिंह राठी (बहादुरगढ़) : अध्यक्ष महोदय, जो सरकार ने 1997-98 का बजट पेश किया है मैं उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, इस बजट में सरकार ने बिजली के सुधारीकरण की बात कही है। बिजली के निजीकरण से अब सुधारीकरण पर यह सरकार आई जो कि एक ही बात है। आज हरियाणा में हरेक नागरिक इस बात से चिंतित है कि सरकार जो सुधारीकरण करने जा रही है उससे बिजली के रेट और बढ़ेगें और किसानों तथा आम आदमी के लिए कनैक्शन लेने में भी जो सहूलियतें मिलती हैं उनमें दिक्कत आयेगी। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने 1575 करोड़ रुपये का जो बजट पेश किया है यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत ही ज्यादा दर्शाया गया है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली के निजीकरण की बात है जैसा कि एक ट्यूबवैल को लगाने में लगभग 40 हजार रुपये खर्चा आता है अगर निजीकरण हो जायेगा तो किसानों को अपने ट्यूबवैल के कनैक्शन लेने के लिए लाख कोशिश करने पर भी बिजली नहीं मिल पायेगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ बिजली की व्यवस्था इस समय हरियाणा में ठीक नहीं है। आज देहातों में लोग बिजली से काफी दुखी हैं। अध्यक्ष महोदय, 10-6-96 को माननीय मुख्यमंत्री जी हरियाणा की नहरों की अनेक टेलों पर जाकर आये ताकि यह देख सकें कि हरियाणा की नहरों से हरेक टेल तक पानी पहुंचा है या नहीं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात का प्रूफ दे सकता हूं कि अधिकारियों ने इस बात के आदेश जारी किये कि पीछे से सारे मोघों को बंद करके सारा पानी अंतिम टेल तक पहुंचाया जाए ताकि मुख्यमंत्री जी टेल पर पहुंचा हुआ पानी देख सकें और यह घोषणा कर सकें कि हमने अंतिम टेल तक पानी पहुंचा दिया है। इस प्रकार के आदेश एस०डी०ओ० ने जे०ई०ज० को दिये। गांव रोहदा से लेकर शोरदा तक सारे मोघे बंद कर दिये गए क्योंकि मुख्यमंत्री जी ने टेल तक पानी पहुंचाने का वायदा किया है। अगर इस तरह से टेल पर पानी देखना है तो हर जगह टेल तक पानी पहुंचाया जाए। लेकिन मेरा हल्का बहादुरगढ़ जो टेल पर पड़ता है वहां पर पानी नहीं पहुंचा है। इशर हेड़ी गांव जो मेरे हल्के में पड़ता है तथा जिसका मंत्री जी ने जिक्र

[श्री नफे सिंह राठी]

किया था। वहां पर आज अगर जांच की जाए तो मालूम होगा कि इशर हेड़ी गांव के वाटर टैंक में पानी की एक घूंट भी नहीं है। इसके विपरीत ये इस सदन में ब्यान करते हैं कि इस सरकार ने टेल तक पानी पहुंचाने का काम कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ मैं सड़कों के बारे में जिक्र करूंगा। आज हरियाणा की तमाम सड़कें तथा जो अप्रोच रोडज हैं, वे बिल्कुल टूटी हुई हैं तथा मंत्री जी सदन में जवाब देते हैं कि धन उपलब्ध होने के बाद ये सब ठीक कर दी जाएंगी। एक तरफ तो ये तारीख भी देते हैं लेकिन दूसरी तरफ धन की उपलब्धता की बात भी करते हैं। यह किस किस्म की एश्योरेंस है। यह धन कब उपलब्ध होगा ? कब तक ये सड़कें ठीक होंगी ? छोटे-छोटे सड़कों के टुकड़े जहां पर सड़क नाम की कोई चीज ही नहीं है, वे सड़के ठीक नहीं हैं। बहादुरगढ़ से नजफगढ़ तक दस कि०मी० की एक सड़क है, वह अभी तक ठीक नहीं हो पाई है। दूसरी तरफ मंत्री जी के गांव की तरफ जो रास्ता जाता है वह भी बुरी हालत में है, उसको भी ठीक कराकर, इन्होंने अपने घर के लिए स्पैशल नैशनल हाई-वे नं० 8 से सीधी सड़क निकलवाने का कार्य शुरू करवा दिया है। लोगों की जो कठिनाईयां हैं उनकी तरफ इस सरकार का कोई ध्यान नहीं है बल्कि अपने पर्सनल कार्यों में इस सरकार के मंत्रीगण लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज करना चाहता हूं कि यह बजट पेश किया गया है यह जनता के साथ एक खिलवाड़ है तथा धोखा है। इस बजट का मैं विरोध करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न बोलते हुए दो-तीन बातें और कहना चाहता हूं। कानून और व्यवस्था की स्थिति आज बहादुरगढ़ में खराब है। आज अखबार में एक खबर छपी है कि एक आठवीं क्लास के बच्चे का कत्ल हुआ है तथा कातिल पकड़ा नहीं गया है। एक लड़का बहादुरगढ़ हल्के के मेहंदीपुर डाबोदा गांव का है, जिसका नाम अजीत सिंह है तथा इसकी उम्र 20-21 वर्ष की है। इस बारे में मेरा एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी आया था। 25-2-97 को उसकी जीप बहादुरगढ़ से किराए पर ली गई। उसकी वह जीप जला दी गई तथा उसका कत्ल कर दिया गया। उसकी लाश का आज तक पता नहीं चला है। लेकिन सरकार इस मामले में अभी तक कुछ नहीं कर सकी है। इसमें 3 आदमी इन्वाल्व थे। एक आदमी को जनता ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया तथा अन्य आदमी अभी तक पुलिस द्वारा पकड़े नहीं जा सके हैं। इस प्रकार के कांड बहादुरगढ़ में हो रहे हैं। यह एरिया बार्डर पर पड़ता है तथा दिल्ली के भी नजदीक है। लेकिन आज जब हम विकास की बात करते हैं तथा वहां पर बाई-पास बनाने की बात करते हैं तो मंत्री जी कहते हैं कि इस किस्म का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मुझे 2-4 मिनट का समय और दे दीजिए। आखिर हम नए-नए चुनकर इस सदन में आए हैं। अगर कोई अनपार्लियामैंटरी शब्द भी मेरे मुख से निकल जाएं तो उसके लिए भी मैं माफी चाहता हूं। धीरे-धीरे हम बोलना भी सीख जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, आज कानून और व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अभी शराबबंदी के बारे में जिक्र हुआ। मंत्री जी भी कहते हैं कि हमारे आदमी शराब बेचते हैं। यह शर्म की बात है, जब हमारे आदमी शराब बेचते हैं तो उनको ये पकड़वाते क्यों नहीं हैं। मैं बताना चाहता हूं कि हमारे आदमी शराब नहीं बेचते हैं। शराब बेचने वाले तो सरकार से समर्थित आदमी ही हैं। अध्यक्ष महोदय, आज शराबबंदी की धज्जियां कौन उड़ा रहा है ? यह सब इनके एम०एल०एज० और मंत्रीगण कर रहे हैं। पिछले दिनों बहादुरगढ़ में चौधरी बंसी लाल जी के एक रिश्तेदार जो डी०एस०पी० हैं। उनका स्थानांतरण हुआ। उन्होंने खुलेआम शराब की चोरी करवाई। जब उनके दफ्तर में कोई जाता था तो शराब के ठेकेदार वहां पर बैठे मिलते थे। अब उसको वहां से ट्रांसफर कर दिया गया है। यह बहुत ही अच्छा किया है। उसको वहां नहीं लगाया जाना चाहिए था। अब मैंने सुना है कि वह रोहतक में हैं और अब भी शराब बिकवाने का काम वह करता है।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण-

मुख्य मंत्री द्वारा

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। न तो उनके खिलाफ शराब बिकवाने की कोई शिकायत थी और न आज कोई शिकायत है। ये कहते हैं कि उनको रोहतक में बैठा दिया तो हरियाणा से बाहर उनको भेजने का अधिकार मुझे नहीं है।

वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री नफे सिंह राठी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि उनको हरियाणा से बाहर भेजने का उनके पास अधिकार नहीं है। तो मैं इनको कहना चाहूंगा कि यदि वह इतने ही बढ़िया आदमी हैं तो आप उसको भिवानी ले जाओ। अध्यक्ष महोदय, जहां तक विकास की बात है इस बारे में मैं एक बात आपके सामने कहना चाहूंगा कि बहादुरगढ़ म्यूनिसिपल कमेटी के आज तक इलैक्शन नहीं हो पाए हैं। उस म्यूनिसिपल कमेटी का जो सैक्रेटरी सरकार ने लगाया हुआ है उसको वहां पर 6 साल हो गए उसने वहां पर धांधली मचाई हुई है। बहादुरगढ़ म्यूनिसिपल कमेटी की लगभग 10 करोड़ रुपए की जमीन थी और जमीन की रजिस्ट्री भी बहादुरगढ़ म्यूनिसिपल कमेटी के नाम है लेकिन उस जमीन का नक्शा किसी और आदमी के नाम पास कर दिया है। हमने उसके खिलाफ आवाज उठाई लेकिन मुझे पता नहीं उसकी इंक्वायरी कहां तक पहुंची है। जो 10 करोड़ रुपए की कीमत की जमीन उस म्यूनिसिपल कमेटी की थी उस सैक्रेटरी ने वह किसी दूसरे आदमी के नाम पास कर दी। हमने उस जमीन के बारे में उस म्यूनिसिपल कमेटी के एडमिनिस्ट्रेटर को भी लिख कर दिया और हमने कोर्ट में भी अपील की थी। वह केस कोर्ट में पैंडिंग है फिर भी उस जमीन का नक्शा किसी दूसरे आदमी के नाम पास कर दिया ताकि कोर्ट में केस कमजोर हो जाए। अध्यक्ष महोदय, वह 10 करोड़ रुपए की जमीन है उसका सारा रिकार्ड उपलब्ध करवाया जाए और उसकी इंक्वायरी कराई जाए। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं और बजट का विरोध करता हूं।

श्री आनन्द कुमार शर्मा (बल्लभगढ़) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी और हरियाणा सरकार ने जो बजट पेश किया है मैं उसका समर्थन करता हूं और उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, शराबबंदी लागू करने पर हरियाणा सरकार को 600 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है और पिछले दिनों बाढ़ के कारण जो पैसा लोगों की सहायता के लिए खर्च किया गया उससे यह समझा गया कि सरकार भारी भरकम टैक्स लगाकर हरियाणा की जनता को टैक्स के बोझ से लाद देगी। मेरे अपोजिशन के साथी इस बात का बड़ा बढ़-चढ़ कर प्रचार कर रहे थे कि सरकार टैक्स लगाएगी। लेकिन जब बजट पेश हुआ तो इनके हौंसले पस्त हो गए। जब बजट पेश हुआ तो सारे हरियाणावासी मुख्य मंत्री जी को और वित्त मंत्री जी को अपने दिल से शुभ कामनाएं और शुभ आशिष देने लगे। अध्यक्ष महोदय, ट्रैक्टर्ज के टायरों पर कर घटा कर सरकार ने किसानों को जो राहत दी है उससे ऐसा लगता है और यह साफ जाहिर होता है कि हमारी सरकार किसानों की कितनी हमदर्द है। अगरबत्ती और धूप पर कर में छूट दे कर वित्त मंत्री जी ने धार्मिक लोगों की भावनाओं को पूरा सम्मान दिया है। रिक्शा चालकों को रिक्शा पर कर में छूट दे कर उन गरीब लोगों को जो राहत दी है वह एक सराहनीय कदम है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट में सबसे बड़ी उपलब्धी यह है कि हरियाणा की जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया

[श्री आनन्द कुमार शर्मा]

गया है बल्कि तीन मदों पर कर में छूट दी गई है। इसके लिए मैं एक बार फिर मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूं। यह बजट विरोधी पक्ष के लोगों के लिए एक करारा जवाब है। जैसा वह प्रचार कर रहे थे कि सरकार बड़े भारी कर लगाने जा रही है लेकिन सरकार ने कोई कर नहीं लगाया। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी को यानि पूरी सरकार को अपनी तरफ से और अपने क्षेत्र की जनता की तरफ से हार्दिक बधाई देता हूं कि उन्होंने एक सन्तुलित बजट बिना कर लगाए हमें दिया है। अध्यक्ष महोदय, ग्रामीण बिजलीकरण में सरकार ने सबसिडी रख कर किसानों के साथ बड़ा न्याय किया है। वह काबिले तारीफ है। हमारी सरकार ने बिजली पैदा करने के लिए नए सयंत्र लगाने का प्रावधान रखा है। इससे साफ जाहिर है की हमारी सरकार किसानों के प्रति हमदर्दी रखती है। यह अच्छी बात है। हमारी सरकार ने बजट में अपनी सभी विकास परियोजनाओं के लिए प्रावधान रखा है इससे साफ जाहिर होता है कि हमारी सरकार कार्य करने की क्षमता रखती है। हमारी सरकार ने जहां-जहां पर आवश्यकता है वहां पर नए बाई पास बनाने और ओवर ब्रिज बनाने का प्रावधान इस बजट में किया है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने सिंचाई को भी प्राथमिकता दी है। नहरों की सफाई का विशेष ध्यान रखा गया है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने फसलों के भण्डार की तरफ भी ध्यान दिया है। हमारी सरकार ने इस बजट में पशुपालन की तरफ ध्यान देते हुए उनकी देखरेख के लिए भी पैसे का प्रावधान किया है। यह भी एक अच्छी बात है। साथ ही साथ हमारी सरकार ने बाढ़ से बचने के लिए जो प्रावधान किया है वह भी बहुत ही सराहनीय काम है। इसके साथ ही सरकार ने बाढ़ की रोकथाम के साथ-साथ सूखे की रोकथाम के लिए भी उचित प्रावधान किया है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आसपास के इलाके को विकसित करने का भी प्रावधान इस बजट में किया है। इसी प्रकार से नगरपालिका के कर्मचारियों का बकाया वेतन का भुगतान करने का भी प्रावधान किया है तथा इन कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते खोलने के लिए भी पैसे का प्रावधान किया है। हमारी सरकार ने मेवात क्षेत्र का बहुमुखी विकास करने के लिए जो परियोजना का गठन किया है वह भी एक अच्छी बात है। हमारी सरकार ने शिवालिक की पहाड़ी क्षेत्र के विकास का भी ध्यान रखा है। हमारी सरकार ने इस एरिया का जीवन स्तर ऊपर उठाने के लिए बजट में प्रावधान किया है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए भी हमारे वित्त मंत्री जी ने इस बजट में पैसे का प्रावधान किया है। इसी प्रकार से भगवत दयाल मैडिकल साईंसिज पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीच्यूट, रोहतक में अति विशिष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं शुरु करके अगले साल से इसका दर्जा बढ़या जायेगा। यह भी सरकार का एक सराहनीय कार्य है। इन सब बातों को देखने से लगता है कि यह बजट आम जनता के लिए हरियाणा की खुशहाली के लिए एक मील पत्थर साबित होगा।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां कानून व्यवस्था की पोजिशन जो पहले बिगड़ी हुई थी, उसको चौधरी बंसी लाल जी ने शासन संभालते ही सुधारा है। अब कानून वयवस्था की स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है। एक बात और उल्लेखनीय है कि, इनके सत्ता संभालते ही खास तौर पर आम जनता की आवाज में जो यह आम धारणा बनी हुई थी कि सरकारी कर्मचारी अपनी सीटों पर मिलते नहीं थे, आज उसमें भी सुधार हुआ है। अब सारे कर्मचारी समय पर अपने दफ्तर में पहुंचते हैं और अब उनकी सीटें खाली नहीं मिलती हैं। अब सरकारी कार्यालयों में काम करने के तरीके में भी सुधार हुआ है। चौधरी बंसी लाल जी का खौफ कह लीजिए या डर कह लीजिए अब सरकारी कर्मचारियों की टेबलों पर जो लेनदेन होता था वह नहीं हो रहा, सरकारी कर्मचारी अब इसकी हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। भ्रष्टाचार की बात जो विपक्ष के भाई कह रहे

हैं, उसके जवाब में मैं यह बात कह रहा हूं कि जिस तरह से पहले मेज पर आमने सामने सौदे हुआ करते थे अब होने बिल्कुल बंद हो गए हैं अब किसी की हिम्मत नहीं कि कोई एक पैसा भी किसी से ले ले। इन सब कामों के लिए प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री जी को बार-बार शत-शत प्रणाम कर रही है और अपना आशीर्वाद दे रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी का ध्यान अपने फरीदाबाद जिले की ओर भी दिलाना चाहूंगा। इसके साथ ही मैं एजुकेशन मन्त्री जी का ध्यान फरीदाबाद जिले में शिक्षा की शोचनीय दशा की तरफ दिलाना चाहता हूं। जिला फरीदाबाद में शिक्षा के क्षेत्र में कोई खास उन्नति नहीं हुई है। इस बारे में मैं अपने बल्लभगढ़ क्षेत्र का उदाहरण देना चाहता हूं। जो स्कूल बल्लभगढ़ में 1966 में थे वही स्कूल आज भी हैं उनकी संख्या में कोई वृद्धि नहीं हुई है (घण्टी) जब कि वहां पर छात्रों की संख्या काफी बढ़ गई है। इसलिए मैं सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि वहां पर और नया स्कूल कॉलेज या तकनीकी इन्स्टीज्यूट अवश्य खोला जाए ताकि वहां पर शिक्षा का स्तर बढ़े और लोगों को कुछ राहत प्राप्त हो। बल्लभगढ़ में शिक्षा के जो पुराने संस्थान हैं आज भी वहीं है उनमें कोई बढ़ौतरी नहीं हुई है इसलिए मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वहां पर शिक्षा के क्षेत्र में कुछ अधिक इंस्टीच्यूट खोले जाएं और शिक्षा के प्रसार के लिए कुछ अधिक काम करने की कृपा करें वहां पर कोई तकनीकी संस्थान, महाविद्यालय स्थापित किया जाए तो यह अधिक अच्छा रहेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं स्थानीय शासन मन्त्री जी से भी अनुरोध करना चाहूंगा कि वहां पर अन-एथोराईज्ड कालोनियां बढ़ती जा रही हैं और यदि उन कालोनियों को रैगुलराईज़ किया गया तो वहां पर सरकार को डिवैल्पमैंट का बहुत बड़ा कार्य करना पड़ेगा लेकिन सरकार यह कार्य अभी तक नहीं कर पायी है और न ही इन कालोनियों को बढ़ने से रोका जा रहा है। इस प्रकार की कालोनियां आगे और भी बनती जा रही हैं अगर इन बढ़ती हुई अन-ऐथोराईज्ड कालोनियों को रोका नहीं गया तो फिर आने वाले समय में सरकार के लिए और अधिक कठिन समस्या का रूप धारण कर लेंगी इसलिए सरकार इस बारे में ध्यान दे। (घंटी)

आवास की समस्या एक जटिल समस्या है इसलिए लोगों के रहने के लिए स्थान की व्यवस्था बारे भी सरकार विशेष रूप से ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, हालांकि इस बजट में इसका प्रावधान है लेकिन मुख्य मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि आवास योजनाओं को अधिक से अधिक विस्तार देकर इन योजनाओं को जल्दी से जल्दी पूरा करवाने की कृपा करें जिससे क्षेत्र का विकास हो सके। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी पहले जब मुख्य मंत्री बने थे उसी समय हरियाणा के गांव गांव में बिजली पहुंचाई गई थी और गांव गांव को सड़कों से भी जोड़ा गया था। इसी तरह से गांव-गांव में और हर शहर में स्वच्छ पीने के पानी का भी प्रबन्ध किया गया था। मुझे आशा है कि अब फिर से इनमें जो कमी आई है उसको पूरा करने के लिए यह सरकार पूरा प्रबन्ध करेगी (घंटी) अध्यक्ष महोदय मैं एक और सुझाव देना चाहता हूं। 10वीं की परीक्षा देने के बाद छात्रों के पास करीब दो महीने का समय खाली बचा रहता है। मेरा सुझाव है कि दसवीं के बाद जमा एक तथा जमा दो के जो छात्र हैं उनके लिए एक 15 या 20 दिन का रिफरैशर कोर्स चलाया जाना चाहिए विशेष कर स्कूलों में यह रिफरैशर कोर्स दिया जाना चाहिए ताकि बच्चों को इस बारे में जागरूक किया जा सके कि वे आगे क्या कर सकते हैं जमा दो में उन्हें कौन से विषय लेने चाहिएं या कौन-कौन से तकनीकी कोर्स करवाए जा सकते हैं जिससे बच्चे अपने कैरियर के बारे में योजनाबद्ध रूप से जानकारी हासिल करके अपना कैरियर तय कर सकें। उसको इम्पलॉयमैंट के बारे में भी जानकारी दी जानी चाहिए कि उनके लिए रोजगार के अवसर कहां-कहां पर और कैसे हो सकते हैं किन-किन पोस्टों के लिए वे एप्लाई कर सकते हैं। आज शहरों के बच्चों को तो इस बारे में जानकारी रहती है लेकिन ग्रामीण बच्चों को इस बारे जानकारी नहीं होती जिसके कारण उनको जो मौके मिल सकते हैं वे उनसे वंचित रहते हैं। आगे वे कौन-कौन से कोर्सिज़ कर सकते हैं इस बारे भी पूरी जानकारी उन्हें रिफरैशर

[श्री आनन्द कुमार शर्मा]

कोर्स के माध्यम से दी जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री महोदय और वित मन्त्री महोदय ने हरियाणा की जनता के ऊपर करों का कोई बड़ा बोझ न डालते हुए इस बजट में विकास का पूरा प्रावधान रखा है और बहुत ही शानदार बजट प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अपनी बात कहने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। इन्हीं शब्दों के साथ मैं इस प्रगतिशील और बढ़िया बजट का समर्थन करता हूं और अध्यक्ष महोदय का धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है कि आपकी नजर आज हमारी पार्टी की तरफ अभी तक नहीं पड़ी है। हमारी पार्टी के एक भी मैम्बर को बोलने के लिए आज समय नहीं मिला है मुझे खुद भी बोलना है लेकिन अभी तक मुझे बोलने का समय नहीं दिया गया है। अगर आप मुझे बोलने नहीं देना चाहते हैं तब भी मुझे बता दीजिए। (विघ्न) अगर आपकी यह मन्शा है कि मुझे बोलने नहीं देना है तो इसके विरोध में मैं वाक आउट करके जाता हूं।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है, एक दिन में कितने वाक आउट हो सकते हैं।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि वाक आउट कितने भी हो सकते हैं इस पर कोई पाबन्दी नहीं है।

श्री अध्यक्ष : जब बजट पर डिस्कशन हुई तो मैंने भजन लाल जी आपसे कहा था कि आप बोल लें और आपने अपना एकाधिकार चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को दे दिया था तब आप नहीं बोलना चाहते थे और अपना अधिकार दूसरे को दे दिया तो मैं क्या कर सकता हूं। यह तो आपकी मर्जी थी। इसके अलावा भजन लाल जी आपकी पार्टी के 12 सदस्य हैं, उसके हिसाब से आपकी पार्टी का समय 60 मिनट बनता था और आपकी पार्टी 113 मिनट बोल चुकी है। अगर आप अब भी कहें आपको बोलने का समय नहीं दिया तो इसमें आपकी मर्जी है मैं कुछ नहीं कर सकता।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जब कोई मेम्बर किसी को कोई पर्सनल बात बोले तो दूसरे मेम्बर को, जिसके बारे में बात कही गई हो, उसको जवाब देने का समय देना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : आपको उस वक्त जवाब देना चाहिए था।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, उस वक्त आपने मुझे बोलने का समय नहीं दिया था।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी आप बैठ जाएं। हर्ष कुमार जी बोलें।

वाक आउट

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे बोलने का समय नहीं देना चाहते हैं यह बात ठीक नहीं है, आपको सब मैम्बर्ज का ध्यान रखना चाहिए। आप मुझे बोलने का समय नहीं दे रहे हैं। इसलिए हम वाक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यगण वाक आउट कर गए)

वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री हर्ष कुमार (हथीन) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, 12 मार्च को जो बजट सदन में पढ़ा गया वह बहुत ही बढ़िया है इस में व्यापारियों किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों को राहत दी गई है, वह बहुत ही सराहनीय है और इस बारे में यहां पर बोलते हुए मेरे कई साथियों ने भी कहा है। इस सरकार से पहले भी कई सरकारों ने बजट रखा होगा और सुनाया होगा लेकिन प्रश्न यह है कि बजट के अनुरूप सरकार उसे कार्यान्वित करे। अध्यक्ष महोदय, मैं फरीदाबाद और मेवात के इलाके के बारे में कहना चाहूंगा कि आज से 30 साल पहले ज्वायंट पंजाब था लेकिन उस वक्त जो आज का हरियाणा है बहुत खुशहाल था, कहीं पर भी इस इलाके जैसी खेती नहीं थी और इस इलाके का किसान बहुत ही खुश था। लेकिन आज जो हालात हैं इससे तो ऐसा लगता है कि शायद पहले की सरकारों ने बजट में इसके लिए कुछ नहीं किया है। आज इस इलाके में खेती नहीं, सिंचाई नहीं और पढ़ाई नहीं है। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद और मेवात में जो कालेज पहले थे, वे ही आज हैं। यासीन मेव कालेज नूंह में है और इसी तरह से नगीना, होडल, बल्लभगढ़, और फरीदाबाद में कालेज हैं ये टोटल पांच कालेज हैं। ये कालेज भी जब पहले बंसी लाल जी की सरकार थी इनके द्वारा ही शुरू हुए थे। इसके बाद जो भी सरकार आई थी तो उसने उस इलाके में एक नया कालेज भी शुरू नहीं करवाया। अध्यक्ष महोदय, जितने भी कालेज मैंने बताएं हैं यह सब प्राईवेट संस्थाओं ने खोले थे और ये बंसी लाल जी द्वारा शुरू करवाए गए थे। बाद में ये कालेज सरकार को दे दिए गए और उसके बाद किसी भी सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। अभी मेरे साथी टैक्नीकल कालेज और पोलेटैक्निक कालेज की बात कर रहे थे। इसी तरह से भड़ाना साहब ने भी आई०टी०आई० की बात कही लेकिन हमारे क्षेत्र में आई०टी०आई० खोलना तो दूर की बात एक डिग्री कालेज तक स्थापित नहीं किया गया। मुझे इस बजट से जो कि एक सराहनीय बजट है, खुशी है कि इस बजट के द्वारा आज की सरकार नेक नीयती से कार्य करेगी। चौधरी बंसीलाल जी की सरकार ने पहले ही जिस नेकनीयती से उस क्षेत्र में कार्य शुरू किया, वह मैं आपको बताना चाहूंगा। जून के महीने तक जहां पहले की सरकार ने 1995 में आयी हुई बाढ़ के बाद कोई व्यवस्था नहीं की वहीं आज की हमारी चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली सरकार ने 1995-96 में जो मेवात के इलाके में राजस्थान की तरफ से अचानक पानी आया और जो वहां पर बाढ़ आयी, उसके बाद पानी की निकासी के लिए जो व्यवस्था की, वह सराहनीय है। वहां पर बाढ़ के बाद बुखार से मौतें हुई लेकिन इस सरकार ने बुखार से होने वाली मौतों पर कंट्रोल किया। यहां तक के मेवात के इलाके की इस समस्या पर चौधरी बंसीलाल की अध्यक्षता में बार बार हाई पावर कमेटी की भी मीटिंग्ज हो चुकी हैं। यानी मेवात के हल्के की तरफ इस सरकार ने काफी ध्यान दिया है। आज उस इलाके में 6 मोबाइल अस्पताल हर दिन हर गांव में जा रहे हैं और वे वहां पर बीमार लोगों को दवाईयां देते हैं, उनकी बीमारी के बारे में पूछते हैं तथा उसकी रोकथाम के बारे में बताते हैं। अध्यक्ष महोदय, सरकार की इन बातों को देखकर लगता है कि इस बजट से हमारे क्षेत्र को फायदा होगा। मैं इस बात के लिए मुख्यमंत्री जी का पहले भी आभार प्रकट कर चुका हूं और अब भी आभार प्रकट करना चाहता हूं। आज भजनलाल जी इस हाउस से चले गए इसलिए मैं अपने साथियों से निवेदन करता हूं कि उनको इस बात के लिए अचंभा नहीं करना चाहिए क्योंकि अगर शरीफ आदमी शैतानी करें तो ठीक नहीं है लेकिन अगर गलत आदमी शैतानी करे तो उसमें अचंभा नहीं होना चाहिए। आप सब व्यर्थ में ही इनके ऊपर अपना समय लगाते हैं। हरियाणा की जनता ने हम सबको अपनी अपनी बात कहने के लिए यहां पर भेजा है। क्या जनता को पता नहीं है कि उनका चरित्र कैसा है, क्या उनके

[श्री हर्ष कुमार]

कारनामें हैं और कहां कहां से उन्होंने धन कमाया है। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि सबको उनके ऊपर ही अपना समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए क्योंकि उनकी कारगुजारी तो जगजाहिर है। चूंकि वे अब इस हाउस में नहीं हैं इसलिए ज्यादा उनके बारे में कहने से कोई फायदा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, भजनलाल जी ने यह भी कहा कि भिवानी जिले में दस आदमी मारे गए लेकिन वे अब तक भी इस बारे में सही रिपोर्ट हाउस के सामने नहीं रख पाए। लेकिन मैं आपको एक बात के बारे में बताना चाहता हूं। जब चौधरी भजनलाल जी मुख्य मंत्री थे तो उन्होंने अपने क्षेत्र आदमपुर में ही 17 लोगों पर टाडा के केस बनाये थे। अध्यक्ष महोदय, आप यह सुनकर ताज्जुब करेंगे कि उन्होंने कौन-कौन से लोगों पर टाडा के केस बनाये, जैसे हमारे ओम प्रकाश जिंदल जी हैं। आज जिंदल साहब देश की सर्वोच्च पंचायत के मैम्बर हैं और वे कुरुक्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा जहां तक लॉ एंड आर्डर की बात है आज की सरकार ने किसी से भी किसी प्रकार की राजनैतिक रंजिश नहीं निकाली है। इसलिए मेरा अपोजीशन के भाईयों से भी निवेदन है कि वे कम से कम इस बात के लिए तो चौधरी बंसी लाल को धन्यवाद दें कि आज तक भी उन्होंने किसी से अपनी राजनैतिक रंजिश नहीं निकाली। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चाहे कोई भी सरकार हो, कोई भी राज्य हो या चाहे देश हो, विकास के जो कार्य हैं वह बिना सरकारी कर्मचारियों एवं अधिकारियों के कार्यान्वित नहीं हो सकते चाहे आप लाख कोशिश कर लें। इसलिए सरकारी कर्मचारियों की सुविधाओं के लिए भी इस बजट में साफ लिखा हुआ है। जो कुछ सरकारी कर्मचारियों के लिए आज की सरकार ने इस बजट में प्रावधान किया है वह आज तक किसी सरकार ने नहीं किया है और यह सरकार इसको लागू भी करेगी इस बात की मुझे पूरी आशा है। इसके अलावा हमारा जो क्षेत्र है उसके साथ एक और अचम्भे की घटना है कि हमारे क्षेत्र फरीदाबाद ने 1977 में एक ही पार्टी के विधायक चुनकर भेजे, 1987 में भी एक ही पार्टी के विधायक चुनकर भेजे और 1991 में भी एक ही पार्टी के विधायक चुन कर भेजे । जो लोग हमें चुनकर भेजते हैं वे हमसे कुछ आशा भी करते हैं लेकिन आज तक उनकी आशाओं की पूर्ति किसी भी सरकार ने नहीं की। अब की बार चौधरी बंसी लाल जी की झोली में उस क्षेत्र ने काफी सीटें दी हैं तो उनकी कद्र करते हुए चौधरी बंसी लाल जी ने काफी सारे कार्य किए हैं। एजूकेशन की या सिंचाई की जहां तक बात है यहां पर कहा गया कि 40 लाख रुपया दूसरी स्टेट की नहरों पर कैसे खर्च कर दिया। जब सरकार खर्च करती है तो जनता के विकास के लिए खर्च करती है। होडल के लिए चौधरी बंसी लाल जी ने सराहनीय काम किया है। होडल में महारानी किशोरी कॉलेज बनने जा रहा है 2 करोड़ रुपये की लागत से उसकी बिल्डिंग बनने जा रही है उसे बना तो संस्था रही है लेकिन बन रहा है चौधरी बंसी लाल जी के आशीर्वाद से। आज हरियाणा का जो मेवात और फरीदाबाद का क्षेत्र है 30 साल पहले यह इतना खुशहाल नहीं था। खांडसारी के लिए हमारा क्षेत्र मशहूर था हमारे यहां की खांडसारी पूरे राजस्थान और यू०पी० में जाती थी। होडल में 25 दालों की मिलें हैं और पिछली सरकार ने हमारे इलाके के साथ बहुत भेदभाव किया। हमारे इलाके में मसूर और अरहर की दालों की खेती होती है।

श्री अध्यक्ष : हर्ष कुमार जी, आप कन्क्लूड करें।

श्री हर्ष कुमार : मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि पिछली सरकार ने चने की दाल पर एक परसैंट टैक्स घटा दिया क्योंकि वह दाल मुख्यमंत्री जी के क्षेत्र में होती थी लेकिन हमारी दालों पर टैक्स उतना ही है। इसका परिणाम यह है कि हमारे यहां के किसानों ने दाल बोनी बंद कर दी। अध्यक्ष महोदय, इस बजट के बारे में मैं पूरी तरह से सहमत हूं कि यह बजट हरियाणा के लोगों को खुशहाली देगा और

साथ में खुशी जाहिर करता हूं कि यह बजट ऐसे नेता की देखरेख में पेश हुआ है और इस बजट का हरियाणा की जनता पूरा-पूरा लाभ उठाएगी। धन्यवाद।

श्री मनीराम (डबवाली, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इस सदन में 14 तारीख को जो बजट पेश किया गया है उसकी यहां पर चर्चा हो रही है। आदरणीय श्री चरण दास जी ने यह बजट पेश किया जो गांव के बारे में कुछ जानते ही नहीं है। यह बजट एक दिशाहीन और झूठ का पुलिन्दा है। आप जानते ही हैं कि हरियाणा की 70 फीसदी जनता गांवों में रहती है और उसका मुख्य कारोबार खेतीबाड़ी है। खेतीबाड़ी के इलावा उनका कोई साधन नहीं है। खेती के साथ-साथ पशुधन है जो कि खेती पर ही निर्भर रहता है। हरियाणा की यह गठबंधन सरकार और ये भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बैठे हैं इनके नेता ने चुनाव में यह वायदा किया था कि किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे इसके अलावा और भी इन्होंने वायदे किये थे। लेकिन आज ये एक भी वायदा पूरा नहीं कर पाये हैं। इन्होंने वायदा किया था कि किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे, नहरों में पानी देंगे। आगरा कैनाल का पानी लाने की बात कही थी। कन्याकुमारी से बिजली लाने की बात कही थी। परन्तु यह बात नहीं समझ आती कि यहां बिजली का तो ये निजीकरण करने जा रहे हैं। प्राईवेट हाथों में अगर बिजली चली गई तो हरियाणा के लोगों को, किसानों को बिजली नहीं मिलेगी। ट्यूबवैल लगाने पर 40 हजार रुपये खर्चा आता है अगर प्राईवेट हाथों में बिजली चली गई तो बिजली कहां से मिल पायेगी। जब बिजली के निजीकरण पर डिसकशन हो रही थी तो चौधरी बंसीलाल ने साफ शब्दों में कहा था कि हम बिजली की चोरी नहीं पकड़ सकते। अगर यह सरकार बिजली की चोरी को नहीं पकड़ सकती तो यहां पर क्यों बैठी है यह तो फेल है हम इस सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि जो मीटर रीडर होते हैं जो जे०ई० या लाईनमैन होते हैं वे ही चोरी करते हैं उनको ये पकड़ नहीं सके और उनको काबू नहीं कर सके। आज ये वर्ल्ड बैंक के दवाव में आकर बिजली को प्राईवेट हाथों में देने की बात सोचते हैं। मुझे तो ज्यादा जानकारी नहीं है। जसवंत सिंह जी बिजली के बारे में ज्यादा जानते हैं वे हमारी पी०यू०सी० कमेटी के चेयरमैन भी थे और उनको इस चीज का ज्ञान भी है क्योंकि बिजली बोर्ड के अधिकारी मीटिंग में आते रहते थे और मीटिंग में इस बात की बहस होती रहती थी। परन्तु उनको इन्होंने बोलने का मौका नहीं दिया। अगर बिजली प्राईवेट हाथों में चली गई तो उनके लिए कुछ होने वाला नहीं है हरियाणा के जो 70 फीसदी लोग गावों में रहते हैं। आगर नहर का नियंत्रण अपने हाथों में लेने के बारे में सरकार ने बात कही है लेकिन हमें नहीं पता कि यह फैसला किया भी है या नहीं किया क्योंकि हरियाणा के किसानों को अभी तक पानी के झगड़े के लिए मथुरा आगरा तक जाना पड़ता है। लाटरी के बारे में कहना चाहूंगा कि इस सरकार ने कहा था कि लॉटरी को बन्द कर देंगे। पिछली सरकार के समय लॉटरी से दो करोड़ रुपये की आमदन थी लेकिन इस सरकार ने 12 करोड़ रुपये लाटरी की आमदन के कर दिये हैं। इस बारे में एक कहावत है कि बैठना भाईयों का अगर बैर न हो, औरत जैसी बजीर नहीं अगर बदकार न हो, चोरी जैसा धन नहीं अगर पुलिस की मार न हो और जुए जैसा खेल नहीं अगर हार न हो। पांण्डवों ने जुए में हार करके किस तरह 14 साल की बनवास की जेल काटी थी। चौधरी साहब कहते हैं कि पहली सरकार के समय फ्लड आया यह तो कुदरती होता है लेकिन ड्रेन को साफ क्यों नहीं करवाया गया। ड्रेन न० 8 की सफाई करवाई होती। चौधरी बंसी लाल ने कहा कि 2 लाख दरख्त कटवाएंगे। यह सरकार यह बताए कि इससे सरकार को कितनी आमदनी हुई। इसके लिए कोई टैंडर काल किए गए थे या नहीं, या किसी चहेते को यह टैंडर दिए गए हैं। इसके बारे में पूरी जानकारी हमें मिलनी चाहिए। अभी मैहम हल्के के श्री बलबीर सिंह जी ने बताया था कि अब भी उनके गांव में पानी खड़ा है। डॉ० बीरेन्द्र पाल जी के हल्के बेरी के कुछ गांव में पानी भरा पड़ा है। अध्यक्ष

[श्री मनी राम]

महोदय, उप-चुनाव के दौरान मुझे वहां पर जाने का मौका मिला था। वहां पर सरकण्डे, जो एक प्रकार की जंगली घास होती है, वह मौजूद थी। उस वक्त तक तो सफाई नहीं हुई थी बहिन कांता देवी जी बैठी हैं, ये अपनी ईमानदारी से बताएं कि वहां पर क्या स्थिति है ?

श्रीमती कांता देवी : अब वहां पर बाढ़ का पानी नहीं है।

श्री मनीराम : चौधरी बंसी लाल जी ने कहा था कि पानी टेल तक पहुंचा देंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि 40 लाख रु० में कौन-कौन सी नहर की सफाई हुई है। इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता हूं। लेकिन मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि मेरे हल्के डबवाली व जिला सिरसा को बिल्कुल नजर अंदाज कर दिया गया है। मेरे हल्के डबवाली में आसा खेड़ा, तेजा खेड़ा, डिस्ट्रीब्यूटरी, मिठनी माइनर, डबवाली डिस्ट्रीब्यूटरी पर तो एक पैसे का भी काम नहीं हुआ है। दूसरी तरफ ये कहते हैं कि पानी टेल तक पहुंचा दिया है। हमने गोदारा साहब से अपील की थी कि तेजा खेड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी की लोगों ने पौड़ तोड़ दी है उसको ठीक करवा दो लेकिन वह आज तक ठीक नहीं हुआ है। यह किस के इशारे से तोड़ी गई, मैं इस बारे में कुछ कहना नहीं चाहता हूं। लेकिन वह अभी तक ठीक नहीं हुई है। इस बारे में एस०ई० साहब को भी हुक्म दिया गया था। स्वास्थ्य विभाग के बारे में कहना चाहता हूं कि जब दिसम्बर, 1995 में एक बहुत बड़ा अग्निकांड हुआ था तो उसमें सैंकड़ों आदमी मारे गए थे। उस समय सरकार ने वायदा किया था कि 50 हजार रुपए प्रति व्यक्ति एक्स-ग्रेशिया के रूप में दिए जाएंगे। मैं यह जानना चाहता हूं कि भारत सरकार द्वारा मृतकों व गंभीर रूप से घायलों को कितनी राशि दी गई है। इस कांड में 120 व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गए थे जिन में से सरकार के वायदे के मुताबिक 50 हजार रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से 27 लोगों को प्रांट मिली है। बाकि अभी अस्पतालों में पड़े हैं कोई रोहतक मैडिकल कॉलेज में है, कोई कहीं और है। मेरे गांव चौटाला जिसकी आबादी 15 हजार है, में कोई भी लेडी डॉक्टर नहीं है। गोली वाला में भी कोई भी डॉक्टर नहीं है। इस गांव में पशु अस्पताल है लेकिन एक साल से वहां भी डॉक्टर नहीं है। डॉ० कमला वर्मा जी के पास हैल्थ विभाग था लेकिन कभी भी मंडी डबवाली में ये नहीं गई थीं। इनको तो यह भी नहीं पता है कि हम कितनी बार इनसे मिले हैं। जितनी बार भी हम इनको किसी कार्य के लिए मिले इन्होंने हमेशा ही हंस कर टाल दिया। (विघ्न) शहरी विकास के लिए 15 करोड़ रुपए जो रखे गए हैं, इससे कहां कहां विकास हो पाएगा। और आज ये विकास की बातें करते हैं। रामबिलास शर्मा जी के शिक्षा विभाग के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि बजट में इस मद में जो 200 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है, इससे क्या शिक्षा का विकास होगा? मेरे सिरसा जिला में 30 हाई स्कूल हैं और इन स्कूलों में हैड मास्टर नहीं हैं। मैंने महेन्द्रगढ़ के बारे में इनसे पूछा था तो उस समय आपने कह दिया कि प्रश्न काल खत्म होता है।

मैंने गोदारा साहब से पूछा था कि अम्बाला में ट्रेन के अन्दर जो बम फटा था उस बम काण्ड में मरने वाले लोगों के परिवारों को 50-50 हजार रुपए मुआवजा देने की घोषणा कर दी गई थी लेकिन उनको आज तक एक भी पैसा नहीं मिला है। क्या वह घोषणा केवल कागजों में ही हुई थी ?

श्री अध्यक्ष : मनी राम जी आप अपनी स्पीच समाप्त करें।

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, उनको मुआवजा देने की बात गोदारा साहब के बस की नहीं है। गोदारा साहब तो खेतीबाड़ी करने वाले आदमी हैं इसलिए इनको खेतीबाड़ी का महकमा देना चाहिए ताकि

किसानों का कल्याण हो जाए। इनके पास जो महकमा है वह चौधरी बंसी लाल को अपने पास ले लेना चाहिए। स्पीकर साहब, शराब कोई बिकवा रहा है और गोदारा साहब बदनाम हो रहे हैं। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री सत नारायण लाठर (जुलाना) : स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने जो बजट पेश किया है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। जो बजट पेश हुआ है यह बहुत ही लाभकारी बजट है। हरियाणा प्रदेश की सारी जनता ने इसको सराहा है। हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि शराबबंदी लागू करके 600 करोड़ रुपए का घाटा उठाने के बावजूद भी इस बजट में कोई टैक्स नहीं लगाया, सरकार का यह बहुत ही सराहनीय कदम है। स्पीकर साहब, उन लोगों के पेट में बड़ी भारी मरोड़ उठ रही है जिनकी शराब की फैक्ट्रियां बंद हो गई वे शराब के बहुत बड़े-बड़े व्यापारी थे। आज कहा जा रहा है कि हविपा भाजपा की गठबंधन वाली चौधरी बंसी लाल की सरकार शराब बिकवा रही है मैं इनको बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश के हर गांव में छोटी-छोटी दुकानों पर, प्रचून की दुकानों पर और सब्जी की दुकानों पर शराब कौन लाया था, * * * * * लाए थे। उस समय गांव के सरपंच को पर-बोतल के हिसाब से दो रुपए कमिशन मिलता था। स्पीकर साहब, उस समय केवल दो रुपए कमिशन के लिए शराब को बढ़ावा दिया गया। यह सारे का सारा श्रेय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और * * * * * को जाता है।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने आदरणीय देवीलाल जी का नाम लिया है वह सदन के सदस्य नहीं है इसलिए उनका नाम कार्यवाही से एक्सपंज होना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : ठीक है चौधरी देवी लाल जी का नाम एक्सपंज कर दिया जाए।

श्री सत नारायण लाठर : स्पीकर साहब, केवल दो रुपए कमिशन के लालच में गांवों की दुकानों पर शराब बेचने के लिए बढ़ावा दिया गया। हमारी माताएं और बहनें अगर किसी बच्चे को सब्जी लाने के लिए दुकान पर भेजती थीं तो वह बच्चा शराब पीकर आ जाता था। जब हम गांवों में चुनावों के दौरान वोट मांगने जाते थे तो माताएं और बहनें हमें कहा करती थीं कि क्या आप शराब बंद कर दोगे। स्पीकर साहब, हमारे माननीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने शराब बंद कर दी यह एक बहुत ही अच्छा कदम है। जो लोग शराब के तस्कर थे और जो शराब बेचने का काम करते थे उन्होंने हमारे खिलाफ भिवानी में जा कर एक रैली की है। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि उन लोगों के साथ हमारा कोई संबंध नहीं है और न हमारी पार्टी का उस बात से कोई संबंध है। हम इस तरह का काम नहीं करते। स्पीकर साहब, जहां तक कानून व्यवस्था की बात है आज चौधरी बंसी लाल जी के राज में हरियाणा प्रदेश का हर नागरिक सुरक्षित है। आज हरियाणा प्रदेश में कोई गुण्डागर्दी नहीं है। हरियाणा प्रदेश में आज बहन बेटियों की इज्जत सुरक्षित है। मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों के राज में तो बहन बेटी की इज्जत तो क्या भाई-भाई की इज्जत भी सुरक्षित नहीं थी। भाई अमीर सिंह को उनके घर से उठा लिया और उनकी हत्या कर दी गई। चौधरी भजन लाल जी के राज में भी बहन बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। अमीर सिंह मेरा दोस्त था, भाई था। इस बात का सबको पता है कि झज्जर का जो उप-चुनाव हुआ उसमें कोई किसी प्रकार की ऐसी बात नहीं हुई लेकिन इनके समय में बेहम के दो उप-चुनाव हुए थे।

सारी जनता इस बात को जानती है कि इनके राज में जो चुनाव हुए उसमें कत्ल हुए जबकि हमारे

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

[श्री सत नारायण लाठर]

राज में जो झज्जर का उप-चुनाव हुआ वहां पर एक चिड़िया तक नहीं मरी। यह हमारे लिए और प्रदेश के लोगों के लिए एक बड़े सौभाग्य की बात है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने बजट के ऊपर बहस में हिस्सा लेते हुए एक बात कही कि बंसी लाल जी के वक्त में जो बिजली, पानी की सुविधा सड़कें या नहरें बनाई गई उन के लिए केन्द्र से पैसा आता था। मैं पूछना चाहता हूं कि अब इनके पिता उप-प्रधानमंत्री थे और ये मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने पैसा क्यों नहीं भिजवाया ? इनके राज में भारत सरकार में पीने चार साल में एक पैसा नहीं आया। अब यहां से कांग्रेस के नेता चले गए। पिछली केन्द्र की सरकार में जो प्रधान मंत्री श्री नर सिम्हा राव थे, जिनको भजन लाल अपना पिता मानते थे और पंजाब के मुख्य मंत्री श्री बेअंत सिंह को ये अपना बड़ा भाई मानते थे तब भजन लाल जी केन्द्र से क्यों नहीं पैसा ले कर आये और विकास क्यों नहीं किया ?

विकास वही करता है जिसकी नीयत साफ होती है। चौधरी बंसी लाल जी ने प्रदेश का निर्माण किया है और लोग अब भी इनकी तरफ आशा भरी निगाह से देख रहे हैं। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला किसानों की बात करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इनके काफी नजदीक रहा हूं। मैं जानता हूं कि ये किसानों के कितने हितैषी रहे हैं। इनके राज में गन्ना खेतों में जलाया जाता था किसानों पर अंधाधुंध गोलियां चलाई जाती थीं और उनका कत्ल किया गया था। आज ये किस मुंह से किसानों की बात कर रहे हैं। मैं आपके माध्यम से एक बात और बताना चाहता हूं कि ड्रेनों की सफाई पहले कभी नहीं हुई, नहरों की सफाई कभी नहीं हुई और सड़कों की मुरम्मत कभी नहीं हुई। सड़कों के किनारे जो मिट्टी डाली जानी होती है वह नहीं डाली गई। जो पैसा इस काम के लिए होता था वह सारे का सारा इनके अधिकारियों की जेबों में और इनकी जेबों में चला जाता था। इनके समय में विकास की कोई बात नहीं थी। आज ये विकास की बात करें, तो समझ में नहीं आता। चौधरी बंसी लाल जी विकास की बात करें तो समझ में आने वाली बात है। इन्होंने तो सिवाय विनाश और बर्बादी के अलावा कोई काम नहीं किया। ये भाई तो जाट जाति का नारा देकर राजनीति करने में लगे रहते हैं। इन्होंने जाट जाति के गौरव को भी बिगाड़ दिया। (विघ्न) स्पीकर साहब, एक बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जीन्द जिले में ठोल मेरे हल्के का गांव है। जब ये मुख्य मंत्री थे तो वहां पर इन्होंने और इनके तत्कालीन चेलों ने वहां के डेरे की जमीन पर कब्जा किया था। आज ये कानून व्यवस्था की बात करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र ने लगातार चार बार विधान सभा के लिए विधायक चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की पार्टी का बनाया लेकिन वहां पर इनके वक्त की सरकार के दौरान या बाद में विकास के नाम पर इन्होंने एक रोड़ा भी नहीं लगाया, कहीं पर भी विकास नहीं किया। अतः अब मैं अपनी लोक प्रिय सरकार से चाहूंगा कि वहां के विकास की तरफ सरकार ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में पीछे भयंकर बाढ़ आई थी, वहां जो पक्के खाले बनाये गए थे, वे बाढ़ में टूट गए थे। वहां पर पीने के पानी की व्यवस्था ठीक नहीं है। मेरे हल्के का दुर्भाग्य यह भी रहा है कि वहां पर शिक्षा के विस्तार की तरफ बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया। शिक्षा के क्षेत्र में मेरा हल्का बहुत पिछड़ गया है। अब की बार वहां के लोगों ने विकास पार्टी का अपना विधायक चुना है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला तो जात-पात का नारा लगा कर राजनीति करते हैं। अब मैं अपनी सरकार से चाहूंगा कि हमारे हल्के में विकास के काम किए जाएं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से इस हाउस में एक बात कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के कुछ हमारे साथी यहां से उठ कर चले गए हैं। श्रीमान भजन लाल जी 12-13 साल हरियाणा के मुख्य मंत्री रहे। उनके कार्यकाल के कारनामें सबके सामने हैं वे इतने सीनियर मैम्बर हैं। चौटाला साहब ने भी बड़े-बड़े दावे किए थे। (विघ्न) अभी तो यह प्रोग्राम 21 तारीख तक चलना है। आपके जितने भी कारनामें हैं वह भी मैं

जानता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस बात की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इससे पहले जिन विधान सभा क्षेत्रों के साथ अब तक भेदभाव होता रहा है सरकार उन क्षेत्रों का विशेष ध्यान रखे और उनके विकास के लिए हर सम्भव प्रयास किए जाने चाहिएं ताकि वहां के लोगों को कुछ राहत मिल सके। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं इस बजट का बार-बार समर्थन करता हूं और इसकी सराहना करता हूं। हरियाणा की वर्तमान सरकार ने बहुत ही बढ़िया मौके पर यह बजट पेश किया है। हरियाणा सरकार ने इतना बढ़िया और काबिले तारीफ बजट पेश किया है तथा हरियाणा की जनता को करों के बोझ से बचाया है। मैं इस बजट का बहुत बहुत समर्थन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं इस सरकार को इतना अच्छा बजट पेश करने के लिए बधाई देता हूं। आपने मुझे बोलने का जो समय दिया है इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री चन्द्र भाटिया (फरीदाबाद) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं परम आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी और आदरणीय वित्त मंत्री जी ने जो राहत का बजट पेश किया है उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं तथा इस बजट का स्वागत करता हूं। हरियाणा की जनता को बजट पेश होने से पहले ये लोग गुमराह कर रहे थे कि लोगों को बजट आने से करों के बोझ से दबा दिया जाएगा। हमारे विपक्ष के लोग बजट आने से पहले लोगों को बहका कर गुमराह कर रहे थे कि बजट से उन पर करों का बोझ बढ़ जाएगा और लोगों को दबाया जाएगा परन्तु बजट के आने से उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हुई है। हमारे विपक्ष के साथी इस बात से निराश हैं कि जिन बातों से वे लोगों को बहका रहे थे बजट आने से वैसा कुछ नहीं हुआ है। जो बजट हरियाणा की जनता के सामने पेश किया गया है उससे जनता को राहत मिली है और हरियाणा की जनता खुद यह मानती है कि यह बजट पेश कर के सरकार ने उनकी इच्छा पूरी की है। सरकार ने बहुत ही शानदार और अच्छा बजट जनता के सामने रखा है इसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद करता हूं और जो बजट पेश हुआ है मैं उसका स्वागत भी करता हूं। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हरियाणा का चहुंमुखी विकास हो रहा है। हरियाणा का विकास इस बजट की मुख्य उपलब्धी है। हरियाणा के चहुंमुखी विकास के लिए नई योजनाएं बनाई गई हैं और उनमें विकास के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। अध्यक्ष महोदय, शराब बंदी के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि शराब बंदी होने से सरकारी राजस्व में कमी हुई है परन्तु इस घाटे के बावजूद भी विकास कार्यक्रमों में कोई कमी नहीं होने पाई है। हमारे विपक्ष के साथी कह रहे थे कि 600 करोड़ रुपये का घाटा पूरा करने के लिए जनता पर नये कर लगाए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथी यहां पर कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार की बातें भी कह रहे थे। इसके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि इन लोगों की भी अपनी सरकारें रही हैं और क्या माननीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और चौधरी भजन लाल जी अपने राज्य का समय भूल गए हैं ? किस प्रकार से इन्होंने लोगों पर जुल्म और अत्याचार किए थे ये लोग वह सब भूल चुके हैं। इन्हें यह भूल गया है कि जब कोई व्यक्ति अपनी बात कहने के लिए इनके पास जाता था, सरकार की गलत नीतियों को उजागर करता था और उन्हें जनता के सामने लाता था तो उसके ऊपर झूठे मुकद्दमें बनाए जाते थे। (विघ्न)

बैठक का समय बढ़ाना

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि हाउस का समय एक घंटे के लिए बढ़ा लिया जाए।

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : हाउस का समय एक घंटा बढ़ाया जाता है।

वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि लोगों पर झूठे मुकद्दमें पिछली सरकारों के वक्त बनते थे। हरियाणा के हितों और विकास की इन्हें कोई चिन्ता नहीं होती थी बल्कि ये लोगों को फंसाने से पीछे नहीं हटते थे। आज ये कानून व्यवस्था की बात कर रहे थे, भ्रष्टाचार की बात कर रहे थे। ये खुद इस बात को मानते हैं कि चौधरी बंसी लाल के नेतृत्व में विकास हुआ है। हरियाणा में बिजली और सड़कें भी चौधरी बंसी लाल जी की ही देन है। इनसे पहले जो लोग सत्ता में रहे, जिन्होंने राज किया था तो इनके खिलाफ जो लोग बोलते थे, ये उन लोगों के उपर झूठे मुकद्दमें बना देते थे। अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी ने भी बताया कि श्री भजन लाल ने उनके उपर झूठा मुकद्दमा बनाया था, इसी तरह से नरदेव और ओम प्रकाश जिन्दल हैं जिनके ऊपर झूठा मुकद्दमा बनाया गया था। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात करता हूं कि जब ओम प्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री थे तो उस वक्त इनके गलत कामों के खिलाफ हमारे लोग आवाज उठाते थे तो ये उनके खिलाफ और मेरे खिलाफ झूठे मुकद्दमें बना देते थे। इनके वक्त में तो मेरे खिलाफ 28 मुकद्दमें बनाए गए थे। (विघ्न) चौधरी भजन लाल जी के वक्त में भी जब हमने उनके गलत कामों के प्रति आवाज उठाई तो उन्होंने भी यही किया है। इन सब ने लोगों की आवाज उठने नहीं दी और जो भी इनके खिलाफ आवाज उठाता था उसके खिलाफ झूठे मुकद्दमें बना देते थे। अध्यक्ष महोदय, आज जो ये लोग हरियाणा के अन्दर हरियाणा के हितों की बात करते हैं तो इनके बारे में आज किसी से कुछ छिपा हुआ नहीं है। इनके कामों के बारे में सब जानते हैं कि इन्होंने क्या क्या किया है। भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था की जो हालत इनके समय में थी वह सब जानते हैं। आज चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में अच्छे काम हुए हैं और हो रहे हैं जो कि ये देख नहीं सकते। इनको डर है कि अगर ये इसी तरह से अच्छे काम करते रहे तो कहीं जनता ने जितने इनके मैम्बर चुन कर आज भेजे हैं उनसे भी सफाया न हो जाए। अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है उसके लिए मैं अपनी तरफ से और हरियाणा की जनता की तरफ से इनका धन्यवाद करता हूं। इन्होंने जो ट्रैक्टर पर टैक्स कम किया है और साईकल रिक्शा पर चार प्रतिशत टैक्स माफ किया है, उससे गरीबों को बहुत सहायता मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने क्षेत्र के बारे में कहना चाहता हूं। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में कई कालोनियां लगती हैं। मेरे हल्के में एक डबूआ कालोनी है उसमें डिवैल्पमैंट चार्जिज 60 रुपए लगते हैं और उसके साथ ही एक जवाहर कालोनी है उसमें 11.40 पैसे डिवैल्पमैंट चार्जिज लगते हैं। चुनावों से पहले जब मुख्यमंत्री जी वहां पर आए थे और प्रो० राम बिलास शर्मा जी भी वहां पर आए थे मैंने इनसे कहा था कि डबूआ में भी 60 रुपये डिवैल्पमैंट चार्जिज की जगह पर 11.40 पैसे होने चाहिएं। मैं आपके द्वारा मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि पिछली सरकारों से इस बारे में कहा भी था लेकिन वे डिवैल्पमैंट चार्जिज साठ रुपये से कम नहीं किए और आज भी वहां पर साठ रुपये ही डिवैल्पमैंट चार्जिज लग रहे हैं। इसलिए मुख्यमंत्री जी से मेरी प्रार्थना है कि वे यह डिवैल्पमैंट चार्जिज साठ रुपये से कम करके 11.40 पैसे करें। अध्यक्ष महोदय, हमारे फरीदाबाद के अंदर बाटा का फुटाई ओवर बनना था जिसके बारे में चौधरी भजनलाल जी ने भी वहां से लोकसभा का इलैक्शन लड़ते वक्त आश्वासन दिया था। इन्होंने उस समय कहा था कि अगर मैं वहां से चुनाव जीत

गया तो मैं यह फ्लाई ओवर बनवाऊंगा। अध्यक्ष महोदय, इस पुल के न होने की वजह से वहां के लोगों को जो रोजाना डियूटी पर जाते हैं काफी दिक्कत होती है। भजनलाल जी वहां से चुनाव तो जीत गए और चुनाव जीतने के बाद ये वहां पर गए भी लेकिन ये उस पुल को बनवा नहीं सके। इन्होंने वहां पर उसका पत्थर तो लगाया था लेकिन दो साल बाद लोगों ने वह पत्थर भी तोड़ दिया। उस पत्थर में कहीं भी रह गया और कहीं जा रह गया। लोग उसको तोड़कर अपनी-अपनी झुग्गियों में ले गए। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो केवल पत्थर ही लगाए। इसके अलावा इन्होंने फरीदाबाद के अंदर कोई विकास का काम नहीं किया। मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि वहां पर आटा का फ्लाई ओवर जरूर बनाया जाए। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में पानी की भी समस्या है। कई जगहों पर तो लोगों के यहां पर पानी पहुंचता ही नहीं है। मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि हमारे यहां पर जो रैनोवल योजना है जिस पर काफी पैसा लग चुका है और अब केवल थोड़ा ही काम रह गया है, को जल्दी ही पूरा करवाया जाए ताकि फरीदाबाद के अंदर पानी की समस्या का समाधान हो सके। इस बारे में सरकार को जरूर उपाय करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, एक बात और मैं कहना चाहूंगा। इस बारे में हमने पहले भी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना की थी कि फरीदाबाद के अंदर बरसात के दिनों में पानी भर जाता था क्योंकि वहां के नालों की सफाई नहीं होती थी। मेरे अपने क्षेत्र के अंदर न्यू जनता कालोनी में हर साल बरसात के दिनों में पानी भरता था और लोगों को इस कारण अपने-अपने मकानों को छोड़कर जाना पड़ता था लेकिन जब हमने मुख्यमंत्री जी से इस बारे में प्रार्थना की तो उन्होंने पहली बार में ही इस बारे में आदेश दिए और जब इस बार बरसात हुई तो नालों की सफाई के कारण वहां पर पानी नहीं भरा। आज वहां पर बरसात के समय में लोगों के घरों में पानी नहीं जाता और लोग वहां आराम से रह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरीके से मैं शराबबंदी के बारे में कहना चाहूंगा। आज शराबबंदी के बारे में जो हमारे विपक्ष के साथी कह रहे हैं कि शराब जगह जगह बिक रही है लेकिन अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी ने जो हरियाणा की जनता से चुनावों के दौरान वायदा किया था, आज वह इन्होंने पूरा करके दिखाया है। जिस तरह से ये लोग बता रहे हैं कि हरियाणा के अंदर आज पहले से भी पांच गुनी शराब ज्यादा सप्लाई हो रही है तो ये वही लोग बोल रहे हैं जिन्होंने हरियाणा की भलाई के बारे में कभी नहीं सोचा। जिनकी कभी भी शराबबंदी करने की हिम्मत नहीं होती थी लेकिन चौधरी बंसीलाल जी की सरकार ने शराब बंद करके दिखा दी है जिसकी वजह से हरियाणा के लोग आज प्रसन्न हो रहे हैं और चौधरी बंसीलाल जी की वाह वाह कर रहे हैं। हरियाणा के लोग बंसीलाल जी के इस काम को सारी उम्र नहीं भूल सकते। अध्यक्ष महोदय, शराबबंदी की आलोचना करने वाले वे लोग हैं जो कभी इसको बंद करने की हिम्मत नहीं बांध पाते थे कि हम शराब बंद करेंगे। लेकिन बंसीलाल जी ने यह बहुत ही बड़ा काम किया है। जिसकी प्रशंसा ये लोग सुन नहीं सकते। अगर गांवों के अंदर हमारे ये विपक्ष के साथी जाते होंगे तो इनको पता होगा कि वे लोग चौधरी बंसीलाल जी की बढ़ाई करते होंगे। लेकिन ये इस बात को सहन नहीं कर सकते। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहकर इतना ही कहना चाहूंगा कि हमारे आदरणीय बंसीलाल जी ने और वित्त मंत्री जी ने जो राहत देने वाला बजट यहां पेश किया है, मैं उसका स्वागत करता हूं और उसका समर्थन करता हूं।

श्री सिरी कृष्ण हुड्डा (किलोई) : स्पीकर सर, आपका धन्यवाद। यह जो 1997-98 का बजट वित्त मंत्री जी ने पेश किया है मैं उसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं क्योंकि जब मैंने यह बजट दो तीन बार पढ़ा तो मुझे लगा कि यह सारे का सारा भाषण ही है और यह बजट विकास रहित है। 1996-97 में 1372 करोड़ रुपया वार्षिक योजना के लिए रखा गया था जबकि इस बार यह 1575

[श्री सिरी कृष्ण हुड्डा]

करोड़ रुपया रखा गया है जो कि पिछले साल की तुलना में सिर्फ 15 प्रतिशत ज्यादा है। समय के साथ-साथ आज महंगाई बहुत बढ़ गई है। इस विकास के लिए कोई पैसा ही नहीं बचेगा तो कैसे काम चलेगा। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। यहां की सारी अर्थ व्यवस्था कृषि पर आधारित है। बजट में कृषि को बढ़ावा देने के लिए सिर्फ 13.5 करोड़ रुपया रखा गया है जब कि बीज, खाद, कीटनाशक आदि दवाइयों के भाव लगातार बढ़ रहे हैं ऐसी दशा में किसान के लिए आर्थिक रूप से टिक पाना मुश्किल हो गया है। किसान को गेहूं पर जो बोनस दिया जाता है वह काफी कम है। मैं सरकार से किसानों को 100 रुपये अधिक बोनस देने का अनुरोध करूंगा। इसी प्रकार ग्रामीण विकास के लिए 57 करोड़ रुपये रखे गए हैं जो कि 13.6 प्रतिशत बनता है। यह बहुत कम है। हरियाणा प्रदेश के ज्यादातर लोग गांवों में रहते हैं इसलिए यह राशि बढ़ाई जाए। इस राशि से तो मामूली विकास ही हो पाएगा। एस०वाई०एल० हरियाणा प्रदेश के लिए एक अहम मुद्दा है इसके बारे में बजट में कोई चर्चा नहीं की गई है। हमारे प्रदेश के किसानों की पंजाब के किसान के मुकाबले में खेती भी कम है, पानी भी कम है, बिजली भी कम है। पानी के लिए एस०वाई० एल० के बारे में कोई ठोस कदम उठाया जाए। बजट में कहा गया है कि जनवरी, 1997 तक 74 किलोमीटर लम्बी नई सड़कों का निर्माण किया गया एवं 213 किलोमीटर सड़कों को सुदृढ़ और चौड़ा किया गया। जबकि 1997-98 में केवल 90 किलोमीटर सड़कें बनाने के लिए बजट में दर्शाया गया है। हरियाणा प्रदेश में 90 हल्के हैं। अगर एक साल के अंदर 90 किलोमीटर सड़कें बनाई जाएंगी तो एक हल्के के हिस्से में एक किलोमीटर सड़क आएगी। वह तो ऊंट के मुंह में जीरा वाली कहावत सिद्ध होगी। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं मेरे हल्के के लोगों की जो समस्याएं हैं, उन्हें मुख्यमंत्री जी के सम्मुख रखना चाहता हूं। ड्रेन नं० 8 गोहाना से निकलती है उसकी जब सफाई होती है तो उसकी सारी मिट्टी जो उसकी पूर्व की पटरी है उस पर पड़ती है। खेड़ी, खिड़वाली, खुसकाली, टटौली और सिंगपुरा के आगे जाकर जो कलानौर के गांव हैं इस ड्रेन के पास हैं, उस साइड की पटरी काफी कमजोर है। मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि उस साइड की कमजोर पटरी को मजबूत किया जाए ताकि उस साइड के गांव फलड से बच सकें। इसी प्रकार किलोई गांव है वहां पिछले 4-5 साल से काफी एकड़ भूमि में आज भी बुवाई नहीं हो पा रही है। उस भूमि से पानी निकलवाने की कोई स्कीम बनाई जाये। आगे जो बरसात आएगी उसमें वहां ड्रेन का काम कराया जाए ताकि उस एरिया के लोग बाढ़ से बच सकें। इसी प्रकार से मेरे हल्के के धामड़, लाढौत, चिड़ी, नांदण, धडावठी गांवों में बाढ़ बहुत आती है। चिड़ी गांव में आज भी काफी एकड़ बिजाई नहीं हो रही है इसलिए चिड़ी गांव के लिए कोई नयी ड्रेन की स्कीम बनाई जाए। खिलवाड़ी ड्रेन का पानी ड्रेन नं० 8 में गिरता है। इस ड्रेन के सिर्फ 20 किल्ले ही बचे हुए हैं जिनकी खुदाई नहीं हो पाई है मैं मुख्यमंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि उसकी खुदाई पर कोई कार्यवाही की जाए। इसी तरह से शराब के बारे में इस बजट में कहा गया है। शराब बंदी का मामला आज एक खिलौना बन कर रह गया है। आज शराब बंदी के नाम पर पुलिस और तस्कर के बीच में एक खेल खेला जा रहा है। प्रदेश के अन्दर 20-25 साल की उम्र के सारे के सारे लड़के इस अपराधीकरण के जाल में फंस रहे हैं और शराब की तस्करी कर रहे हैं। मुझे डर है कि यह एक गम्भीर मामला न बन जाए और सरकार को इस बारे में सोचना चाहिये। अगर यह काम ऐसे ही चलता रहा तो कहीं हरियाणा प्रदेश भी पंजाब और कश्मीर की तरह अपराधीकरण का अड्डा न बन जाये तथा हरियाणा इन दोनों प्रदेशों से अपराधीकरण में आगे न चला जाये। हरियाणा में शराबबंदी करके इस सरकार ने एक अच्छा काम किया है परन्तु सरकार को चाहिये कि इसको सख्ती से लागू करे। आज शराववंदी का मामला पुलिस अफसरों के और पोलिटिकल

आदमियों के बीच एक खिलौना बन कर रह गया है। शराब बंदी के मामले से प्रदेश में अपराधीकरण इतना बढ़ जायेगा। कि आने वाली संतानों को बर्बाद कर देगा, इससे हरियाणा का काफी नुकसान हो जायेगा। मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से नम्र निवेदन करूंगा कि शराबबंदी को लागू करने के लिए सख्त कदम उठाये जायें क्योंकि हरियाणा एक शांतिप्रिय प्रदेश है यहां अपराधीकरण न बढ़ने पाये। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे आपने बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : जो नये विधायक आये हैं उनको तो बोलने का मौका दिया जाये।

श्रीमती कान्ता देवी (झज्जर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। उपाध्यक्ष महोदय, आज मैं वित्त मंत्री द्वारा पेश किये गये बजट के समर्थन में बोलने के लिए खड़ी हुई हूं। हरियाणा की जनता को बहुत आशंकाएं थी कि हमारी सरकार हम पर कुछ नये टैक्स जरूर लगायेगी क्योंकि हमारी सरकार को शराब बंदी लागू करके 600 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। यह घाटा हम नये टैक्स लगाकर पूरे करेंगे। लेकिन आज मुझे कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारी सरकार ने हमारी जनता पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी हविपा-भाजपा गठबन्धन सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में इस सरकार की बागडोर संभाली है और आज हरियाणा प्रदेश विकास की नई ऊंचाईयों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी किसानों के हितैषी हैं यह बात जनता को पता चल गई है क्योंकि कृषि क्षेत्र में किसानों को राहत देने के लिए ट्रैक्टर टायरों की बिक्री पर कर दस प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस सरकार ने धूप और अगरबत्ती को भी कर में पूरी छूट दे दी है जो पहले दस प्रतिशत था। गरीबों को राहत देने के लिए रिक्शा और साईकिल की बिक्री को कर में पूरी छूट दे दी है। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हाथ से बने कागज को भी कर मुक्त रखा गया है। यह बजट इस तरह बनाया गया है कि इससे अच्छा बजट और हो ही नहीं सकता। उपाध्यक्ष महोदय, मैं तीन-चार दिन से सुन रही हूं कि हमारे विरोधी भाई एक बात किये जा रहे हैं कि हमारी सरकार द्वारा लागू शराबबंदी असफल रही है लेकिन आज मैं यह डंके की चोट पर कह सकती हूं कि हमारी सरकार का शराबबंदी कार्यक्रम पूरी तरह सफल हुआ है और शराबबंदी प्रोग्राम से सभी वर्गों में विशेषकर महिलाओं, हमारी माताओं और बहनों को काफी राहत मिली है क्योंकि पहले जिनके घरों में शराब के कारण बच्चों की फीस तक नहीं दी जाती थी आज उन घरों में खुशहाली आई है। मैं यह नहीं कहती कि शराब पूरी तरह बंद हो गई है। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, आप यह तो जानते ही हैं कि कोई भी कार्यक्रम सैंट परसैंट तो बंद नहीं हो सकता। शराबबंदी को पूरी तरह लागू करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 14 करोड़ 99 लाख का प्रावधान किया है। उपाध्यक्ष महोदय, किसी भी राज्य के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए बिजली की बहुत जरूरत होती है। हरियाणा बिजली बोर्ड की कार्य प्रणाली को सुधारने के लिए सुधारीकरण कार्यक्रम भी शुरू किया गया है। राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को कुल उपलब्ध बिजली का 50 प्रतिशत सस्ती दरों पर मुहैया कराने के लिए वचनबद्ध है। हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड राज्य में नए बिजली उत्पादन संयंत्र लगाने का प्रयास कर रहा है ताकि बिजली की बढ़ती हुई मांग को पूरा किया जा सके। इसके लिए अल्पकालिक उपाय के रूप में बोर्ड ने बिजली उत्पादन में निजी क्षेत्र को आमंत्रित किया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह सरकार अपने कार्यक्रमों में कितनी सफल हुई है, इसका जीता जागता प्रमाण इस बात से मिलता है कि मेरे पिता जी झज्जर का चुनाव 6 हजार वोटों से जीते थे लेकिन वहां की जनता ने आज मुझे 26039 वोटों से जिताकर इस सदन में भेजा है। (थंपिंग) उपाध्यक्ष महोदय, झज्जर क्षेत्र के लिए मुख्य मंत्री महोदय ने बहुत कुछ किया है। पहले वहां पर खारा पानी मिलता था लेकिन आज वहां पर मीठा पानी उपलब्ध है। मेरे विधान सभा क्षेत्र

[श्रीमती कान्ता देवी]

में पहले सड़कों का बहुत बुरा हाल था जिससे कि जाम वगैरह लग जाता था। आज वहां पर स्थिति में काफी सुधार आया है तथा सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, कल चौधरी भजन लाल जी ने कहा था कि झज्जर में विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं लगी है। लेकिन मैं कहना चाहती हूं कि मेरे हल्के में अच्छी तरह से विकास कार्य चल रहा है। प्रत्येक गांव में सरकार की तरफ से दी गई अनुदान राशि से विकास कार्य चल रहे हैं। किसी गांव में हरिजन चौपाल, किसी गांव में गली बनाने का काम तथा किसी गांव में सिलाई कटाई केन्द्र इत्यादि चल रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहती हूं कि हमारी सरकार हर मोर्चे पर सफल सिद्ध हुई है। अभी तो हमारी सरकार को सत्ता में आए हुए केवल 8 महीने ही हुए हैं। अभी तक तो हमारे मुख्यमंत्री महोदय, राज्य में विकास हेतु गाड़ी को खींचतान कर पटरी पर लाए हैं जिसे पिछली सरकारों ने गहरे गड्ढों में डाल दिया था। हमारी सरकार की गाड़ी चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में चल नहीं रही है बल्कि शताब्दी एक्सप्रैस की तरह दौड़ रही है। कोई भी कार्य सरकार के दृढ़ संकल्प व दृढ़ निश्चय से तथा अच्छी भावना से होता है जो कि चौधरी बंसी लाल जी में कूट कूट कर भरा हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं।

श्री उपाध्यक्ष : अगर कोई विधायक, जब से सैशन आरम्भ हुआ है, एक भी बार नहीं बोला है, वह अपने नाम की स्लिप मेरे पास भेज दे। उनको 5-5 मिनट बोलने के लिए दिए जाएंगे।

श्री राजकुमार सैनी (नारायणगढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर हो रही चर्चा में भाग लेने के लिए मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। 12 मार्च, जिस दिन बजट पेश किया गया, उसी दिन से विपक्ष के सदस्य घंटों घंटों बोल कर चर्चा में भाग ले चुके हैं और इस चर्चा में जो कुछ भी उन्होंने बोला है, उसका कोई मतलब भी नहीं निकलता है क्योंकि बजट पर चर्चा करते हुए यदि वे तथ्य देते तो शायद उनकी कोई बात हरियाणा की जनता के सामने जाती और वे लोगों को अच्छे लगते। ये तो सिर्फ इस प्रकार से चर्चा में भाग ले रहे हैं जैसे कि एक मास्टर था, वह बिल्कुल निकम्मा था तथा कभी भी बच्चों को नहीं पढ़ाता था। जब परीक्षा नजदीक आई तो मास्टर जी पहले उनका परीक्षण लेने लगा कि देखें बच्चों के अंदर कितना टेलेंट है। उसने बैठकर के बच्चों से सबसे पहले एक सवाल किया। उसने कहा कि मैंने आपसे इन 11 महीनों में काफी सवाल किए हैं, अब कुछ सवाल आपसे करने हैं कि आप क्या जानते हैं। एक बच्चे ने मास्टर जी से कहा कि मास्टर जी एक कीड़ी थी उसके पीछे कितनी कितनी किड़ियां थीं उसके पीछे जितनी किड़ियां थीं उसको जर्ब करके बताओ कुल कितनी किड़ियां थीं तो इस सवाल को सुन कर मास्टर जी का सिर चकरा गया और उसने सोचा कि कितनी किड़ियां हो सकती हैं। उसने उसका काफी सोच विचार किया लेकिन उसकी समझ में कुछ नहीं आया फिर उसने बच्चों से ही पूछ लिया कि आप ही बताएं कि कितनी किड़ियां थीं। बच्चे कहने लगे कि किड़ियां तो थी ही नहीं तो मेरे विरोधी पक्ष के भाई इस तरह की बात करते हैं। इस लोकप्रिय सरकार ने यह लोकहित का बजट पेश किया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों के पास बजट के बारे में बोलने के लिए कोई किसी प्रकार का क्वैश्चन ही नहीं है। ये ऐसी ऐसी बेमतलब की बातें कह रहे हैं जिनका कोई मतलब ही नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी चौधरी बंसी लाल जी की लोकप्रिय सरकार ने शराबबंदी लागू करने के कारण 600 करोड़ रुपये का घाटा होते हुए भी यह कर रहित बजट पेश किया है। यह हमारी सरकार का एक बहुत ही सहरानीय कदम है। हमारे विरोधी पक्ष के भाईयों ने हर गांव के गली कुचे में एक ऐसा हव्वा खड़ा किया हुआ था जिसके बारे में लोग सोचते थे कि पता नहीं 31 मार्च को पेश होने

वाले बजट में कितने टैक्स लगेंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली के बारे में मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों ने पिछले 6-7 दिन से हाहाकार मचा रखा है। मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि अगर हम बिजली के बारे में किसी प्रकार का कोई चिन्तन नहीं करते तो 20 साल पहले चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में बिजली के उत्पादन के लिए जो चार थर्मल प्लांट लगाए थे, उन 20 सालों के बीच में किसी भी सरकार ने बिजली के उत्पादन के लिए कोई भी थर्मल प्लांट नहीं लगाया। अगर किसी सरकार ने थर्मल प्लांट लगा दिए होते तो आज बिजली की यह हालत नहीं होती। अब हमारी इस सरकार ने बाहर की तीन कम्पनियों के साथ एग्रीमेंट करके बिजली के उत्पादन के लिए थर्मल पावर प्लांट लगाने शुरू किए हैं उसके बारे में भी विरोधी पक्ष के भाईयों ने कह दिया कि यह सरकार बिजली का निजीकरण करने जा रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने इस बात को सामने रखा है कि हम बिजली का सुधारीकरण करेंगे। इस सरकार को बने हुए अभी 9 महीने ही हुए हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, 9 महीने में तो जन्म ही होता है और जन्म के समय में जवानी के दिन याद करना कोई खेल नहीं है। जब तक यह सरकार जवान होगी तब आप देखना आप इस तरह की बात कहने के लायक नहीं रहेंगे। फिर हम आपको बता देंगे कि हमारी सरकार ने क्या-क्या विकास किया है। मैं अपने विपक्ष के साथियों को बताना चाहूंगा कि हम विकास की गति बढ़ाएंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे हल्के में 56 गांव हैं। मेरे हल्के की नदियों की सफाई कराई गई है। ऐसा नहीं है कि जैसे पिछली सरकार ने बाढ़ से राहत दिलाने के लिए नहरों की सफाई के लिए जो 5 या 10 लाख रुपया दिया वह बरसात के दिनों में दिया उस पैसे की गलत बिलिंग करके वह पैसा इन्होंने और इनके उस समय के ओफिसर्ज ने अपनी अपनी जेबों में डाल लिया। आज ऐसा नहीं है। नहरों की सफाई का काम जो 30 जून तक कम्पलीट होगा पहले तो उसको विजिलैंस विभाग वाले मापेंगे। अगर कोई ठेकेदार 30 जून तक काम कम्पलीट नहीं कर पाएगा तो उसकी पेमेंट नहीं होगी। डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने करप्शन का हमारी सरकार पर एक आरोप लगा दिया। करप्शन के बारे में मैं बताना चाहूंगा। हमारी सरकार का यह फैसला है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी करप्शन के साथ जुड़ा पाया जाएगा तो उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने ट्रैक्टरों के टायरों पर कर में छूट दी है। अगरबत्ती और धूपबत्ती पर भी छूट दी है। उसके बदले 19.00 बजे में कोई टैक्स नहीं लगाया। विपक्ष इस बात का शोर मचा रहा है कि यहां पर कुछ काम ठीक नहीं हो रहा। ये लोग सिवाय मनियार का ढोल पीटने के और कुछ नहीं करते। जिस तरह का बजट इस सरकार ने पेश किया है ऐसा बजट आज तक किसी सरकार ने नहीं किया। जो इन लोगों ने जनता में यह भय फैलाया हुआ था कि पता नहीं सरकार कितने टैक्स लगायेगी, जिससे इन्होंने जनता में हा हाकार मचवा दिया था वह सब इस बजट में पेश होने पर जनता ने देख लिया। अब जनता बजट के समर्थन में जय जय कार के नारे लगा रही है, यह हमारे जनमानस को भी पता है। मैं अपने साथियों को यह बात बताना चाहता हूं कि विपक्ष, सरकार द्वारा शराब बंदी के बारे में बड़ा शोर मचा रहा था। मैं सदन में बताना चाहूंगा कि मैंने अपने हल्के के 4 सजपा के लोगों को शराब का काम करने के सिलसिले में गिरफ्तार करवाया है। उनका सारे नारायणगढ़ में जलूस निकाला गया। इन लोगों ने मेरे खिलाफ एक मैमोरेंडम नारायणगढ़ के एस०डी०एम०को दिया, जो कि आज भी उनके पास मौजूद है। उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है उसका मैं अपनी तरफ से तथा अपने हल्के की जनता की तरफ से समर्थन करता हूं। अंत में मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

श्री राम जी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, अभी इन्होंने बोलते हुए कहा कि सजपा के चार लोगों को शराब का काम करते हुए पकड़वाया है। इस संबंध में मैं कहना चाहूंगा कि यदि सजपा का एक भी आदमी इस काम में पकड़ा गया हो तो मैं विधान सभा से इस्तीफा दे दूंगा या ये दे दें। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठें अब श्री मेहता जी बोलेंगे।

श्री भीम सेन मेहता (इन्द्री) : उपाध्यक्ष महोदय मैं बजट पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दिया। हमारी सरकार ने वर्ष 1997-98 का जो बजट हरियाणा की जनता के सामने पेश किया है वह सारे का सारा हरियाणा की जनता के हित में है। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि हरियाणा सरकार के पास आज पैसे कि कितनी कमी है। इतनी आर्थिक तंगी के बावजूद भी हमारी सरकार ने अपने बजट में किसी पर कोई नया कर नहीं लगाया। मैं तो यही कहूंगा कि इससे अच्छा बजट हो ही नहीं सकता। मैं इस बजट के लिए अपने मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं और इस बजट का समर्थन करता हूं। यह बजट किसान के हित के लिए पेश किया गया है। आपने देखा होगा कि सरकार ने किसानों के यंत्र, ट्रैक्टर के टायरों पर सेल्ज टैक्स में कमी करके एक बहुत ही अच्छा काम किया है। इसी प्रकार से रिक्शा चालकों को भी सुविधा दी गई है। इन कामों के लिए मैं वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के इन्द्री की समस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। वहां पर पिछले 15-20 सालों से विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं लगी और न ही वहां पर विकास के काम के लिए कोई विशेष ध्यान दिया गया। मेरे हल्के में शिक्षा के प्रति भी बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया। वहां पर कोई स्कूल मिडल से हाई और हाई से प्लस दो का नहीं बनाया गया। न ही वहां पर कोई कालेज है, जिससे युवा पीढ़ी के बच्चे शिक्षा प्राप्त कर सकें। हरियाणा के अन्दर सरकार की नीति है कि लड़कियों के लिए मुफ्त शिक्षा दी जाये लेकिन जब वहां पर कालेज ही नहीं तो लड़कियां शिक्षा कैसे प्राप्त कर सकें। उनके मां बाप घर से ज्यादा दूर उनको भेजना ठीक नहीं समझते जिस कारण वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं। हमारे इलाके में वहां से 25-30 किलोमीटर के फासले पर एक कालेज है।(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) माननीय मुख्य मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि वे स्पैशली मेरे हल्के इन्द्री की तरफ विशेष ध्यान देने की कृपा करें। पिछले 15-20 साल की अवधि में वहां पर कोई विकास का कार्य नहीं हुआ है और वहां पर कोई भी कालेज नहीं खोला गया है। कोई भी अच्छी शिक्षा संस्थान वहां पर नहीं है। कोई भी आई०टी०आई०, जे०बी०टी० सैंटर हमें वहां पर नहीं मिला है। इसलिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि मेरे हल्के में कोई जे०बी०टी० तथा आई०टी०आई० खोलने की कृपा करें ताकि वहां के लोगों को भी कुछ व्यावसायिक शिक्षा मिल सके। मेरे हल्के इन्द्री के गांव खेड़ा में श्री सोमनाथ के नाम से पिछली सरकार ने यह घोषणा की थी कि एक हाई स्कूल खोला जाएगा लेकिन आज तक वह हाई स्कूल वहां पर नहीं खोला गया है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि वहां पर जल्दी ही एक हाई स्कूल खोला जाए। जहां तक सड़कों की हालत का सम्बन्ध है, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि हल्के इन्द्री में सभी सड़कें टूटी पड़ी हैं और उनकी हालत काफी खस्ता है इसलिए मेरी प्रार्थना है कि सड़कों की मुरम्मत जल्दी ही करवाने की कृपा करें। डब्ल्यू० जे० सी० पर दो पुल सरकार ने बनाने के लिए मन्जूर किये हैं लेकिन अभी तक उन पर काम शुरू नहीं हुआ है, इन पुलों को भी शीघ्र ही बनवाया जाए ऐसा मेरा निवेदन है। अध्यक्ष महोदय, हमारे शहर के अन्दर बस स्टैंड हैं। शहरवासियों की समस्या यह है कि जो बस स्टैंड शैड बना हुआ है वहां तक कोई भी बस नहीं जाती है। जो भी बसें वहां आती हैं वे शहर के अन्दर बस स्टैंड तक नहीं जाती हैं और बाहर से ही चली जाती हैं। बसें बस स्टैंड से बाहर रुकती हैं और वहां प्रौपर जगह न होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। वहां पर दुर्घटनाओं से बचने के लिए भी यह जरूरी है कि बसें बस स्टैंड के अन्दर जाएं ताकि लोगों को बस स्टैंड का भी फायदा हो। सरकार द्वारा ऐसे निर्देश चालकों को दिए जाएं

कि वे बसें बस स्टैंड के अन्दर ले जाया करें ताकि लोग उससे फायदा उठा सकें (घंटी) अध्यक्ष महोदय, शराब बंदी के बारे में विपक्ष के साथियों ने काफी कुछ कहा है। कोई भी सरकार या कोई भी मुख्य मंत्री आए या कोई भी व्यक्ति मुख्य मंत्री बने वह इस प्रकार का कानून ही बना सकता है और वह कानून लोगों को दे सकता है लेकिन उस कानून की पालना तो लोगों ने ही करनी होती है। हमारे विपक्षी माननीय साथियों को खुल कर यह कहना चाहिए कि क्या वे इस शराब बन्दी को मानते हैं या नहीं मानते हैं। उन्हें लोगों के बीच में इस बात को स्वीकार करना चाहिए। अगर वे लोगों का भला चाहते हैं तो विपक्ष के भाईयों को चाहिए कि वे सरकार को इस मामले में सहयोग दें। अगर इनका सहयोग सरकार को मिलता है तो शराब बन्दी में 100 प्रतिशत कामयाबी मिल सकती है और वहां पर कम्पलीट शराब बन्दी लागू हो सकती है, शराब जैसी लानत हमेशा के लिए हरियाणा से खत्म हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं इस बजट का स्वागत करते हुए, इस शानदार बजट को पेश करने के लिए सरकार को बधाई देते हुए इसका पूर्ण समर्थन करता हूं। आपने मुझे इस बजट पर बोलने के लिए जो समय दिया है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री नरेन्द्र सिंह (बाढड़ा) : अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1997-98 के बजट पर बोलने के लिए आपने मुझे समय दिया उसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। 12 मार्च, 1997 को माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है मैंने उसका पूरी तरह से अवलोकन किया है। मैं अपनी तरफ से यह कह सकता हूं कि यह बजट हरियाणा प्रदेश के हर वर्ग के लिए उचित तथा बहुत ही बढ़िया है जिसके लिए वित्त मंत्री बधाई के पात्र हैं। इस बजट में कोई भी नया कर नहीं लगाया गया है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि हमारा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है और विशेष रूप से कृषि के लिए सब से ज्यादा प्रावधान इस बजट में रखा गया है। सबसे ज्यादा धन सिंचाई की व्यवस्था और बिजली के लिए रखा गया है। हमारे विपक्ष के माननीय साथियों ने बजट पर बोलते हुए इसकी आलोचना तो की है लेकिन ऐसा कोई भी सुझाव नहीं दिया है जिससे कृषि क्षेत्र में कोई सुधार किया जा सकता हो। इस बजट के बारे में मैं इतना कह सकता हूं कि यह बजट हरियाणा प्रदेश की जनता की खुशहाली के लिए और प्रदेश के विकास के लिए पेश किया गया है। अध्यक्ष महोदय, यह मैं अपनी तरफ से कह सकता हूं कि इस बजट को ठीक ढंग से हमारी सरकार लागू करेगी तथा पूरा हरियाणा प्रदेश अच्छे ढंग से विकास करेगा। यहां पर बिजली के बारे में बात आई। कई दिनों से सदन के अन्दर भी और बाहर भी बिजली चर्चा का विषय बना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं उस क्षेत्र से हूं जहां पर सबसे ज्यादा बिजली का प्रयोग होता है। यहां पर विपक्ष के जो सदस्य बिजली की चर्चा करते हैं, ये उस बारे में जानते नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आज तक हरियाणा में बिजली के लिए सबसे ज्यादा आन्दोलन हमारे यहां से हुए हैं और ये आन्दोलन किस लिए हुए हैं ये आन्दोलन हुए हैं बिजली पूरी देने के लिए। वहां पर आन्दोलन इसलिए नहीं हुए हैं कि बिजली के रेट बढ़ गये या बिजली के बिलों को माफ किया जाए। आज हमारा एरिया कृषि के मामले में बिजली के ऊपर निर्भर है और यहां पर उनको भिखारी बनाने के बारे में बात कही जा रही है। जबकि मैं यह कहता हूं कि वहां लोगों को बिजली चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अब जब कि फसल तैयार हो गई है, पक चुकी है तो वहां पर बिजली की इतनी जरूरत नहीं है। अध्यक्ष महोदय, एक राजनीतिक घटना के बारे में अखबार में एक एडिटोरियल छपा है वह मैं यहां पर आपको पढ़ कर सुना देता हूं।

"निजीकरण के विरोध का अंदरूनी कारण वास्तव में कुछ और हो मगर इसे एक सैद्धांतिक जामा पहना दिया है। प्राय: ऐसे मामलों में राजनेताओं को सहानुभूति मिल जाती है, क्योंकि असल मुद्दे जनता के सामने पहुंच नहीं पाते। लोकप्रियतावादी राजनीति की मजबूरी यह है कि वह आम आदमी के

[श्री नरपेन्द्र सिंह]

हितों का बहाना ढूंढती है। यह अजीब बात है कि बिजली के निजीकरण का विरोध इसी आम आदमी के नाम पर किया जा रहा है। हरियाणा में चल रहे गंभीर बिजली संकट से आखिर निपटा कैसे जाए, निजीकरण के विरोधी यह नहीं बता पाते। बिजली चोरी रोकने, उत्पादन बढ़ाने और बकाया रकम की वसूली की कोई योजना निजीकरण के विरोधियों के पास नहीं है। वे राज्य बिजली बोर्ड की रुग्णता के बारे में बात नहीं करना चाहते और न यूनियनबाजी के खिलाफ बोलने का नैतिक साहस जुटा पाते हैं। इसी तरह किसान हितों की रक्षा की आड़ में यह बात नजरंदाज कर दी जाती है कि किसानों पर बिजली बोर्ड के करोड़ों रुपये बकाया हैं और इसकी वसूली न हुई तो उससे होने वाले नुक्सान से कृषि क्षेत्र भी नहीं बच पाएगा।

फिलहाल पांच जिलों में निजीकरण की योजना शुरू करने का प्रस्ताव है। प्रारंभ में ही इतना विरोध हो रहा है, तो भविष्य में उत्पन्न होने वाली स्थिति का अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है। लेकिन यहां 'बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाएगी' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। हरियाणा को औसतन 370 लाख यूनिट बिजली रोज चाहिए। उपलब्धता केवल 250 लाख की है। आने वाले महीनों में 450 लाख यूनिट की मांग होने का अनुमान है। उत्पादन में वृद्धि और चोरी पर रोक की आशा करना बेकार है। राज्य बिजली बोर्ड का घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। राजनैतिक नेतृत्व, नौकरशाही और टेक्नोक्रेट-सभी की जवाबदेही है कि बिजली बोर्ड को 1986-87 में हो रहा 372.75 करोड़ का घाटा 1994-95 तक 1753.61 करोड़ कैसे हो गया। बोर्ड पर राष्ट्रीय ताप बिजली निगम, कोल इंडिया लि0 और रेलवे की जो करोड़ों रुपये की रकम बकाया है, उसकी अदायगी की तो चर्चा ही नहीं हो रही। यह त्रासद स्थिति मुफ्तखोरी की संस्कृति को बढ़ावा देने के कारण उत्पन्न हुई। ऋण के भार से निरंतर पिसता जा रहा बिजली बोर्ड आने वाले दिनों में जनता का क्या कल्याण कर पाएगा, निजीकरण के विरोधियों के पास इस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं हो सकता। जब-जब निहित स्वार्थ खतरे में होते हैं तो कोई न कोई मुद्दा बना लिया जाता है। निजीकरण के विरोध पर भी यही बात लागू होती है। लेकिन यह सब अब बहुत दिन तक चलने वाला नहीं।

"अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि जहां तक बिजली की बात है तो जब चुनाव हुए तो मेरे क्षेत्र में विपक्ष के नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला जी आए और इन्होंने लोगों से वोटों के लिए मांग की और कहा कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आयी तो हम बिजली के बकाया बिल्ज माफ कर देंगे। लेकिन दूसरी तरफ मेरी तरफ से चौधरी बंसीलाल जी हमारे क्षेत्र में वोट मांगने के लिए गए और उन्होंने कहा कि आपके जो बिजली के बिल्ज है, वह आपको भरने पड़ेंगे और अध्यक्ष महोदय, नतीजा यह हुआ कि 27 हजार वोटों से वहां की जनता ने मुझे जिताकर भेजा। इसी तरह से हमारे साथ लगता हुआ हल्का लोहारू है वहां से श्री सोमवीर सिंह को 36 हजार वोटों से लोगों ने जिताया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहूंगा कि लोगों को बिजली की आवश्यकता है इसलिए बिजली का प्रबन्ध किया ही जाना चाहिए। आज बिजली के रेट्स के कोई मायने नहीं हैं बल्कि जरूरत के समय किसानों को बिजली मिलनी चाहिए और इसी का प्रबन्ध हमारी सरकार इस बजट के माध्यम से करने जा रही है। मैं इस बजट का पूरी तरह से स्वागत करता हूं और चौधरी बंसीलाल जी एवं वित्त मंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि उन्होंने किसानों को बिजली देने के लिए अपने बजट में प्रावधान रखा है। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं झज्जर के चुनाव प्रचार में गया। वहां का चुनाव एक जनमत संग्रह साबित हुआ। मैंने वहां पर देखा कि चौटाला साहब अपनी गाड़ियों के काफिले के साथ वहां घूम

रहे थे। इनके काफिले की एक गाड़ी के ऊपर इन्हीं की पार्टी की एक नेत्री जो उस समय वहां पर मधुर भाषण दे रही थी और उसका टेप बज रहा था। मैं आपको उसके भाषण के कुछ अंश बताना चाहूंगा। वे कह रही थी कि झज्जर का उपचुनाव बहुत महत्वपूर्ण है और यह प्रदेश की सरकार के लिए हरियाणा के लोगों का जनमत संग्रह होगा। इसलिए अगर आप हविपा एवं भाजपा के समर्थित उम्मीदवार को वोट देंगे तो जनता यह मानेगी और इसका यह प्रभाव जायेगा कि हरियाणा प्रदेश की जनता ने इस सरकार को स्वीकार कर लिया है लेकिन अगर आप इनके उम्मीदवार के विरूद्ध वोट देंगे तो यह माना जाएगा कि हरियाणा की जनता ने इस सरकार को अस्वीकार कर दिया है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, नतीजा सबके सामने है और वहां से हमारी उम्मीदवार 36 हजार वोट लेकर जीती है। इन्हीं की पार्टी के कथनानुसार वह चुनाव हरियाणा प्रदेश की जनता का जनमत संग्रह था। इसके बाद मैं कांग्रेस के साथी जोकि इस समय सदन में मौजूद नहीं हैं, से कहना चाहूंगा। पिछले दिनों उन्होंने काफी बातें कहीं और उनके कुछ तथा कथित नेता हमारे भिवानी जिले में तथा उसके आसपास यह प्रचार करने में लगे हुए हैं कि बिजली का निजीकरण किसानों के हित में नहीं है। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी जिसका पिछले दिनों में शासन भी हरियाणा प्रदेश में रहा है, वह किसी भी प्रकार से किसानों के हक में नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं उस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं जहां पर कादमा कांड में पांच किसानों की जानें गयी थीं। लेकिन आज वही कांग्रेस पार्टी के लोग किसानों के हक की बात करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह सकता हूं कि वे लोग किसी भी प्रकार से किसानों के हितैषी नहीं हो सकते। उनकी नीतियां किसान विरोधी रही हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मैं कांग्रेस पार्टी के एक सदस्य श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला से जो कि इस समय सदन में नहीं है, कहना चाहूंगा कि उन्होंने अपने भाषण में बजट के बारे में बहुत विस्तार से चर्चा की। चौधरी जगन्नाथ जी के मुताबिक वे कांग्रेस पार्टी में सबसे ज्यादा पढ़े लिखे विधायक हैं। उन्होंने बताया था कि बजट में महिलाओं के लिए 22 करोड़ रुपये रखे हैं और अगर हरियाणा प्रदेश में कुल बच्चों की संख्या से इसको भाग किया जाए तो एक के हिस्से में केवल 105 रुपये या इतने ही कुछ आएंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि जिस हिसाब से उन्होंने बजट को एंटरप्रेट किया, वह बात किसी के गले नहीं उतर सकती। 1575 करोड़ रुपये का बजट हमारे वित्त मंत्री जी ने पेश किया है। यह पैसा भी अटैची में भरकर नहीं रखा हुआ है बल्कि उस पैसे को भी हरियाणा की जनता से टैक्सों के रूप में लेने की उनकी योजना है। बजट में आमदनी और खर्चे का हिसाब होता है। बजट में नकदी रुपया नहीं होता। श्रीमान सुर्जेवाला जी यहां पर नहीं है मगर मैं उनको बताना चाहूंगा कि सदन में कहा गया एक एक शब्द इतिहास बन जाता है और प्रैस में बैठे हुये लोग हरियाणा की जनता को एक-एक बात बताते हैं कि हरियाणा प्रदेश के ये प्रतिनिधि किस प्रकार की बातें यहां पर करते हैं। अध्यक्ष महोदय, अभी दो दिन पहले जब छुट्टी थी तो मैं किस प्रकार से अपने पुराने इतिहास को देख रहा था। अखबारों को देख रहा था तो उस दौरान मेरे सामने एक ऐसा अखबार आया। यह पींग अखबार जनवरी, 1991 का है और रोहतक में छपता है मैं इसे यहां लेकर आया हूं उसमें यह लिखा था कि-

"इतिहास यह लिखेगा कि * * * मूर्ख था।

यह बात मैं श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला को बताना चाहता हूं जो किसी भी प्रकार की रचनात्मक बातें न करके सदन को गुमराह करने की बातें करते हैं। यहां बैठकर प्रदेश की जनता की खुशहाली और भलाई की बात करनी चाहिए। इस प्रकार से मैं इस बजट का समर्थन करता हूं। 1997-98 का यह बजट हरियाणा प्रदेश की जनता के लिए खुशहाली लेकर आएगा।

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, फिर चर्चा में चौधरी देवीलाल का जिक्र आया है। जो व्यक्ति इस हाऊस का सम्मानित सदस्य नहीं है जो यहां अपना स्पष्टीकरण नहीं दे सकता उसकी चर्चा यहां करने में ये लेशमात्र भी संकोच नहीं करते। आप अपने तौर पर भी एक्सपंज नहीं करवाते।

श्री नरपेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, मैंने अखबार का उल्लेख किया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : श्री नरपेन्द्र सिंह जी ने नाम नहीं लिया। उन्होंने तो एक अखबार जो कि 9 से 14 जनवरी 1991 का है। उसको कोट किया है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, किसी रैफरैंस में किसी ऐसे व्यक्ति का नाम नहीं आ सकता है जो इस सदन में अपना स्पष्टीकरण नहीं दे सकता है।

श्री अध्यक्ष : जब आपके सदस्य यह बोलते हैं कि चौधरी देवी लाल जी ने यह किया वह किया, तब आपको कोई आपत्ति नहीं होती। मैं यह कहता हूं कि रूल तो सभी के लिए एक समान रूप से लागू होता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : तो इसमें आपकी दिलचस्पी बढ़ती है।

श्री अध्यक्ष : मेरी दिलचस्पी की कोई बात नहीं है।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, ऐसी कोई परम्परा नहीं रही।

श्री अध्यक्ष : परम्परा तो सभी पर लागू होती होगी। जब आपके सदस्य उनका नाम बार-बार लेते हैं तब आपको आपत्ति नहीं होती।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वह चौधरी देवी लाल की सरकार का नाम आता है।

श्री अध्यक्ष : यह जो चौधरी देवी लाल जी का नाम लिया गया है उसे कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री अशोक कुमार (थानेसर) : स्पीकर सर, 12 मार्च 1997 को माननीय वित्त मंत्री श्री चरण दास शोरेवाला जी ने जो बजट हमारे सामने पेश किया मैं उसके विरोध में खड़ा हुआ हूं। (विघ्न) शोरेवाला जी से पूरे प्रदेश के लोगों को बड़ी आशा थी। खासतौर से व्यापारी वर्ग को बहुत ज्यादा आशा थी लेकिन जब चौधरी बंसी लाल जी की सरकार इस प्रदेश में बनी और उन्होंने इस प्रदेश के व्यापारियों पर जो टैक्स लगाए थे। लाला चरण दास जी क्योंकि खुद व्यापारी हैं उन्होंने सोचा था कि वे कुछ राहत देंगे मगर इस बजट को पढ़कर उनको कोई राहत नहीं मिली। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बनते ही ईंट भट्टे की लाईसैंस फीस 400 से बढ़ाकर 2 हजार रुपये कर दी। इसी तरह बिल्डिंग मैटीरियल की फीस 100 से बढ़ाकर एक हजार रुपये कर दी। मिट्टी तेल के थोक विक्रेता पर फीस 20 रुपये से बढ़ाकर दो हजार रुपये कर दी, मिट्टी तेल के परचून विक्रेता पर फीस पांच रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये कर दी गई है। स्पीकर सर, यह सारी फीसें टैक्स के रूप में 11 करोड़ रुपये की हैं। यह फर्क व्यापारियों पर पड़ेगा और व्यापारियों से ही जनता पर पड़ेगा। तो इन्होंने यह जो कर लगाया है व्यापार वर्ग और इस प्रदेश की जनता में एक धोर निराशा हुई है। आज प्रदेश के अन्दर इस सरकार ने जो वायदे किये थे कि 24 घंटे बिजली मिलेगी लेकिन आज बिजली का हरियाणा प्रदेश में बुरा हाल है। शराबबंदी का जिक्र भी आया। स्पीकर सर, आज प्रदेश के अन्दर शराब बंदी जब लागू करने की बात आई तो हमारी पार्टी के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने अपने सदस्यों की तरफ से एक आश्वासन दिया था और कहा था कि हम इसका समर्थन करते हैं और हम आज भी इस का समर्थन करते हैं। परन्तु स्पीकर सर, आज

प्रदेश के अन्दर शराब का भी बिजली की तरह ही निजीकरण किया गया है। हमारे कुरूक्षेत्र जिले के एस०पी० जिन्होंने शराबबंदी को लागू करने के लिए सरकार को काफी योगदान दिया और शराब की तस्करी बिल्कुल नहीं होने दी लेकिन पिछले दिनों हरियाणा विकास पार्टी के सांसद कुरूक्षेत्र आये और अपने कार्यकर्ताओं के साथ एक मीटिंग की। उस मीटिंग में उनके कार्यकर्ताओं ने कहा की यह पुलिस कप्तान हमारी बात नहीं सुनता उस दिन के बाद कुरूक्षेत्र में शराब धड़ाधड़ बिक रही है। किसके कहने पर बिक रही है जब से ये सांसद महोदय आये हैं तब से कुरूक्षेत्र में शराब खूब बिकनी शुरू हो गई है। दूसरा इन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देंगे। (विघ्न)

बैठक का समय बढ़ाना

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : स्पीकर सर, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि सदन का समय एक घंटे के लिए ओर बढ़ा दिया जाये।

Mr. Speaker : Is it the sence of the House that the time of the House be extended by one hour ?

Voices : Yes, Sir.

Mr. Speaker : The time of the House is extended by one hour.

वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अशोक कुमार : 24 घंटे बिजली देने का काम इस सरकार ने नहीं किया है। आज प्रदेश में चर्चा चलती है कि बिजली पानी गुल और शराब फुल। आज इस प्रदेश के अन्दर यह चर्चा आम है। मेरे हल्के में चावल ज्यादा पैदा होता है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि हमारे पिपली में सन् 1990 से एक 132 के०वी० का सब स्टेशन मंजूर पड़ा है कृपया उसको वहां बनवाने का काम करें। दूसरा सिंचाई के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जब तक दादूपुर नलवी नहर नहीं बनती तब तक हमारे क्षेत्र के लोगों तक पानी नहीं पहुंच सकता। स्पीकर सर, हमारे क्षेत्र के लोगों की जो जमीन है उसका वाटर लेवल 70 से 80 फीट नीचे चला गया है और लोगों को पानी निकालने कि लिए गहरे गड्डे खोदने पड़ते हैं। जब तक दादूपुर नलवी नहर नहीं बनती तब तक लोगों के लिए पानी की समस्या बनी हुई है। चौधरी बंसी लाल जी ने दादूपुर नलवी नहर बनाने का वायदा किया था कि इस नहर का काम शीघ्र पूरा किया जायेगा। इस बजट के अन्दर और गवर्नर एड्रैस के अन्दर इस नहर का बिलकुल जिक्र नहीं किया गया है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस नहर का काम शीघ्र पूरा किया जाये। स्पीकर सर, दूसरी एस०वाई०एल० नहर का जिक्र आता है। हमारे से होकर यह नहर जाएगी। पिछले पांच छः साल से जब भी पंजाब में फलड आता है तो इस नहर में फलड का पानी छोड़ दिया जाता है। यह नहर पहले पंजाब में बननी थी लेकिन पहले हरियाणा के अन्दर बना दी गई जिससे किसानों को काफी नुक्सान हो रहा है। पिछले 5 साल से हमारे ज्योतिसर के पास का सारा एरिया डूब जाता है। जिसकी वजह से 3-4 गांव जैसे गुलाबगढ़, नरकासारी, जोगनी इत्यादि में जमीन है, उसमें पानी भर जाता है और वहां पर किसानों की फसल का नुक्सान होता है। पिछले दिनों जब ये मुख्य मंत्री बने थे तो इन्होंने इस क्षेत्र का दौरा किया था तथा एक एस्केप बनाने के लिए वायदा किया था। वैसे यह एस्केप बन गया, यह तो बात ठीक है। लेकिन नहरों में से जो पानी टूटता है उसके लिए कुछ नहीं किया। कुरूक्षेत्र की तरफ से जो सरस्वती का पानी स्कैप हैड से निकलकर बीबीपुर लेक को जाता है, उस पानी को निकलवाने के लिए कोई भी प्रावधान

[श्री अशोक कुमार]

बजट में नहीं रखा गया है। जिसकी वजह से बरसात के दिनों में किसानों के खेतों में बरबादी हो जाती है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, शिक्षा मंत्री महोदय से मैं कहना चाहता हूं कि पिछले दिनों मैंने एक प्रश्न किया था कि हरियाणा गवर्नमैंट कालेजिज की संख्या बताई जाए। इन्होंने जो संख्या बताई, उससे मुझे बड़ी हैरानी होती हैं, क्योंकि उसके अंदर कुरूक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर इन जिलों में कोई भी गवर्नमैंट कॉलेज नहीं हैं। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि जैसे कि बजट में प्रावधान किया गया है कि दो नए कॉलेज बनाए जाएंगे। हमारे कुरूक्षेत्र के अंदर जहां पर कोई भी गवर्नमैंट कॉलेज नहीं है, वहां पर यह कॉलेज बनाने का प्रयत्न यह सरकार करें। दूसरी बात किसानों के बारे में है। चाहे कोई भी सरकार हो, जब वह लोगों के बीच में जाती है तो किसानों में भिन्न-भिन्न प्रकार के वायदे किए जाते हैं। चौ० बंसी लाल जी ने भी किसानों को गुमराह किया है। इन्होंने कहा था कि गन्ने का रेट सबसे ज्यादा दूंगा। इसके बारे में पहले भी विस्तार से चर्चा हो चुकी है। आज जो किसान गन्ना बीजता है, उसकी हालत बहुत खराब है। सरकार ने 76, 78 व 80 रुपये गन्ने का रेट फिक्स किया था लेकिन उनको गन्ने का भाव 52 रुपये व 62 रुपये मिल रहा है तथा इसके अंदर भी 9 रुपये, 10 रुपये प्रति क्विंटल का भाड़ा काटा जाता है जो इस प्रदेश के किसानों के साथ अन्याय है। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि जो किराया किसानों से काटा जाता है, वह न काटा जाए क्योंकि पहले ऐसी कोई भी प्रथा नहीं थी। (घंटी) तीसरे, इस सरकार ने बनने से पहले बेरोजगार युवकों को कहा था कि उनको गैस एजैंसियां, पैट्रोल पम्पस वगैरह दिए जाएंगे। लेकिन इसके विपरीत सरकार ने बनते ही एक उपहार उनको दिया है कि दो साल के लिए नौकरियों पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके लिए मैं सरकार से एक मांग करना चाहूंगा कि जो हमारे लड़के इस दौरान ओवर-एज हो जाएंगे क्या सरकार उनको इस दो साल का बैनिफिट देगी। मैं चाहूंगा कि उन लड़कों को दो साल का बैनिफिट जरूर मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, कर्मचारियों के बारे में बहुत जिक्र आया तथा बहिन जी ने भी कहा कि उनको बहुत राहत दी है। कर्मचारियों के बारे में मैं शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि ये पिछले दिनों कुरूक्षेत्र गए थे। स्कूल के टीचर्ज जब इनको मिले तो इन्होंने कहा था कि कुरूक्षेत्र की पावन भूमि पर मैं आपको वचन देता हूं कि आपकी पैंशन स्कीम लागू कर दी जाएगी। परन्तु शायद शिक्षा मंत्री कुरूक्षेत्र का वह वचन भूल गये हैं। इसलिए मैं इनको वह वचन याद दिला देता हूं कि उन टीचर्ज की वह मांग पूरी करें। इसके अतिरिक्त कुरूक्षेत्र युनिवर्सिटी के कर्मचारियों के लिए भी पैंशन लागू की जाए। बुढ़ापा पैंशन 65 वर्ष की आयु पूरी होने पर चौ० देवी लाल जी की सरकार ने इसलिए शुरू की थी कि यह बुढ़ापा सम्मान पैंशन बन सके। पिछली सरकार ने भी तथा इस सरकार ने भी इसमें कुछ कंडीशंज लगा दी है। इनको खत्म किया जाए तथा हर ६० वर्ष के व्यक्ति को बुढ़ापा सम्मान पैंशन दी जाए। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक मिनट और लूंगा। चौधरी बंसी लाल जी एक बार कुरुक्षेत्र गए थे। उन्होंने वहां पर कहा था कि कुरुक्षेत्र एक धार्मिक स्थान है। यह हरियाणा में ही नहीं बल्कि पूरे देश के अंदर एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल माना जाता है। तीर्थयात्रा के लिए हजारों लोग यहां पर आते हैं। कुरुक्षेत्र के रेलवे ओवर-ब्रिज ठीक नहीं है। मुख्य मंत्री जी ने वहां पर घोषणा की थी कि यह पुल दोबारा बनवाया जाएगा तथा इसके साथ-साथ एक नया पुल जोड़ा जाएगा। मेरी आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि वह फलाई-ओवर बनाने का काम जल्दी से जल्दी करें। धन्यवाद।

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, आज सदन में बजट पर चर्चा हो रही है। सदन के सभी माननीय सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय वित्त मंत्री जी को मुबारिकबाद देता हूँ कि उन्होंने एक बहुत ही अच्छा बजट हरियाणा प्रदेश

की जनता की भलाई के लिए पेश किया है। खास करके इस प्रदेश के किसानों को, गरीब आदमियों को, जो सभी तरह के कर्मचारी भाई हैं उनको और सभी उद्योगपतियों को हमारे वित्त मंत्री जी ने इस बजट में राहत दी है। उन सभी की बातों को मद्देनजर रखते हुए हमारे वित्त मंत्री जी ने उनकी जो बातें हैं उनको बहुत अच्छे ढंग से इस बजट में प्रस्तावित किया है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि कई सालों के बाद इस प्रदेश ने अपना खोया हुआ गौरव स्थापित करने के लिए इस सरकार को सदन में भेजा है। हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन की चौधरी बंसी लाल जी की सरकार हरियाणा के उस खोए हुए गौरव को दोबारा स्थापित करने की पूरी कोशिश कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको पिछले दिनों की याद दिलाना चाहता हूँ जब हम और आप विपक्ष में बैठा करते थे उस समय हमारी पार्टी के नेता और आज के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी बहुत सुन्दर ढंग से अपनी बातों को इस सदन के अन्दर ले कर आते थे। उस समय चौधरी बंसी लाल जी पिछली सरकार को इस प्रदेश की जनता की भलाई के लिए बहुत अच्छे-अच्छे सुझाव दिया करते थे। उस समय शायद ऐसा कोई समय नहीं आया जब चौधरी बंसी लाल जी ने इस सदन को और हरियाणा की जनता को गुमराह किया हो। चौधरी बंसी लाल जी ने हमेशा अपने दिल से इस प्रदेश के 36 बिरादरी के लोगों की भलाई की बात कही है। चौधरी बंसी लाल जी ने प्रदेश के लोगों की भलाई के बारे में अच्छी-अच्छी बातें कह करके इस सदन में एक अच्छी रिवायत खड़ी की। हम इस बात को मानते हैं कि विपक्ष को सरकार की आलोचना करने का अधिकार है लेकिन विपक्ष को हरियाणा की जनता को गुमराह करने का कोई अधिकार नहीं है। विपक्ष को यह अधिकार भी नहीं है कि इस प्रदेश के हितों को एक तरफ रख करके अपनी निजी दुश्मनी को मद्देनजर रखते हुए छींटाकशी करें या एक दूसरे को नीचा दिखाने की बात करें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से याद दिलाना चाहता हूँ कि चौटाला साहब ने इस बजट के बारे में तरह-तरह की टिप्पणियां की हैं और कहा है कि यह बजट नीरस है यह बजट दिशाहीन है। इन बातों के सिवाय इनके पास कोई बात नहीं। चौटाला साहब, अपनी बातों को और प्रभावी ढंग से कह सकते थे लेकिन इनके दिमाग में कोई अच्छी बात हो तो ये कहें और सरकार को सुझाव दें लेकिन इनके पास अच्छी बात है ही नहीं। मैं कहता हूँ कि अगर हमारी तरफ से कोई गलत बात हुई है या हमारे वित्त मंत्री जी ने हरियाणा की जनता की भलाई की कोई बात छोड़ दी है तो उसके बारे में ये हमें कहें लेकिन हम काफी दिन से देख रहे हैं कि इनके पास सिवाय बुरी बात कहने के और कुछ नहीं है और न ही इनको बुरी बात के सिवाय कोई दूसरी बात दिखाई देती है। ये अपने समय को भूल जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारी दो पार्टियों के गठबंधन को चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में अपने आप में एक बहुत बड़ा गौरव महसूस कर रही है कि हमारी सरकार हरियाणा प्रदेश का चहुंमुखी विकास करने के लिए प्रयास कर रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने इस प्रदेश में शराबबंदी लागू की लेकिन शराबबंदी के बारे में चौटाला साहब ने और उनकी पार्टी के दूसरे सदस्यों ने तथा दूसरे विपक्ष के भाईयों ने आज तक यह बात नहीं कही कि इस प्रदेश की भलाई के लिए यह एक अच्छा काम किया गया है हम इसका समर्थन करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान का वह शराब का माफिया इस बात को अच्छी तरह से जानता है कि अगर हरियाणा में शराबबंदी सफल लागू हो गई और इसको लोग अपना लेते हैं तो यह एक अकेले हरियाणा का सवाल नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, यह शराब माफिया जानता है और आप भी जानते हैं कि आज हरियाणा में शराब बंदी लगी हुई है, कल यू०पी० और हिमाचल प्रदेश में होगी तो फिर तमाम देश के राज्यों में शराब बंदी होगी और सारी महिलाएं शराब बंदी की मांग करेंगी। अध्यक्ष महोदय, जो विदेशी ताकतें इस हिन्दुस्तान को कमजोर करना चाहती हैं वह शराब का माफिया इनके हाथों में, ओम प्रकाश चौटाला व भजन लाल के हाथों में खेल रहा है। ये झूठा सच्चा प्रचार करते रहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

माध्यम से इनसे यह अनुरोध करना चाहता हूँ कि इनके बुरे कर्मों की सजा यह हरियाणा प्रदेश की जनता पिछले कई सालों से भुगत रही है और आज भी ये रात को सोते हुए चीफ मिनिस्टर बनने का सपना लेते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सारा सदन जानता है और तमाम हरियाणा प्रदेश की जनता जानती है कि जब इनके पास 87 एम०एल०ए० थे तब इनकी हरियाणा में पूरी सरकार थी, केन्द्र में इनकी सरकार थी, तब ये मुख्यमंत्री नहीं बन सके तो अब क्या ये मुख्य मंत्री बनेंगे। हमारे पर ये कटाक्ष करते हैं। कहते हैं कि हमने उद्योगों की भलाई के लिए कुछ नहीं सोचा। अध्यक्ष महोदय, एक दफा ये कहने लगे कि शहरों की तरक्की के लिए केवल 15 करोड़ रुपये दिये हैं। मैंने उसी समय कहा था कि श्री ओम प्रकाश चौटाला शहरों की भलाई करते हुए अच्छे नहीं लगते। मैं इनसे पूछना चाहता हूँ कि जब ये जबर्दस्ती इस प्रदेश के 3-4 बार मुख्यमंत्री बने तो उस वक्त इन्होंने हरियाणा प्रदेश की भलाई के लिए क्यों नहीं सोचा। ये और इनके पिताश्री जलसों में यह बात कहते थे कि ये शहरी लुटेरे हैं। कभी ये पंजाबी भाईयों को लुटेरे कहा करते थे तो कभी बनियों को लुटेरे कहा करते थे। बनिया बिरादरी को भी इन्होंने बदनाम किया। जिस बनिया बिरादरी से इस देश का सबसे बड़ा सपूत महात्मा गांधी संबंध रखते थे उनको लूटेरा कहते थे। ये कहा करते थे कि शहरों में रहने वाले लोग हरियाणा की जनता को लूटना चाहते हैं। अपने राज में इन्हें शहरों की चिंता नहीं रहती थी। आज हमारे राज में जहां हमने भाई चारे को कायम किया है। जहां शहरों में बढ़ती हुई गुण्डागर्दी को कम किया है, वहां पर ये हमको बदनाम करने लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह हमारे पर लांछन लगा देते हैं। इसी तरीके से अध्यक्ष महोदय, ये उद्योगों के लिए सुझाव देते हैं। यहां पर सब सदस्य बैठे हैं। आप उन दिनों को याद कीजिए जिन दिनों श्री ओम प्रकाश चौटाला का राज था। ये किस तरीके से उद्योगपत्तियों को डराया धमकाया करते थे। मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूँ कि गन्नौर में एक बी०एस०टी० मिल है वह इस हरियाणा का गर्व हुआ करती थी। उस मिल में गन्नौर के आसपास के इलाके के हजारों बेरोजगार बच्चों को रोजगार मिलता था। श्री ओम प्रकाश चौटाला उन दिनों मुख्य मंत्री हुआ करते थे। ये उनसे उस की टर्म ओवर का 10 परसैंट जबर्दस्ती मांगते थे जिस कारण मिल के मालिक को मिल बंद करनी पड़ी और अध्यक्ष महोदय, उसका नतीजा यह हुआ कि बी०एस०टी० आज भी बंद है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जब ये बोलते हैं तो हम बीच में नहीं बोलते।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा था और अब फिर दोहराता हूँ कि यह कर्ण सिंह दलाल अनर्गल बात कहने का आदी है। निरंतर अनर्गल बात करता है। बेसलेस और निराधार बात करता है। अगर ऐसी कोई बात रिकार्ड में हो तो बताएं, मैं राजनीति छोड़ दूंगा। लेकिन यह इस किस्म की अनर्गल बात इस सदन में न कहें, बद किस्मती से यह इस जिम्मेवार पद पर बैठा हुआ है, इसको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए। यह इनका बात करने का कोई तरीका है, जो जी में आये अनर्गल बातें कहता जाये। बात करने की कोई सीमा होती है। यह पता नहीं क्यों अपनी औकात भूल जाता है। मंत्री बन गया तो कोई खुदा बन गया। किसी के भी खिलाफ कोई गलत बात कह कर अनर्गल बात कहता जाये। इनको इस तरह की वाहियात बातें नहीं करनी चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, ये कैसे बोल रहे हैं, यह आप देख ही रहे हैं।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, यह जो बात कह रहे हैं बिल्कुल सही कह रहे हैं। रौनक सिंह से पूछ लें कि वह मिल बंद क्यों हुई थी?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, जिन्हें इस बात का ज्ञान ही नहीं कि तुम क्या कहने जा रहे हो, एक अनर्गल बात निरंतर कहे जा रहा है। किसी के भी खिलाफ जो दिल में आए वह कहते रहें, यह क्या कोई अच्छी रिवायत है।

श्री अध्यक्ष : कृपया आप बैठें। कर्ण सिंह जी आप अपनी बात जल्दी खत्म करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, बहुत दुःख की बात है, शायद श्री ओम प्रकाश चौटाला समझते हैं कि जैसे ये खुद असत्य बात कहते हैं, सदन को गुमराह करते हैं, दूसरे लोग भी इनकी तरह बात करते होंगे। लेकिन मैं अध्यक्ष महोदय, फिर अपनी बात को दोहराना चाहता हूँ और मैं आपके माध्यम से दावत देता हूँ कि इस सदन के माननीय सदस्यों की एक कमेटी बना दीजिए जो यह कमेटी उस वी०एस०टी० मिल में जाकर देखे और उसके मालिक से पूछे। गरीब इलाके के लोगों से मिलें। उन बेरोज़गार बच्चों से मिले जिनके भविष्य के साथ श्री ओम प्रकाश चौटाला ने खिलवाड़ किया था। कमेटी देख लेगी की क्या वाकई श्री ओम प्रकाश चौटाला के राज में यह मिल बंद हुई थी या नहीं। यही नहीं अध्यक्ष महोदय, इस हरियाणा के सदन के अन्दर इन्होंने हमारे ऊपर आरोप लगाया कि हमारे राज में कारखानों के मालिक नोयडा और दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इनके मुंह से यह बात शोभा नहीं देती। हरियाणा की धरती पर जब इनका राज था तो इन्होंने हरियाणा के उद्योगपतियों का इतना उत्पीड़न किया था कि ये उद्योगपतियों से टर्न ओवर का 10% मांगते थे। यह पैसा उनसे जबरदस्ती वसूल किया जाता था। उनको डराने धमकाने के लिए और पैसा वसूल करने के लिए अधिकारियों को उनके पास भेजा जाता था। अपने ग्रीन ब्रिगेड के गुण्डों को उन कारखानों में जबरदस्ती भर्ती करने के लिए भेजा करते थे। अध्यक्ष महोदय, ये लोग हम पर इल्जाम लगाते हैं कि हमारे राज में उद्योगों का पलायन हो रहा है। आज भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी की सरकार चौधरी बंसी लाल जी के कुशल नेतृत्व में काम कर रही है और इस देश के उद्योगपति हरियाणा की तरफ दौड़े चले आ रहे है। हर तरीके से हरियाणा का विकास हो रहा है। हमारे देश के उद्योगपति औद्योगिक विकास और नई योजनाओं के लिए हमारे पास सुझाव भिजवा रहे हैं (विघ्न) अध्यक्ष महोदय; इनको तो एम०ओ०यू० की पड़ी हुई है जब कि पिछले राज में चौधरी भजन लाल जी के शासन काल में और इनके राज में जो भ्रष्टाचार के बीज इन लोगों ने बोये हैं, जो बदनामियां इस प्रदेश की इनकी सरकारें कर चुकी हैं, पिछले राज्यों में अधिकारियों के माथे पर जो कलंक लग चुके हैं उनको कैसे धोया जा सकता है ? चौधरी बंसी लाल जी की सरकार किसी भी प्रकार की जल्दी में नहीं है। हम कोई भी गलत काम नहीं करना चाहते हैं। प्रदेश की जनता के साथ हम बड़ी तसल्ली के साथ वही काम करेंगे जो प्रदेश की जनता के लिए और उनकी भलाई के लिए हों। अध्यक्ष महोदय, इनकी पार्टी के विधायक तरह-तरह की चर्चा करते हैं। यह इनका कसूर नहीं है क्योंकि वे नये हैं और इसको समझते नहीं हैं कि इनके राज में हरियाणा में क्या-क्या बातें हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, क्या यह वही हरियाणा प्रदेश और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला नहीं है जिनके राज में बिहार की तर्ज पर ज्यादती हुई और बन्दूक की नोक पर बूथ कैप्चरिंग की जाती थी। अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी इस ज्यादती का जीता जागता सबूत हूँ। इनके राज में हमारे फरीदाबाद में पार्लियामेंट का बाई-इलैक्शन हुआ था। इनकी पार्टी के जो नुमायन्दे थे, आज वे कांग्रेस पार्टी के नुमायन्दे बने हुए हैं। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला अपने ईमान और धर्म से कहें कि क्या इनके ग्रीन ब्रिगेड के लोगों ने हमारे लोगों को हमारी बहन बेटियों की छातियों पर बन्दूक रख कर वोट डालने से नहीं रोका ? क्या उन्होंने वहां पर बूथ कैप्चरिंग नहीं की थी ? क्या ग्रीन ब्रिगेड के लोगों को वहां से उन लोगों ने भगाया नहीं था ? उस वक्त शरीफ आदमी वोट डालने से डरता था। हरियाणा प्रदेश में यह चर्चा होने

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

लगी थी कि अगर ओम प्रकाश चौटाला का राज दोबारा कायम हो गया तो वे इसे दूसरा बिहार बना देंगे या दूसरा उत्तर प्रदेश बना देंगे। अध्यक्ष महोदय, ये लोग हमें उपदेश दे रहे हैं कि कानून व्यवस्था कैसे कायम की जाएगी। अध्यक्ष महोदय, पिछली दफा भी मैंने यह कहा था कि इनके राज में मेहम में जो कुछ हुआ था उसने सारे हिन्दुस्तान में एक मिसाल कायम कर दी थी, सारी दुनियां के सामने अपने आप में यह एक मिसाल थी जिसके कारण सारी दुनियां के सामने हरियाणा के लोगों के सिर शर्म से झुक गये थे। अध्यक्ष महोदय, इनका लड़का मेहम के गांव बैंसी में जबरदस्ती बूथ कैप्चर करने के लिए गया था। बैंसी गांव के लोगों ने इनके लड़के के सामने हाथ जोड़े और वे लोग उसके सामने गिड़गिड़ाये कि हमारे गांव का भाईचारा है इसे खराब न करें। भाईचारे की वजह से आपकी पार्टी के वोट आपके नुमाइन्दे को मिलेंगे और दूसरी पार्टी के वोट दूसरी पार्टी के नुमाइन्दे को मिलेंगे इसलिए आप यहां पर जबरदस्ती न करें। इनके लड़के को यह बात रास नहीं आई और उसने वहां पर जबरदस्ती गोलियां चलाईं। जब उन्होंने वहां पर गोलियां चलाई तो वहां के लोगों ने उनका मुकाबला किया। इनके एक एस०पी० हुआ करते थे उसने इनके बेटे के साथ पुलिस की टुकड़ियां खड़ी कर दीं। अध्यक्ष महोदय, इसका नतीजा यह हुआ कि जब गांव के लोग उनकी गोलियों से घायल हुए और मरे तो सारे गांव के लोगों ने मिल कर इनके लड़के को बैंसी के स्कूल में घेर लिया । वहां के एस०पी० ने चौटाला साहब से फोन पर बात की कि श्रीमान जी आपके लड़के को गांव के लोगों ने घेर लिया है क्योंकि उसने निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाईं। वहां पर आज ऐसा माहौल है कि उनको बचाना बहुत मुश्किल है। अध्यक्ष महोदय चौटाला साहब उस एस०पी० से कहते हैं कि चाहे हज़ारों लाशें बिछानी पड़ जाएं, चाहे लोगों की कितनी भी तबाही हो लेकिन मेरा बेटा जिन्दा आना चाहिए (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये लोग सच्चाई नहीं सुनना चाहते हैं। *******

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे पहले भी यह अनुरोध किया था और फिर मैं इस बात को दोहराता हूँ कि इस सदन में श्री कर्ण सिंह दलाल को बोलते हुए यह भी ध्यान नहीं रहता है कि ये क्या बोल रहे हैं। इस तरीके की भाषा का ये इस्तेमाल कर रहे हैं और आप उसे सुन रहे हैं (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब ने बाद में जो बात कही है उसे रिकार्ड न किया जाये। दलाल साहब, आप थोड़ा मर्यादा में रह कर बोलें तो ज्यादा ठीक रहेगा।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के शब्दों को कार्यवाही से निकालने की बात नहीं है। (विघ्न एवं शोर) * * * * *

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस सदन की गरिमा और मर्यादा को कायम रखा जाना बहुत ही जरूरी है (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये सम्मानित सदस्य हैं, इनको जनता ने चुनकर भेजा है और इनके लिए ये गुलाम शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं इनको इस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। आप धीरपाल जी से पूछें जो इन्होंने कहा है (शोर एवं व्यवधान) यह जो दोनों तरफ से शब्द कहे गये हैं इनको कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमारे एक साथी यहां पर नहीं बैठे हुए हैं उन्होंने हरिजनों के उत्थान के लिए बहुत सारे विचार यहां पर दिये हैं। मैं इन सभी भाईयों को उन दिनों की याद दिलाना

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया/कार्यवाही से निकाल दिया गया।

चाहता हूँ जब हरिजनों को नौकरियां सरेआम सड़कों पर बेची जाती थी। यहां तक कि राजस्थान से लोगों को, अपने रिश्तेदारों को चुनाव जीतने के लिए हरियाणा में नौकरियां दी जाती थी। अब आज ये हरिजनों के कल्याण और उत्थान की बात हमें सिखाते हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में बेचारे राज्यपाल महोदय एस०सी० जाति से सम्बन्धित थे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, बेचारा उन्हें इन्होंने बनाया था। हमारे लिए वे तब भी महामहिम थे और आज भी हमारे लिए और हरियाणा की जनता के लिए महामहिम हैं। किस तरीके से महामहिम का काला भूंह इनके पिताश्री ने करवाया। जिनके बारे में ये कहते हैं कि उनका नाम इज्जत से लो। अध्यक्ष महोदय, हम इनकी खरीदी हुई जायदाद नहीं हैं जैसा ये चाहेंगे वैसा हम बोलेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमने उनको उजागर करके ही हरियाणा की सत्ता को सम्भाला है। हमने इनकी मेहरबानी से सत्ता नहीं सम्भाली है। ये समझते हैं कि हरियाणा के अन्दर भाजपा और हविपा पार्टी इनकी मेहरबानी से राज कर रही है। कहीं पर ये कर्मचारियों में जाते हैं कि मैं पहले दिन ही सरकार तोड़ दूंगा और कहीं शूगर मिल में जाते हैं कि आप एक हफ्ता हड़ताल कर दें, तो मैं यह सरकार तोड़ दूंगा और तुम्हारी तनख्वाहें दोगुनी कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा इनसे यह कहना चाहूँगा कि ये अपने दिमाग से यह वहम निकाल दें। हम पांच साल तक इनकी छाती पर बैठ कर राज करेंगे और आने वाले 15-20 साल इसी तरह इनकी सेवा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वृद्ध अवस्था पैंशन के बारे में इनके विधायक बहुत कहते हैं कि चौधरी देवी लाल के राज में मिली थी। आज हमारी सरकार बिजली का सुधारीकरण करने जा रही है और हरियाणा प्रदेश की जनता ने इसका स्वागत किया है। ये लोगों को गुमराह कर रहे हैं कि हम बिजली का निजीकरण करने जा रहे हैं तो इससे हरियाणा के लोगों का नुक्सान होगा। इन्हें अपने दिन याद नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, हम इनका सम्मान करेंगे अगर ये सच्ची बात करेंगे। आज इन्होंने वृद्ध अवस्था पैंशन देने की बात हरियाणा के लोगों के सामने रखी है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन से यह बताना चाहूँगा कि जब हरियाणा के अन्दर ट्यूबवैल्ज पर बिजली की दरें सबसे पहले बढ़ाई गई थी तो वे चौधरी देवी लाल के राज में ही बढ़ाई गई थीं। जिन लोगों को पैंसन मिली उस बारे में लोग यह कहते हैं कि चौधरी देवी लाल ने लोगों को क्या दिया, उन्होंने एक ट्यूबवैल के ऊपर एक हरियाणा का बूढ़ा चेप दिया। आज ये हमारे अन्दर कसूर निकालते हैं।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बजट के बारे में और भी तरह तरह की बातें कही हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मुझे बीच में टोक दिया था और मैं अपनी बात भूल गया था। मैं यह कहना चाहता था कि बैंसी गांव में जब एस०पी० ने इनको फोन किया था तो इन्होंने एस०पी० को यह कहा था कि वहां पर अगर हजारों लोगों की जान भी लेनी पड़े तो पीछे नहीं हटना, मुझे मेरा बेटा चाहिए। (विघ्न) अगर मैं उस वक्त पास बैठा होता तो वहां पर नजारा कुछ और ही होता। हम ऐसे लोग नहीं हैं, हमारे खून में भी वही जोश है जो आप दूसरों से उम्मीद करते हैं। हम ऐसे नहीं हैं कि हमारी आंखों के सामने निर्दोष लोगों पर गोलियां चलती रहे और हम आंखें बन्द करके तमाशा देखते रहें। हमने आपकी गुण्डागर्दी का मुकाबला 1979 में किया था जब आपने चौधरी बंसी लाल जी को हराने के लिए अपने गुण्डे भेजे थे। मैं वहीं कर्ण सिंह दलाल हूँ जिसने हांसी के अन्दर आपके गुण्डों का इलाज किया था। (विघ्न) जो बात मैं इनको सुनाना चाहता हूँ उसको ये सुनना ही नहीं चाहते हैं। उस बैंसी गांव में उस एस०पी० ने इनके लड़के को बचाने के लिए क्या क्या तरीके अपनाए, वह मैं आपको बताना चाहता हूँ । जब उसको और कोई तरीका नजर नहीं आया तो उसने एक तरीका अपनाया क्योंकि उसे अच्छी तरह से पता था कि अगर इनका बेटा अपने कपड़ों में वहां गया तो उस गांव के लोग उसको पहचान लेंगे इसलिए उस एस०पी० ने एक ऐसे सिपाही की वर्दी इनके बेटे को पहना दी जो अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। इनका तो बेटा पुलिस वालों की वर्दी पहनकर वहां से भीड़ से निकल गया लेकिन जब वह सिपाही जो इनके बेटे

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

की ड्रैस में था, उस गांव में गया तो उसको गांव के लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। इसके बाद जो कहा हरियाणा की जनता के सामने हुआ, वह किसी से छिपा हुआ नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस दुनिया में विश्वास से बड़ी कोई चीज नहीं हो सकती। आज इस दुनिया के अंदर विचारों के बन्धन में बंधकर अपने मां बाप को, अपने परिवारों को छोड़कर लोग नेताओं की शरण में जाते हैं तो इसलिए कि वे हमारा संरक्षण करेंगे, वे हमारा सुधार करेंगे और वे हमारे भविष्य की देखभाल करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वह अहीर सिंह बेचारा चौटाला साहब को अपना बाप और भाई मानता था लेकिन इन्होंने अपना चुनाव बचाने के लिए, अपनी झूठी प्रतिष्ठा के लिए उसकी हत्या किस तरीके से महम में करवायी, यह हरियाणा प्रदेश की जनता से छिपी हुई बात नहीं है। जबकि आज हमें ये रास्ते बताते हैं कि हरियाणा का राज किस तरीके से हम चलाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि जन चेतना मंच के नाम से एक इश्तहार छपा है। एक तरफ तो ये कहते हैं कि हमारी पार्टी गरीबों की पार्टी है लेकिन मैं आपको अखबारों की कतरनों के आधार पर बताना चाहता हूँ। ये तो कहते हैं कि चौधरी देवीलाल का नाम यहां पर न लिया जाए लेकिन मैं कहता हूँ कि क्यों न लिया जाए। अगर इस हरियाणा प्रदेश का कोई भी आदमी चाहे वह उप प्रधानमंत्री रह चुका हो, चाहे वह मुख्यमंत्री रह चुका हो, मंत्री रह चुका हो, विधायक रह चुका हो या फिर वह अब विधायक हो लेकिन अगर उसने कोई गलती की है या अगर उसने कोई गलत बात कही है तथा यदि उसने इस हरियाणा के मान सम्मान को ठेस पहुंचाई है तो हमें यहां पर भी उसके बारे में कहने का अधिकार है। अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले दिनों जब बढ़ौत में अजीत सिंह का इलैक्शन हुआ था तो इनके पिता ने वहां पर जो बयान दिया, उसके बारे में आपको मैं बताना चाहूंगा। इस बारे में अखबार में एक हैडिंग दिया हुआ है इसका शीर्षक है - 'मोर्चा देश के विघटन पर आमादा' चौधरी देवीलाल। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि विघटन के कगार पर खड़े राष्ट्र की एकता एवं अखंडता तभी संभव है जब इस देश में जाट राज हो। अध्यक्ष महोदय, ये फिर क्या इस हरियाणा प्रदेश का भला करेंगे ? इनके काले कारनामें हरियाणा की जनता से छिपे हुए नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पिछले राज में "अजगर" का नारा दिया था कि अगर देश को बचाना है तो हमें अजगर की शरण में जाना पड़ेगा। सर, अजगर का मतलब था - अ से अहीर, ज से जाट, ग से गुजर और र से राजपूत। इसके अलावा बाकी सारी बिरादरी ये इस प्रदेश के अंदर मानते ही नहीं हैं। इन्होंने उस वक्त यह भी कहा कि ब्राह्मण, ठाकुर और गुज्जर जाटों के हितों की रक्षा ये नहीं कर सकते। इन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में जहां पर सप्त ऋषि नामक महापुरुष हुए हैं उसने नेहरू, इंदिरा, लाल बहादुर शास्त्री, चरण सिंह, वी०पी० सिंह, चन्द्रशेखर और राजीव गांधी जैसे नेता पैदा किए हैं लेकिन फिर भी वह प्रदेश अभी तक पिछड़ा हुआ है। आगे इन्होंने यह भी कहा कि यदि जाट एकजुट हो जाते हैं तो उनके समक्ष कोई भी शक्ति ठहर नहीं सकती। अध्यक्ष महोदय, ये आज जातिवाद का नारा देकर इस प्रदेश की भोली भाली जनता की भावनाओं को भड़काना चाहते हैं, इस प्रदेश में रहने वाले गरीब लोगों के मान सम्मान को अपने पैरों के नीचे कुचलना चाहते हैं, लेकिन हरियाणा की जनता इनको कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगी। ये स्वप्न लेना छोड़ दें। इनके कभी तो 22 विधायक, कभी 11 विधायक या कभी चार विधायक से ज्यादा नहीं हो सकते। इससे ज्यादा विधायक देने का हरियाणा के लोग इनको मौका नहीं देंगे। अध्यक्ष महोदय, आज की सरकार को बदनाम करने के लिए अब ये बी०जे०पी० के बारे में भी उल्टे सुल्टे बयान देते हैं। अध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी० एक राष्ट्रीय पार्टी है वह देश की एकता और अखंडता के लिए दिन और रात एक किये हुए हैं। देश की एकता और अखंडता के लिए बी०जे०पी० के कार्यकर्ता अपने आपको समर्पित होकर रखते हैं लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये अब बी०जे०पी० के बारे

में भी कहते हैं। जबकि चुनावों से पूर्व जब इनका बी०जे०पी० से गठबन्धन नहीं हुआ था तो इन्होंने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी एक सम्प्रदायिक पार्टी है जो कि हिन्दु कार्ड खेलकर साम्प्रदायिकता को भड़काना चाहती है। इन्होंने बी०जे०पी० के नेताओं पर आरोप लगाया था कि इस पार्टी के नेता साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देते हैं तथा इनका प्रदेश में कोई जनाधार नहीं है। अध्यक्ष महोदय, उस समय तो यह बी०जे०पी० के बारे में ऐसी ऐसी बातें कहा करते थे और अब ये कुछ और ही कहते हैं। ये अच्छी तरह से जानते हैं कि अगर चौधरी बंसीलाल जी का राज थोड़े दिनों तक रहा या उनके नेतृत्व में अगर विकास के काम इसी तरह से चलते रहे अगर गुंडागर्दी इस हरियाणा प्रदेश से खत्म होती रही और भाई चारा इसी तरह से कायम होता रहा तो अगले 20 साल तक चौधरी बंसी लाल इस प्रदेश पर राज्य 20.00 बजे करेंगे। आज केवल चौधरी बंसी लाल जी को नीचा दिखाने के लिए चौटाला साहब कहते हैं कि "मैं भारतीय जनता पार्टी से हाथ मिलाने को तैयार हूँ।" अध्यक्ष महोदय, इनका क्या सिद्धान्त है ? अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता चौधरी बंसी लाल जी पर हमें गर्व है हालांकि चुनाव में इनके साथ भी गड़बड़ हुई थी। आपको याद होगा कि उस समय चौधरी देवी लाल जी की पार्टी का राज कायम होने लग रहा था। चौधरी बंसी लाल जी भी तोशाम से इलैक्शन लड़ रहे थे इनके मुकाबले में जो सजपा की पार्टी का कैंडीडेट था उसने देखा की जीत हमारी पार्टी की होने जा रही है। उस समय वोटों की गिनती चल रही थी तो सजपा के कैंडीडेट ने सोचा कि चौधरी देवी लाल का राज बनने लग रहा है तो उस गिनती के दौरान इनकी पार्टी के लोगों ने वोटों पर जबरदस्ती कब्जा करना शुरू कर दिया। इन्होंने जबरदस्ती हरियाणा का फैसला कर लिया। उस समय डी०जी०पी० श्री जुशी हुआ करते थे उन्होंने चौधरी बंसी लाल जी को फोन पर कहा कि चौधरी साहब आपको जबरदस्ती हराया जा रहा है अगर आपका आदेश हो तो मैं अपनी पुलिस की बटालियन को लेकर वहां जाता हूँ। अध्यक्ष महोदय, ये देश के सपूत हैं ये चाहते तो कह देते कि मार दो हजारों लोगों को, मैं वहां से जीतकर निकल जाना चाहता हूँ। लेकिन इन्होंने कहा कि आप वहां नहीं जाएं अगर आप वहां पुलिस लेकर जाएंगे तो वहां जो लोगों की भावनाएं भड़की हुई हैं वे और भड़क जाएंगी। मुझे अकेले को आपने वहां से जितवा भी दिया तो इसका मुझे कोई फायदा नहीं होगा। मेरी जीत के लिए पुलिस की गोलियां लोगों को उड़ाएं यह मैं नहीं सह सकता। अध्यक्ष महोदय, विचार धारा यह होती है। विचारधारा यह नहीं होती कि अपने बेटे को बचाने के लिए हजारों आदमियों को मौत के घाट उतारना पड़े तो कोई बात नहीं लेकिन मेरे बच्चे को जिन्दा लेकर आओ। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे फिर अनुरोध करता हूँ कि ये हमारे विधायकों पर, हमारे अधिकारियों पर आंख निकालना बंद कर दें। ये आंख निकालेंगे तो हमारे विधायक इससे डरने वाले नहीं हैं, ये आंख निकालेंगे तो इनसे हमारे अधिकारी डरने वाले नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबंधन दिन-दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है। सदन के माध्यम से मैं एक बार फिर माननीय वित्त मंत्री जी को मुबारिकबाद देता हूँ कि इन्होंने जनता की भलाई को देखते हुए जो बजट प्रस्तुत किया है वह पारित किया जाए। धन्यवाद।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, बजट पर बहस का हम जवाब दे रहे हैं और आपने परम्परा को ठीक से निभाते हुए बजट पर सबसे पहले इस सदन के विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को बुलाया और उनके बाद बजट पर चौधरी बीरेन्द्र सिंह बोले, धर्मबीर गावा बोले, रामपाल माजरा बोले, मेहम से बलबीर सिंह बोले, जय सिंह राणा बोले, बेरी वाले बीरेन्द्र पाल बोले। रणदीप सिंह सुर्जेवाला ने अपनी बात कही। रमेश खटक, सतपाल सांगवान और रामजी लाल जी ने अपने विचार रखे। श्री आनंद शर्मा ने अपनी बात कही, हर्ष कुमार जी बोले, मनीराम डबवाली वाले बोले। श्री सतनारायण लाठर, श्री चंद्र भाटिया बोले। किलोई से हमारे माननीय साथी श्री कृष्ण हुड्डा जी बोले।

[श्री राम बिलास शर्मा]

राजकुमार सैनी ने अपनी बात कही। इन्द्री से भीम सैन मेहता बोले। बाढड़ा से नृपेन्द्र सिंह जी बोले। कुरुक्षेत्र से श्री अशोक कुमार जी बोले। चौधरी साहब ने फरमाया कि चौधरी बंसी लाल ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए हरियाणा में अब तक का सबसे बड़ा भारी भरकम मंत्री मंडल बना दिया। मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारे माननीय मुख्य मंत्री समेत मंत्री मंडल की कुल संख्या 27 है। इससे पहले की जो सरकार थी उसमें 37 का मंत्री मंडल था और इनके अलावा चेयरमैन वगैरा की संख्या अलग थी। हम इनकी इस बात को भी मानते हैं क्योंकि आप जानते हैं कि जब मिलीजुली सरकार होती है तो अक्सर ऐसा होता है। परन्तु इस सरकार ने बड़ा भारी खर्चा बचाया है हमारे साथियों को यह वहम था वे इस बारे में प्रचार कर रहे थे। जब नगरपालिका के कर्मचारियों ने शहर की नालियों और सड़कों की कुछ दिन सफाई नहीं करी थी तो हमारे माननीय सदस्य उनको भड़काते थे कि तुम 10 दिन तक डटे रहो तब तक इस सरकार को हम तोड़ देंगे। इसी तरह रोहतक की शूगर मिल को इन्होंने बन्द करवाया और किसानों को कहा कि दस दिन तक तुम गन्ना इधर-उधर कर दो शूगर मिल में मत जाने दो तब तक यह सरकार टूट जायेगी। परन्तु स्पीकर सर, समय किसी को भी नहीं बख्शता। चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली हमारी हविपा-भाजपा गठबन्धन सरकार के बारे में इन्होंने बड़ा बवेला खड़ा किया था। आज नौ महीने इस सरकार को बने हुए हो गए हैं। आप जानते हैं कि आज हर आदमी की अपनी प्राथमिकतायें होती हैं, अपनी पसंद होती है। चौधरी ओम प्रकाश जी हरियाणा के तीन बार मुख्यमंत्री रहे एक बार पांच महीने, एक बार पांच दिन और एक बार 13 दिन। स्पीकर सर, पंडित भगवत दयाल जी थोड़ी देर तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे और चौधरी भजन लाल जी 12 वर्षों तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। चौधरी बंसी लाल जी भी पहले हरियाणा के मुख्य मंत्री रहे थे तब से लेकर इस सरकार के आने से पहले तक बहुत से लोग आये और चले गये लेकिन चौधरी बंसी लाल जी के समय में जो बिजली की तारें बिछाई गई थीं और यह बात हम डंके की चोट कह सकते हैं कि चौधरी बंसीलाल ने आज से 20 साल पहले जिन खम्बों और तारों को जोड़ा था उसके बाद इस बारे में कोई काम नहीं हुआ। 1975 में पानीपत में एक जनरेशन प्लांट की नींव रखी गई और वह 1982 में संपूर्ण हो पाया। इस बीच में बिजली की खपत बहुत बढ़ गई है और आज ये साथी कहते हैं कि खाना खाते समय बिजली नहीं है, अस्पतालों में बिजली नहीं है। आज बिजली हरियाणा के लोगों का जीवन बन गई है और पिछले समय में किस तरह बिजली मांगते हुए किसानों पर गोली चलाई गई थी पांच आदमी बाढड़ा में, चार आदमी निंसिंग में, तीन आदमी नारनौंद में और चार आदमी नारनौल में बिजली मांगते हुए गोली का शिकार हुए थे। आज किस तरह से पिछले दिनों की कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है। इस बारे में हमारी सरकार विचार कर रही है। चौधरी बंसीलाल के नेतृत्व की हविपा-भाजपा गठबन्धन की सरकार ने 11 मई को सत्ता संभाली है उस समय बिजली बोर्ड का घाटा 1675 करोड़ रुपये था और 875 करोड़ रुपया कोयले का और रेल भाड़ा, एन०टी०पी०सी० और एन०एच०पी०सी० को देना था अगर इसको भी इसमें जोड़ा जाये तो कुल 2400 करोड़ रुपये का घाटा बनता है। चौटाला साहब कहते हैं कि उनके समय में 8 करोड़ का घाटा था वह कागजों में ही होगा जब मुख्यमंत्री जी ने पिछला रिकार्ड चैक करवा कर पता करवाया तो पता चला कि चौटाला साहब के समय बिजली बोर्ड का घाटा 91 करोड़ रुपये का था।

स्पीकर सर, जब हम ने बिजली बोर्ड को संभाला था 245 करोड़ रुपये की बिजली बोर्ड की देनदारियां थीं और एक्यूमुलेटिड लौसिज़ थे। उस समय लोग यह कल्पना कर रहे थे कि बिजली बोर्ड का स्विध ऑफ हो जाएगा। शराबबंदी के मामले में हमारे ऊपर तस्करों का दबाव था। एक माफिया पूरे अंडर वर्ल्ड में पनपा हुआ था। अध्यक्ष महोदय, यह वेदों की धरती है, ऋषि-मुनियों की भूमि है तथा गीता

के संदेश वाली भूमि है। लोग अचम्भा करते थे कि यहाँ शराब कैसे बंद हो सकती है। इसको बंद करने से 600 करोड़ रुपये का घाटा प्रति वर्ष यह सरकार उठा रही है। जिस दिन से इस सरकार ने कार्यभार संभाला है, उसी दिन से कुल मिलाकर के 3000 करोड़ रुपये का घाटा है। हमारे सत्ता पक्ष के साथी ने ठीक ही कहा कि हरियाणा में एक हलचल थी तथा कुछ भाई यह प्रचार कर रहे थे कि यह सरकार कर्मचारियों को वेतन नहीं दे सकेगी। यह सरकार बहुत घाटा खा रही है। लेकिन मैं चौधरी बंसी लाल जी को बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने जो शराबबंदी का वायदा किया था, वह वैसे का वैसा ही अपनी दृढ़ प्रतिज्ञा से लागू कर दिया है। (थंपिंग) आज चाहकर भी हमारे विपक्ष के माननीय नेता कुछ नहीं कह सकते। चौधरी भजन लाल जी तो सदन से चले गये। उन्होंने कहा था कि शराबबंदी के कारण आपस में झगड़े में भिवानी जिले में 10-12 आदमी मारे गये। इस बारे में श्री सतपाल सांगवान ने कुछ कहकर गुनाह कर लिया, आपने गुनाह कर लिया या मैंने गुनाह कर लिया। लेकिन अध्यक्ष महोदय, 5 तारीख से यह सदन चल रहा है और उन्होंने शायद 6 तारीख को यह बात कही थी लेकिन आज तक उन्होंने उनके नामों की लिस्ट सदन में प्रस्तुत नहीं की है। वे कभी कहते हैं कि दिल्ली वाले कुर्ते की जेब में वह लिस्ट भूल से छोड़ आये। कभी कोई बहाना कर दिया तो कभी कोई बहाना कर दिया। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, हम इनका बहुत आदर करते हैं क्योंकि ये बहुत ही वरिष्ठ सदस्य हैं तथा कई वर्षों तक इन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठकर हरियाणा के लोगों की सेवा की है। हमारी श्री ओम प्रकाश चौटाला के प्रति कोई दुर्भावना नहीं है, हमारी चौधरी भजन लाल जी के प्रति भी कोई दुर्भावना नहीं है। लेकिन अगर ये इस प्रकार की बात करके सनसनीखेज अफवाहें फैलाएं तो अच्छी बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आज यह सरकार 3000 हजार करोड़ रुपये का घाटा उठाकर चल रही है। चौधरी भजन लाल जी बात कर रहे थे कि बहु-बेटियों की इज्जत महफूज नहीं है। मैं कहना चाहता हूँ कि आप भी उस समय इस सदन में थे, जब रेणुका स्कूल से पढ़कर आ रही थी तो जालिमों ने उसके साथ मुँह काला किया, फिर उसकी लाश के टुकड़े टुकड़े कर के नहर में डाल दिये थे। लेकिन आज तक कोई पकड़ा नहीं गया। सुशीला एक सभ्य घर की बेटी थी, एक अध्यापिका थी। उसने एक आफिसर के बेटे को नकल करने से मना कर दिया। उसका आज तक पता नहीं चला है। द्रौपदी खुराना नाम की एक लड़की को झांसा दिया गया कि नौकरी दिलाऊंगा। वह आज तक अपने घर वापिस नहीं लौटी है। भूतमाजरा की कुसम और बिमला नाम की दो लड़कियों का आज तक पता नहीं चल सका है। उनका पिता किशन लाल आज भी पागलों की तरह से उनकी चप्पलें उठाकर घूम रहा है। जिनके मुख्य मंत्रित्व काल में बहनों की लाज नहीं बचती थी, वे आज कहते हैं कि बहु-बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं है। मैं माननीय सदस्यों को कहना चाहता हूँ कि इस तरह की घटना इस सरकार के समय में नहीं हुई है। आज ये कानून और व्यवस्था की बात करते हैं जो कि ठीक नहीं है। मैं कहना चाहता हूँ कि कानून और व्यवस्था की स्थिति आज हरियाणा में पहले से बेहतर है। पुलिस पहले भी वही थी और आज भी वही है, लेकिन सवाल इस बात का है कि नेतृत्व करने वाला कौन है ? आज हरियाणा में अपराधों में कमी आई है। जिस कारण से हरियाणा का नाम बदनाम होता था, आज ऐसी कोई भी घटना हरियाणा में नहीं घट रही है। आज द्रौपदी का चीरहरण नहीं होता है। यह वह भूमि है जिसको भगवान् श्री कृष्ण ने पाप व पुन्य के फैसले के लिए चुना था। 'यत्र पूज्यते नारीत्वः, तत्र रमन्ते देवताः', इस मंत्र को हरियाणा का हर नागरिक जपता है। आज नारी का सम्मान होता है। महाभारत की लड़ाई में हरियाणा के बुजुर्गों ने पुन्य के साथ खड़े होने का आह्वान किया है। परंतु स्पीकर साहब, विपक्ष के सामने केवल आलोचना ही नहीं होता, कई बार विपक्ष में रह करके भी किसी अच्छी बात की प्रशंसा करनी चाहिए। स्पीकर साहब, शुरू में चौटाला साहब ने शराबबंदी के बारे में कहा था कि यह अच्छा काम है इसका हम समर्थन करते हैं। इनकी तरफ से इस तरह का कोई

[श्री राम बिलास शर्मा]

थोथा फायर कर देना की एच०वी०पी० का कोई कार्यकर्ता शराब बिकवा रहा है या बी०जे०पी० का कोई कार्यकर्ता शराब बिकवा रहे है और हमारे किसी विधायक का नाम ले देने से कोई बात नहीं बनती। शराब बंदी का एक बहुत बड़ा संकल्प है। स्पीकर साहब महात्मा गांधी जी ने एक बार कहा था कि यदि मुझे हिन्दुस्तान का प्राईम मिनिस्टर बना दें तो हिन्दुस्तान में मैं सबसे पहले नशाबन्दी और शराबबंदी लागू करूंगा लेकिन महात्मा गांधी जी 30 जनवरी 1948 को इस हिन्दुस्तान से विदा हो गए उसके बाद यदि कोई सूरमा आया या कोई प्रशासक आया जिसने गांधी बाबा का वह सपना साकार किया वह तो चौधरी बंसी लाल जी हैं। वह चौधरी बंसी लाल जी की सरकार है। (थम्पिंग) आज स्पीकर साहब, कहने में और करके दिखाने में बहुत बड़ा अंतर है। इस बजट के बारे में यह कह दिया कि अगरबत्ती और धुप बत्ती से टैक्स खत्म कर दिया। हां स्पीकर साहब, हम हरियाणा में गौरवशाली हरियाणा का निर्माण करना चाहते हैं। हम हरियाणा की नैतिकता जगाना चाहते हैं। हम हरियाणा को इसके पुराने वैभव के स्थान पर पहुंचाना चाहते हैं। हमने शराबबंदी लागू की है। हम इन महानुभावों से प्रार्थना करना चाहते हैं कि आप कोई धर्म कर्म कर लो, अपने लोक प्रलोक को सुधार लो। स्पीकर साहब, हरियाणा में जो लोग शराब पीते थे उनको किसी काम में तो लगाना था। मुरारी बापू की रोहतक में कथा और आशाराम बापू की करनाल में कथा कराई। स्पीकर साहब, हमने अगरबत्ती और धूपबत्ती से जानबूझ कर टैक्स हटाया है ताकि मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों को सदबुद्धि आ जाए हमने हरियाणा की धार्मिक भावनाओं का अगरबत्ती और धूपबत्ती से टैक्स हटा करके आदर किया है। हरियाणा के लोग अपने ईष्ट के सामने अपनी श्रद्धा से अगरबत्ती और धूपबत्ती का प्रयोग करते हैं अपने पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए उसका प्रयोग करते हैं और शराब की बदबू से हरियाणा को बचाया जा सके उसके लिए उसका प्रयोग करते हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रख कर हमने अगरबत्ती और धूपबत्ती से टैक्स हटाया है। स्पीकर साहब, ओम प्रकाश चौटाला ने कहा कि अगरबत्ती और धूपबत्ती से टैक्स इसलिए खत्म कर दिया चूंकि बी०जे०पी० के लोग मंदिर मस्जिद की राजनीति करना चाहते हैं। स्पीकर साहब यह देश तो मंदिरों का देश है। यहां तो जब बारिश होती है तो उस समय जब इस देश का अनपढ़ किसान अपने खेत में हलसोतिया करता है तो उसकी घरवाली खेत में उसकी रोटी ले कर जाती है और उसके लिए मिठाई ले कर जाती है उस हाली को मौली बांधती है वह बाजरे का पिंडा ले कर आती है तब भी गणेश जी की पूजा होती है। स्पीकर साहब, हिन्दुस्तान कोई हज़ार दो हज़ार साल पुराना देश नहीं है यह कोई लाख दो लाख साल पुराना देश नहीं है। इस देश का तो सृष्टि के प्रारम्भ से ही प्रादुर्भाव हुआ है। यह सृष्टि के साथ जन्म लेता है और सृष्टि के साथ ही विलय होता है। यह अनुष्ठान का देश है। यह संकल्प का देश है। यह श्रद्धा और विश्वास का देश है। इस देश में जब कोई आदमी अनुष्ठान करता है जब कोई आदमी कोई शुभ संकल्प करता है, जब कोई आदमी अपना कोई नया इरादा बनाता है तो वह उसका मंदिर में धूपबत्ती लगा कर संकल्प करता है। स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कह दिया कि यह जो बजट पेश किया गया है यह कोई बजट नहीं लगता यह तो ऐसे लगता है जैसे दिवाली का पूजन किया गया है। उनकी यह बात ठीक है। स्पीकर साहब, हमारे यहां जो पुराने बही खातों का परिवर्तन होता था और नए बही खातों की जो शुरूआत होती थी वह दिवाली को ही होती थी। आज भी हमारे प्रदेश में पुराने बही खातों को दिवाली के दिन ही नए बही खातों में बदला जाता है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने ठीक बात कही और उन्होंने ठीक टिप्पणी की। हम दिवाली को शुभ त्यौहार मानते हैं, हम दिवाली को लक्ष्मी का त्यौहार मानते हैं इसीलिए हमने इस बजट का संकल्प इस महीने सदन में प्रस्तुत किया है। हम इसको दिवाली के त्यौहार जैसा ही मानते हैं। चौटाला साहब ने एक बात किसानों के ट्रैक्टर्ज के कर्जे लेने के बारे में कही। उन्होंने

कहा कि किसान ट्रैक्टर के लिए मार्किटिंग बोर्ड से कर्जा लेंगे, हैफ्ड से कर्जा लेंगे और जो मुनाफे के अदायरे हैं उनसे कर्जा लेंगे लेकिन वे केन्द्रीय सरकार की सलाह के बिना कर्जा नहीं ले सकेंगे। स्पीकर साहब, मुझे पता नहीं चौटाला साहब को इस तरह की स्पीच कौन तैयार करके देता है। स्पीकर साहब, चौटाला साहब कह रहे थे कि पिछले 9 महीने के दौरान कोई एम०ओ०यू० सिगनेचर नहीं हुआ एक तरफ तो ये कह रहे हैं कि बिजली बोर्ड को बेच दिया है अन्दरखाने इनकी बात हो गई। चौटाला साहब एक तरफ तो कह रहे हैं कि कोई एम०ओ०यू० सिगनेचर नहीं हुआ और दूसरी तरफ में फर्मा रहे हैं कि इस सरकार ने बिजली का निजीकरण कर दिया, बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की छंटनी करने का मन बना लिया है, और किसानों की सबसीडाइज्ड बिजली को हम महंगा कर देंगे। स्पीकर साहब, या तो हम शब्दों का अर्थ नहीं जानते या फिर चौटाला साहब को हम अक्षर से पढ़ना चाहते हैं या फिर हम को वह बात बताना नहीं चाहते जिसको ये कहना चाहते हैं। यह बात ठीक है कि चौधरी बंसी लाल के नेतृत्व वाली एच०बी०पी० व बी०जे०पी० की गठबन्धन की सरकार ने आज तक कोई एम०ओ०यू० साईन नहीं किया और न ही हम आगे कोई एम०ओ०यू० साईन करने का इरादा रखते हैं। यह गुपचुप बात हुआ करती है। हम तो डंके की चोट पर इस सदन के सामने सब कुछ रखेंगे। ग्लोबल टैण्डर्ज इन्वाईट करेंगे। जो सबसे ठीक लगेगा जो सबसे कम्पीटेंट लगेगा और जो क्वालिटी जनरेट करके दिखायेगा उसको इस पूरे सदन की सहमति से हम इन्वाइट करेंगे। हमने कोई एम०ओ०यू० साईन नहीं किया और न करने का इरादा है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय इनके 9 महीने के शासनकाल की अवधि में कोई एम०ओ०यू० साईन नहीं हुआ। (विघ्न) क्या आप एम०ओ०यू० का मतलब जानते हो।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, हम एम०ओ०यू० का मतलब अच्छी तरह जानते हैं। एम०ओ०यू० का मतलब है मैमोरेंडम आफ अन्डर स्टेंडिंग। It is always between the two parties.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : कोई नया कारखाना इन 10 महीने के अर्से में लगाया हो तो बताओ। आप यह कहते हैं कि एम०ओ०यू० साईन नहीं करेंगे तो यह जाहिर है कि कोई नया काम हो ही नहीं रहा। जब कोई नया कारखाना लगेगा तो उसके लिए बिजली चाहिए, पानी चाहिए और पैसा चाहिए। आपने कुछ किया हो तो बताएं।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, हर सरकार की अपनी प्राथमिकताएं हुआ करती हैं। सरकार के मुखिया की अपनी प्राथमिकताएं हुआ करती हैं। स्पीकर साहब, आदरणीय ओ०पी० चौटाला का यह भाषण है। 1990 में संयोग से मैं भी इस महान सदन का सदस्य था। स्पीकर साहब, 19 मार्च 1990 को मैंने डिजनीलेंड के ऊपर एक प्रश्न इस सदन में रखा। यह सवाल नं० उस समय की सूची के अनुसार 1100 था। इसके ऊपर आधे घंटे की डिस्कशन हुई थी। मोटे तौर पर आधे घंटे की चर्चा में कहा गया कि 28342 एकड़ जमीन सोहना हल्के की ग्वाल की पहाड़ी, दमदमा गांव और उसके आसपास के गांव के एरिया की होगी। फिर मैंने यह बताया कि ये छोटे छोटे गुजरों और अहीरों के गांव हैं। आधी जमीन इनकी पहाड़ी है। तीन-चार किल्ले के ये किसान हैं। ये लोग गांव भैंस पालते हैं और उनके दूध को दिल्ली में बेच कर अपना गुजारा करते हैं। यह उनकी जमीन का जो अधिग्रहण किया जा रहा है वह नहीं किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, उस समय के माननीय मुख्यमंत्री ओ०पी० चौटाला ने फरमाया था कि इससे हरियाणा का टैक्स बढ़ेगा हमने कहा कि टैक्स कैसे बढ़ेगा तो इन्होंने कहा कि यहां पर डिजनीलैंड बनेगा, एम्यूजमेंट पार्क बनेगा। यह कहने लगे कि लोग इसको देखने के लिए आएंगे अध्यक्ष

[श्री राम बिलास शर्मा]

महोदय हमने कहा कि 5 किलो दूध बेचकर जो गुजारा करते हैं वह एम्यूजमेंट पार्क कैसे देखेंगे। तब इन्होंने फरमाया था कि यह दिल्ली हवाई अड्डे के नजदीक है। अमरीका से लोग आएंगे। 25 डालर देंगे और मैंने कहा था कि गोबर थाप कर जो लोग गुजारा करते हैं उनको टैक्स कैसे मिलेगा और ये उस समय उसका जवाब नहीं दे पाये थे। मैं कहना चाहता हूँ कि आज बिजली की खपत पहले से बीस गुणा बढ़ी है। एक करोड़ यूनिट हरियाणा की अपनी बिजली है। आज सानी पशुओं का चारा बिजली से काटा जाता है, आटा पिसता है तो बिजली पीसती है। दूध को बिलोया जाता है या ठण्डा गर्म किया जाता है तो बिजली द्वारा किया जाता है। किसान का ट्यूबवैल चलता है तो बिजली से चलता है और फिर स्पीकर साहब, गांव में दूध-बिजली से बिलोया जाता है यह बात रामपाल माजरा ने भी कही थी कि इस सरकार के समय में दूध बिलोया नहीं जा रहा क्योंकि समय पर बिजली नहीं आ रही, न शाम को धूप-बत्ती हो रही है। धूप-बत्ती पर टैक्स हटाया तो यूं आलोचना करते हैं। दूध ठीक से नहीं बिलोया जा रहा तो उसकी चिंता कर रहे हैं, आलोचना कर रहे हैं। एक बार सिरसा भाखड़ा नहर ताजा ताजा खुदी तो हमारे एक नेता हुआ करते थे उन्होंने कोई न कोई अपनी बात कहनी होती थी। गांव के भोले लोग होते हैं। उनको आंकड़ों से लेना देना कुछ नहीं होता। वे बहुत जोर से बोलते थे कि अरे कोई छाछ पीकर डंड बैठक लगा कर पहलवान बनते देखा है। उससे लोग पूछते थे कि आप कहना क्या चाहते हैं। वे कहते थे कि जो पानी भाखड़ा का आपको मिल रहा है यह तो बिजली निकला हुआ पानी मिल रहा है। इसमें छाछ का पानी है। मक्खन निकला हुआ पानी है। बिजली के मामले में हमने कोई कुछ किसी कम्पनी को लिख कर नहीं दिया। कोई मेज पर हमारी बातचीत नहीं हुई सिर्फ चर्चा है। हरियाणा में चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री हो और एच०वी०पी० और बी०जे०पी० के संवेदनशील विधायक हों एवं यदि राज्य में बिजली का संकट हो फिर भी अगर बिजली सरकार की पहली प्राथमिकता न हो तो मैं समझता हूँ वह सरकार गुनाहगार होती । मैं सदन के सामने यह बताना चाहता हूँ कि चौधरी बंसी लाल जी ने अपनी सारी शक्ति बिजली के ऊपर लगा दी है। अगले साल के लिए हमने योजना बनाई है कि एक हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन करेंगे। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप अपनी सीट पर बैठें (विघ्न) चौटाला साहब, आप चेयर की परमिशन के बिना बोल रहे हैं इसलिए आपने जो कुछ भी कहा है वह रिकार्ड नहीं किया जाएगा। चौटाला साहब जो बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, बजट के बारे में मैं बता रहा था और सरल भाषा में मैं अपनी बात समझा रहा था लेकिन चौटाला साहब जो बात कह रहे हैं वह तो वही फोके पानी वाली बात कर रहे हैं और वैसे ही रौला मचा रहे हैं। स्पीकर सर, इनकी बात पर मुझे शेखचिल्ली की एक कहानी याद आती है जो कि अक्सर गांव में सुनाई जाती है। एक बार चार आदमियों के पास कुछ पैसा था तो उन्होंने सोचा कि कोई धन्धा करें। एक ने एक सुझाव दिया तो दूसरे ने दूसरा सुझाव दिया कि यह धन्धा कर लेते हैं तीसरे ने कोई और सुझाव दिया तथा चौथे ने कोई और सुझाव रखा कि भई सब मिल कर यह धन्धा कर लेते हैं। आखिर में वे सब इस बात पर राजी हो गये कि गांव के गौहर में गन्ने की खेती करने का धन्धा कर लेते हैं लेकिन उनमें से कोई एक कहने लगा कि गन्ने कि खेती तो कर लेंगे

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

लेकिन साथ ही यह गांव पड़ता है और यहां से बच्चे आएंगे तथा गन्ने तोड़-तोड़ कर खाएंगे इससे हमें घाटा हो जाएगा। इस प्रकार से उन्होंने इस बारे सोचना शुरू कर दिया कि इसका क्या इलाज किया जाए। (विघ्न)

बैठक का समय बढ़ाना

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि हाउस का समय आधे घण्टे के लिए बढ़ा लिया जाए।

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the House be extended by half an hour ?

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : हाउस का समय आधे घण्टे के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम विलास शर्मा : स्पीकर सर, मैं यह कह रहा था कि वे यह कहने लगे कि इसका क्या इलाज किया जाए। उनमें से एक कहने लगा कि चलो गांव को आग लगा देते हैं न गांव रहेगा और न ही बच्चे आ कर गन्ने खाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से गन्ने के ख्याली विचार में ही गांव को आग लगा दी। जब गांव को आग लग गई तो लोग आग बुझाने में लग गए कोई पानी डाल रहा था तो कोई आग पर रेत डाल कर आग बुझाने में लगा हुआ था। लेकिन वे चारों गांव के लोगों पर हंस रहे थे और कह रहे थे कि और गन्ने चूंस लो और गन्ने चूंस लो। अध्यक्ष महोदय, हमारे ये भाई तो इसी प्रकार की बात कर रहे हैं अभी कोई बात नहीं हुई, कोई फैसला नहीं हुआ है, बिजली का कोई निजीकरण अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन इन भाईयों ने वैसे ही रौला मचा दिया। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने बड़े आराम से फरमा दिया कि जिन्दल स्ट्रिप्स पर टैक्स घटा दिया। फ्लोरिश जो कि हमारे सेठ किशन दास के बेटे की फैक्टरी है, उसका टैक्स घटा दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस में यह बात कहना चाहता हूँ कि व्यापारियों का एक व्यापार मण्डल माननीय मुख्य मंत्री जी से मिला था। अध्यक्ष महोदय, हमने 8 चीजों पर टैक्स घटाया है। जूते के ऊपर 12% टैक्स था, उसको घटा कर हमने 4% किया है। इसके अलावा 200/- रुपये तक के जूते पर भी टैक्स समाप्त कर दिया क्योंकि यह जूता गरीब आदमी पहनता है। फर्नीचर पर 10% टैक्स था, उसको घटा कर 4% किया गया है। सरसों किसान पैदा करता है इसलिए उस पर भी हमने टैक्स घटा दिया है। इसी प्रकार से इलैक्ट्रोनिक्स गुड्ज़ और इलैक्ट्रिकल गुड्ज़ पर भी हमने टैक्स घटाया है क्योंकि दूसरी स्टेट्स की बजाए ये चीजें यहां पर महंगी बिक रहीं थीं। व्यापार मण्डल के साथ हमारी रिसोर्सिज़ कमेटी की तीन बैठकें हुई। व्यापारियों ने पूरा टैक्स देने का भी आश्वासन दिलाया। अध्यक्ष महोदय, अर्थ-शास्त्र का यह नियम है कि Minimum rates of taxes, means the maximum realisation of taxes. This is the basic philosophy of revenue collection.

अध्यक्ष महोदय, 8 चीजों पर हमने टैक्स में राहत दी है और ये कह रहे हैं कि सेठ किशन दास का टैक्स घटाया है। टैक्स घटाने के बावजूद भी हमारा टैक्स रियलाईज़ेशन बढ़ा है। पिछले साल जो टैक्स रैवेन्यू था उससे ज्यादा टैक्स रैवेन्यू हमें इस साल प्राप्त हुआ है।

श्री मनीराम : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह जो आपने टैक्स घटाया है यह 31 मार्च तक घटाया है या हमेशा के लिए घटाया है।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मनीराम जी ने टैक्स से सम्बन्धित बात पूछी मैं इनका स्वागत करता हूँ। हमारे पास व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मण्डल आया था और उन्होंने हमें कहा था कि आप टैक्स कम कर दें और टैक्स कम करने से आपके पास तीन गुणा टैक्स नहीं आया तो आप हमारा टैक्स दोबारा से बढ़ा देना। अध्यक्ष महोदय, हमने 6 महीने तक उनका टैक्स कम करके देख लिया हमें पहले से काफी ज्यादा टैक्स मिला है और हमें रैवेन्यू में काफी फायदा हुआ है। अब हम इसको लागू रखेंगे। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने किसानों के ट्रैक्टर के टायर पर टैक्स 10 प्रतिशत से पांच प्रतिशत किया है। यह इनको क्या पता नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह जो बिजली की सबसिडी 498 करोड़ रुपये है इस का क्या करेंगे ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूँगा कि किसानों की सबसिडी जैसे पहले है वह बदस्तूर जारी रहेगी। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने पहले बोलते हुए 360 करोड़ रुपये की बात कही थी। मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि यह 423 करोड़ हैं। जिस पैसे की बात चौटाला साहब कर रहे थे आप जानते हैं कि वर्ल्ड बैंक से जो सहायता का प्रावधान है उसे हम बजट में नहीं दर्शा सकते हैं। जो भी पैसा वर्ल्ड बैंक से लेने की बात हो रही है उसको हम पहले नहीं दर्शा सकते हैं। हां जब कर्ज मिल जाएगा तो हम खुलमखुला आप सबको बताएंगे। बिजली को बढ़ाने के बारे में हमने सभी आफिसर्ज को, सभी मैम्बर्ज को लेकर 10-10, 12-12 घंटे चर्चा की है और अधिकारियों से कहा है कि इस बारे में सोचें। हमारी कोशिश है और हम कोशिश कर रहे हैं कि कौन सी ऐसी ऐजैन्सी है जो हमें कर्जा दे सकती है (विघ्न) चौटाला साहब ने एक सौ करोड़ रुपये की बात कही। मैं इनको बताना चाहूँगा कि यह हमारी एडजस्टमैंट की बात है, किताबी एडजस्टमैंट की बात है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा में बिजली की मांग की जाती है। आज ये कहते हैं कि हम यह कहते थे कि हम बिजली उत्पादन को प्राथमिकता देंगे। ये कहते हैं मुख्यमंत्री जी ने यह वायदा किया था कि किसानों को गांवों में 24 घंटे बिजली देंगे। आज भी हम यह बात कहते हैं कि हम 24 घंटे बिजली देंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, बिजली के मामले में मैं यह कहना चाहता हूँ कि एक बार एक मियां बीवी लड़ रहे थे कि छोरे को डाक्टर बनाएंगे। उसकी बीवी कह रही थी कि इंजीनियर बनाएंगे। इतने में एक साधु वहां आ गया और वह उनसे पूछने लगा कि आप क्यों लड़ रहे हो। उस औरत का पति कहने लगा कि हम इसलिए लड़ रहे हैं कि यह लड़के को इंजीनियर बनाना चाहती है जबकि मैं चाहता हूँ कि वह डाक्टर बने। साधु ने उनसे कहा कि आप लड़के से तो पूछ लो कि वह क्या बनना चाहता है। वे दोनों कहने लगे कि लड़का तो अभी हुआ ही नहीं। अध्यक्ष महोदय, इन मित्रों की भी हालत ऐसी ही है यानि अगर ये किसी मुद्दे पर आलोचना करें फिर तो ठीक है लेकिन ये कहते हैं कि कमीशन भी खा लिया, हरियाणा में किसानों की बिजली के रेट्स भी बढ़ गये, बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की छंटनी भी हो गयी और सबसिडी भी घटा दी। अध्यक्ष महोदय, जबकि अभी तक एम०ओ०यू० भी साईन नहीं हुआ। आलोचना का भी आधार होता है। दस का सौ तो बनाया जा सकता है, सौ का दो सौ तो बनाया जा सकता है। लेकिन जीरो से

सी नहीं बनाया जा सकता, दो सौ नहीं बनाया जा सकता। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनको तो दूसरों के बैडरूम में झांकने की बुरी आदत पड़ गयी है। ले देकर बिजली बोर्ड की चोरी को ही स्वीकार कर लेते तब भी बात ठीक थी लेकिन they have confessed everything. आखिर में ये कह देते हैं कि चौधरी जसवन्त सिंह से कहला दो। वे भी कहेंगे। स्पीकर सर, उन्होंने कैटेगरीकली कहा है कि I am in favour of privatisation, as far as generation is concerned.

श्री ओमप्रकाश चौटाला : आप यह बात उनसे भी तो पूछ लें कि उन्होंने ऐसा कहा भी है या नहीं। चौधरी जसवन्त सिंह ने ऐसा नहीं कहा। आप गलत कह रहे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, राम बिलास शर्मा जी ने अभी कहा है कि चौधरी जसवन्त सिंह ने यह कहा है कि निजीकरण ठीक है। वे इस सदन के सदस्य हैं इसलिए उनसे भी पूछ लिया जाए कि उन्होंने भी ऐसा कहा है या नहीं।

श्री बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, राम बिलास जी ने जसवन्त सिंह के बारे में यह कहा है कि I am in favour of privatisation of generation not distribution.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : लेकिन उनसे भी तो यह पूछ लिया जाए कि वे इस बात के फेवर में हैं या नहीं। वे इस सदन में बैठे हुए हैं। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : मैं चौधरी जसवन्त सिंह के मामले में दूसरी बार उनकी उपस्थिति में कह रहा हूँ कि वे पावर जैनरेशन के प्राईवेटाइजेशन के हक में हैं। वे अपनी बात कहेंगे। हम किसी को बोलने से रोकते नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने फर्माया कि शिक्षा के लिए बीस करोड़ रुपये बजट में रखे हुए हैं। लेकिन मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूँ कि यह सरकार शिक्षा के मामले में बहुत बड़ा मौलिक परिवर्तन करने जा रही है। हमने वन्दे मातरम प्राईमरी शिक्षा से शुरू किया और विधानसभा तक ले आए। आज हरियाणा के सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों में वन्दे मातरम राष्ट्रगीत जो कि बंकिमचन्द चैटर्जी ने लिखा है, शुरू करवाया है तथा बच्चों में संस्कार प्रारंभ करवाया है और रविन्द्रनाथ टैगोर के राष्ट्रीयगान से समापन किया है। मैंने शुरू में ही कहा कि हम हरियाणा में उसकी पुरानी वैभवशाली एवं गौरवशाली संस्कृति को वापस लाना चाहते हैं। पहले हरियाणा में जो दुध दही का खान पान होता था, या हरियाणा में जो पहले बेदों का वास होता था तो हम उसी पुरानी संस्कृति की तरफ हरियाणा को ले जा रहे हैं। हमने इस बार डी०आई०ई०टी० योजना के तहत चार जिलों के बजाए सात जिलों में कार्यक्रम प्रारंभ किया है। हमने प्राईमरी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अलग से बजट में ऐलोकेशन किया है। बलवंत सिंह मायना के मायना स्कूल का एवं मनीराम जी के मम्मावाली गांव के स्कूल का दर्जा बढ़ाने के लिए कहा है। (विघ्न) मैं आपके हल्के के एक एक गांव के बारे में जानता हूँ। इस बार हमने शिक्षा के लिए काफी पैसे का प्रावधान रखा है और जो जो विद्यालय दर्जा बढ़ाने के नोर्म्स पूरे करेंगे, हम उन सभी का दर्जा बढ़ाएंगे। सबसे ज्यादा स्कूलों का दर्जा इस बार सरकार बढ़ाएगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : शर्मा जी, वर्ष 1996-97 में इस बजट में प्लान और नॉन प्लान रेवेन्यू ऐक्सपैंडीचर था 721 करोड़ और 1997-98 में 741 करोड़ रुपया है केवल 20 करोड़ रुपये आपके पास हैं उस 20 करोड़ में आप यह मानकर चलिए कि 4 परसैंट इंक्रीज होगी यानि कि 4 परसैंट मंहगाई मान लें। 4 हजार मास्टर आपने रखे हैं और 5 हजार मास्टर और रखने जा रहे हैं। आप केवल 20 करोड़ रुपये में क्या-क्या करेंगे। यह बताएं ? दो कालेज खोलने के लिए भी आपने कहा है इस बजट के 20 नंबर पेज पर 98 नंबर पैरा में आपने कहा है कि दो नये कालेज बनाने जा रहे हैं तो 20 करोड़ रुपये में एक साल में क्या क्या करने जा रहे हैं जबकि एक इन्क्रीमैंट भी बढ़ेगी, मंहगाई भत्ता बढ़ेगा। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, पता नहीं कौन से आंकड़े की ये बात कर रहे हैं। स्पीकर सर, 1996-97 के मुकाबले 1997-98 में बजट में 765 करोड़ रुपया शिक्षा के लिए मुकर्रर किया गया है जब कि 1996-97 में 730 करोड़ रुपये का प्रावधान था। इसके अलावा 100 करोड़ रुपया शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के टी०ए०डी०ए० पर खर्च होगा जिसका बजट में अलग से प्रावधान है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह कौन से पेज पर कौन से पैरा में है आप यह बताइए। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, आप इनका कोई ईलाज करते हैं या हम करें? चौटाला जी, हर बात में उठकर खड़े हो जाते हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप क्या ईलाज करेंगे। ईलाज करने की पावर स्पीकर साहब के पास है।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप मेरी परमिशन के बिना बार-बार बोल रहे हैं। इसलिए आप बैठने की कृपा करें। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैं तो इनसे क्लैरिफिकेशन सीक कर रहा हूँ। (शोर)

नियम 104 का निलम्बन तथा सदन की सेवा से सदस्य का निलम्बन

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal) : Sir, I beg to move -

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application to the motion regarding suspension of Shri Om Parkash Chautala, M.L.A.

Mr. Speaker : Motion moved -

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application to the motion regarding suspension of Shri Om Parkash Chautala, M.L.A.

Mr. Speaker : Question is -

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application to the motion regarding suspension of Shri Om Parkash Chautala, M.L.A.

The motion was carried.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal) : Sir, I also beg to move -

That Shri Om Parkash Chautala, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Mouon moved -

That Shri Om Parkash Chautala, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Question is -

That Shri Om Parkash Chautala, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

वाक आउट

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम सरकार के इस डिक्टोरियल एटीच्यूड के विरोध में वाक-आउट करते हैं।

(इस समय विपक्ष के नेता के निलंबन के मुद्दे के विरोध में समता पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य वाक-आउट कर गये।)

वर्ष 1997-98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, बजट में जो 628 करोड़ रुपया कर्मचारियों के लिए रखा है उसमें 100 करोड़ रुपया केवल शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के लिए है, जिसके लिए आपने कहा कि यह दस प्रतिशत की बढ़ौत्तरी है। परन्तु 1996-97 में यह 15 प्रतिशत की वृद्धि है। बिजली बोर्ड के खजाने में तीन हज़ार करोड़ का घाटा जब इस सरकार को मिला तो लोगों ने यह सोचा था कि यह सरकार बड़े भारी टैक्स लगायेगी लेकिन एक चीज पर भी टैक्स न लगाने से पूरे हरियाणा की दो करोड़ जनता ने राहत का अनुभव किया है। स्पीकर सर, पिछले दिनों जब हम अपने क्षेत्र में गये और बिजली के बारे लोगों से बात की तो लोगों ने हमें बताया कि आपकी चिन्ता बिल्कुल सही है। आप बिजली का निजीकरण करें और बिजली की जनरेशन को बढ़ावें। पूरी हरियाणा की जनता ने इस बात को पसन्द किया है। स्पीकर सर, आपने सभी साथियों को बोलने का मौका दिया। कुछ सदस्यों ने अपने क्षेत्र के बारे में बातें भी कही। परन्तु उन्हें इस तरह की कोई भी बात हज़म नहीं हो रही है। हरियाणा की जनता इस सदन की मालिक है। एक-एक मिनट में ये विपक्ष के साथी कहते हैं कि जनता देख लेगी। स्पीकर सर, पिछले 20 सालों से हम जनता के सामने भूमिका अदा कर रहे हैं। पहले का जमाना चला गया, आज जनता राजनेताओं का फैसला गुण-दोष के आधार पर करती है। आज हरियाणा की जनता मानती है कि एक आदमी है जो जनता के दुख-दर्द को सबसे पहले प्राथमिकता पर रखता है। वे चौधरी बंसी लाल जी ही हैं जिन्होंने पहले बिजलीकरण किया था। वे ही अब बिजली का सुधारीकरण, उदारीकरण कर सकते हैं और हरियाणा की जनता की जरूरतों के मुताबिक बिजली पैदा कर सकते हैं। चर्चा के दौरान इन्होंने इस बात को महसूस किया है और स्वीकार भी किया है कि हमारी सरकार ने बिजली के बारे में पहली प्राथमिकता दी है। मेरे माननीय साथियों के पास न तो कोई आंकड़े हैं और न ही कोई कहने को बात है। इन बातों से जन भावना को ठेस पहुंचती है। इतने आर्थिक संकट के बोझ के बाद और केन्द्र सरकार से भी इस सरकार को सहयोग न मिलने के बाद भी एक संतुलित बजट, इतना सुखद बजट, हरियाणा की जनता के दुख दर्द को सबसे पहले प्राथमिकता पर रखनेवाला बजट, गांव व शहर पर कोई बोझ न डालने वाला बजट हमारे वित्त मंत्री महोदय श्री चरण दास शोरेवाला जी ने प्रस्तुत किया है जिसके लिए मैं उनको बधाई देता हूँ और इस सदन से गुजारिश करता हूँ कि इस बजट को सर्वसम्मति से पास करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, सदन की कार्यवाही का पाँच मिनट का समय और बढ़ा दिया जाये।

श्री अध्यक्ष : अभी तो बारह मिनट और बाकी हैं इसलिए समय बढ़ाने की जरूरत नहीं है।

वित्त मंत्री (श्री चरण दास) : अध्यक्ष महोदय, मैं तो बजट पर बोलने के लिए तैयारी कर रहा था और चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी के बारे में भी कुछ कहना चाहता था। मैं उनका भाषण बड़ी पेशेंस से सुन रहा था और अब कुछ सुझाव उनको बताना चाहता था लेकिन वे चले गये हैं। अध्यक्ष महोदय, 1997-98 के बजट के बारे में हुई चर्चा के बारे में अपना उत्तर आपके सामने रखना चाहता हूँ। स्पीकर सर, मेरे विपक्ष के भाई खासतौर से चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने अपने शब्दों से इस सदन को गुमराह करने की कोशिश की है। स्पीकर सर, श्री रामबिलास शर्मा जी ने तथा दूसरे साथियों ने विस्तार से अपनी चर्चा की है तथा सारे विपक्ष के भाईयों ने भी दिल से और अंतरंग से इस बजट की तारीफ की है कि सरकार ने अच्छा बजट पेश किया है। मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि यह बजट सर्वसम्मति से पास कर दिया जाए।

धन्यवाद।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम इस पर वोटिंग करावेंगे।

श्री अध्यक्ष : अगर कोई नया सदस्य ऐसी बात कहे तो बात ठीक है। धीरपाल जी, आप चौथी बार चुनकर इस सदन में आये हैं। इस पर कोई वोटिंग नहीं होती है। वोटिंग तो डिमांडज पर होती है। Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

*2050 hrs (The Sabha then*adjourned till 9.30 a.m. on Tuesday, the 18th March, 1997.).

28808--HVS--h.G.P., Chd.